Page 11

खेल

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने आरसीबी को किया इग्नोर, बताया कौन...

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

मैंने बेटी खोई और ममता ने कुर्सी, अर्जी कर पीड़िता की मां का पूर्व सीएम पर निशाना...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, चित्रा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • बुधवार • 27 मई 2026 • वर्ष 28 • अंक 174 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,45,650	₹ 2,85,000

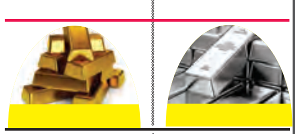

आज का इतिहास

2010 : भारत ने उड़ीसा के चांदीपुर में बालसोरा ज़िले में परमाणु तकनीक से लैस धनुष और पृथ्वी 2 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

1964 : पंडित जवाहरलाल नेहरू का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री और 20 वीं शताब्दी में भारतीय राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति थे। उन्हें कार्यालय में मृत पाया गया, मौत का कारण दिल का दौरा माना जाता है।

न्यूज बाइट्स

सिपाही भर्ती परीक्षा की तारीख बदली

पटना (नि.सं.) । बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने पांच विभागों में नियुक्ति के लिए मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिए हैं। आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक के साथ इंटरव्यू की तिथि घोषित कर दी गई है। साक्षात्कार जून महीने में आयोजित किए जाएंगे। बीपीएससी ने बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद में कनीय प्रयोगशाला सहायक, विधि पदाधिकारी, सहायक पर्यावरण अभियंता, जनसंपर्क पदाधिकारी और एनालिस्ट पदों के लिए इंटरव्यू शेड्यूल जारी किया है। इन पदों के लिए साक्षात्कार 10, 11, 12, 16 और 17 जून को आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग की हुई समीक्षा बैठक

शिक्षा विभाग में होगी बहाली, 211 प्रखंडों में शुरू होगी डिग्री की पढ़ाई

- ओपन यूनिवर्सिटी खुलेगी; किऊल-झाझा के बीच रेल लाइन बनेगी
- 10 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर संयंत्र लगाने पर जोर।

निज संवाददाता | पटना

पटना में मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उच्च शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पथ निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 1 जुलाई से डिग्री कॉलेज रहित 211 प्रखंडों में डिग्री की पढ़ाई शुरू कराई जाए। इन नए कॉलेजों में शिक्षकों एवं कर्मियों की बहाली के लिए जल्द कमिटी गठित कर सभी रिक्तियों को एक साथ जोड़कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने बिहार में अधिक ओपन यूनिवर्सिटी स्थापित करने की दिशा में भी पहल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में संचालित ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन कर बिहार में भी ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिल सके और विश्वविद्यालयों पर दबाव कम हो। उन्होंने बिहार के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों को देश के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों से जोड़ने के लिए एमओयू साइन करने की तैयारी करने का निर्देश भी दिया। सरकार का उद्देश्य दूसरे राज्यों के विद्यार्थियों को भी बिहार में पढ़ाई के लिए आकर्षित करना है। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि डिग्री कॉलेज के लिए जमीन दान देने वाले व्यक्ति या उनके द्वारा सुझाए गए नाम पर कॉलेज का नामकरण किया जाएगा। वहीं भवन निर्माण में सहयोग करने वालों के नाम पर कॉलेज परिसर के हिस्सों का नाम रखा जाएगा।

बैठक में विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पुनर्स्थापन को लेकर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को जल्द जमीन हस्तांतरित करने के लिए पत्र भेजने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य के सभी रिसर्च सेंटर एवं शोध संस्थानों को व्यवस्थित और स्पेशलाइज्ड बनाने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने किऊल-झाझा के बीच तीसरी रेल लाइन निर्माण परियोजना को मंजूरी दे दी है। लगभग 961.71 करोड़ रुपये की लागत से यह परियोजना पूरी की जाएगी।

सरकारी खर्चे पर विदेश यात्रा पर लग सकती है रोक

सूत्रों के अनुसार बिहार सरकार खर्चों में कटौती एवं "लोकल फॉर वोकल" को बढ़ावा देने की दिशा में भी कदम उठा रही है। अगले छह महीने तक मंत्रियों एवं अधिकारियों की सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा पर रोक लगाने संबंधी आदेश जल्द जारी हो सकता है। सरकार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सपरिवार बिहार के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए भी प्रेरित करने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित योजना के तहत उन्हें प्रत्येक तीन महीने में किसी पर्यटन स्थल पर रात्रि विश्राम करना होगा, ताकि पर्यटन विकास को बढ़ावा मिल सके और स्थानीय स्तर पर फीडबैक प्राप्त हो सके।

नल-जल योजना पर लगातार निगरानी का निर्देश

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में लोगों को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़े। नल-जल योजना की लगातार मॉनिटरिंग करने तथा जहां पानी की समस्या हो वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। पथ निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऊर्जा विभाग की हालिया समीक्षा बैठक का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने 10 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर संयंत्र लगाने तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया।

यूपी में सड़क हादसा : बस पलटने से बिहार के दरोगा और कैदी समेत छह की हुई मौत

निज संवाददाता | पटना

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मंगलवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर एक डबल डेकर एसी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बिहार पुलिस के एक दरोगा और एक कैदी समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 यात्री घायल हो गए। घायलों में 3 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। मृतकों में रविचरण राम और छत्तरपाल सिंह तोमर की पहचान हुई है। रविचरण राम बिहार के सीवान जिले के निवासी थे और उनकी पोस्टिंग सीवान पुलिस लाइन में थी। बताया जा रहा है कि वे दो वर्ष बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। हादसे में मृत अन्य चार लोगों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर को पेशी के लिए गुरुग्राम कोर्ट लेकर गई थी। पेशी के बाद पुलिस टीम कैदी को लेकर बिहार लौट रही थी। इसी दौरान दिल्ली से बिहार जा रही बस उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 262 के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक को झपकी आने के कारण बस से नियंत्रण खो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस तेज रफ्तार में थी। अचानक बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई और सड़क किनारे रेलिंग पर लटक गई। हादसे के दौरान कई यात्री बस की खिड़कियों से बाहर गिर गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, यूपीडा की टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। 6 से 7 एंबुलेंस की मदद से कुल 27 घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने 6 यात्रियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। एक महिला यात्री को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार बस में सवार अधिकांश यात्री उत्तर प्रदेश के बस्ती, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर जिले के रहने वाले थे। इस हादसे पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

गंगा नदी में डूबने से तीन की मौत, एक किशोर लापता

निज संवाददाता | पटना

पटना में मंगलवार सुबह गंगा नदी में नहाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। गांधी घाट पर डूबने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक किशोर अभी भी लापता है। मृतकों में चंदन कुमार, अमित और समर शामिल हैं। वहीं 17 वर्षीय जॉय अब भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, अमित, जॉय और समर कंकड़बाग स्थित आरएलएमएस कॉलोनी के रहने वाले थे और नौवीं कक्षा में पढ़ते थे। अमित और जॉय आपस में चचेरे भाई थे, जबकि समर उनका दोस्त था। सभी मंगलवार सुबह साइकिल से गंगा स्नान के लिए गांधी घाट पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। इसी दौरान उन्हें बचाने के लिए कदमकुआं दरियापुर निवासी चंदन कुमार नदी में कूद पड़े।

एक्युप्रेशर चिकित्सा पर अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन आयोजित, "एक्यु फाइंड एप" किया गया लॉन्च

निज संवाददाता | पटना

एक्युप्रेशर चिकित्सा को लेकर आयोजित अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन में देश-विदेश के चिकित्सकों ने भाग लिया। सम्मेलन में डॉ. श्रीप्रकाश बरनवाल ने कहा कि एक्युप्रेशर चिकित्सा भारत से ही पूरे विश्व में पहुंची है। उन्होंने बताया कि बीएवाईसी कॉलेज के माध्यम से सात देशों में संस्थान स्थापित कर शिक्षण एवं चिकित्सा कार्य संचालित किए जा रहे हैं। यह महासम्मेलन बिहार निवासी एवं एक्युप्रेशर चिकित्सा के जनक माने जाने वाले डॉ. चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 105वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। इस दौरान 27वीं व्याख्यानमाला उनके परपोते सर्वप्रकाश द्वारा प्रस्तुत की गई। देशभर से पहुंचे लगभग 500 चिकित्सकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सम्मेलन के दौरान "एक्यु फाइंड एप" लॉन्च किया गया। इस एप के माध्यम से रोगों से संबंधित एक्युप्रेशर बिंदुओं की जानकारी के साथ दैनिक उपचार योजना भी उपलब्ध होगी। एप को निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकेगा। एप की अवधारणा दसवीं के छात्र आदित्य प्रकाश ने तैयार की, जबकि इसकी प्रस्तुति सर्वप्रकाश के साथ दी गई। उपस्थित चिकित्सकों ने एप की सराहना की।

कार्यक्रम में एक्यूप्रेशर रोग और प्रबंधन तथा "आयुष्मान भवः" स्मारिका का भी विमोचन किया गया। देश-विदेश के 16 चिकित्सकों को "एक्युप्रेशर रत्न" एवं गोल्ड मेडल अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 11 मई से 25 मई तक आयोजित एक्युप्रेशर पखवाड़ा के दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने वाले 74 चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं स्वागतगान से हुआ, जिसे सुश्री शाम्मवी प्रकाश ने प्रस्तुत किया। द्वितीय वैज्ञानिक सत्र में लिम्बिक सिस्टम, डायबिटीज, लीवर जनित रोग एवं इम्यून सिस्टम पर एक्युप्रेशर चिकित्सा के प्रभाव से जुड़े शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव का ऐलान, 18 जून को होगा मतदान

पटना (नि.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव की घोषणा कर दी है। इनमें 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव जबकि 1 सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। सभी सीटों के लिए 18 जून 2026 को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। यह चुनाव बिहार विधानसभा कोटे की सीटों के लिए हो रहा है। जानकारी के अनुसार 9 सीटें संबंधित सदस्यों का छह वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के कारण रिक्त हो रही हैं, जबकि एक सीट पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। बताया गया है कि नीतीश कुमार का कार्यकाल मई 2030 तक था। ऐसे में इस सीट पर उपचुनाव जीतने वाले सदस्य को केवल चार वर्षों का कार्यकाल मिलेगा, जबकि अन्य 9 सीटों पर निर्वाचित सदस्य पूरे छह वर्षों के लिए विधान परिषद जाएंगे। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 1 जून से 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद 18 जून को मतदान कराया जाएगा। विधानसभा में वर्तमान संख्या बल को देखते हुए भाजपा और जदयू के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के 9 सीटों पर जीत की संभावना जताई जा रही है, जबकि विपक्ष के खाते में एक सीट जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। चुनाव आयोग की घोषणा के बाद राज्य की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों में उम्मीदवार चयन को लेकर लॉबिंग शुरू हो गई है।

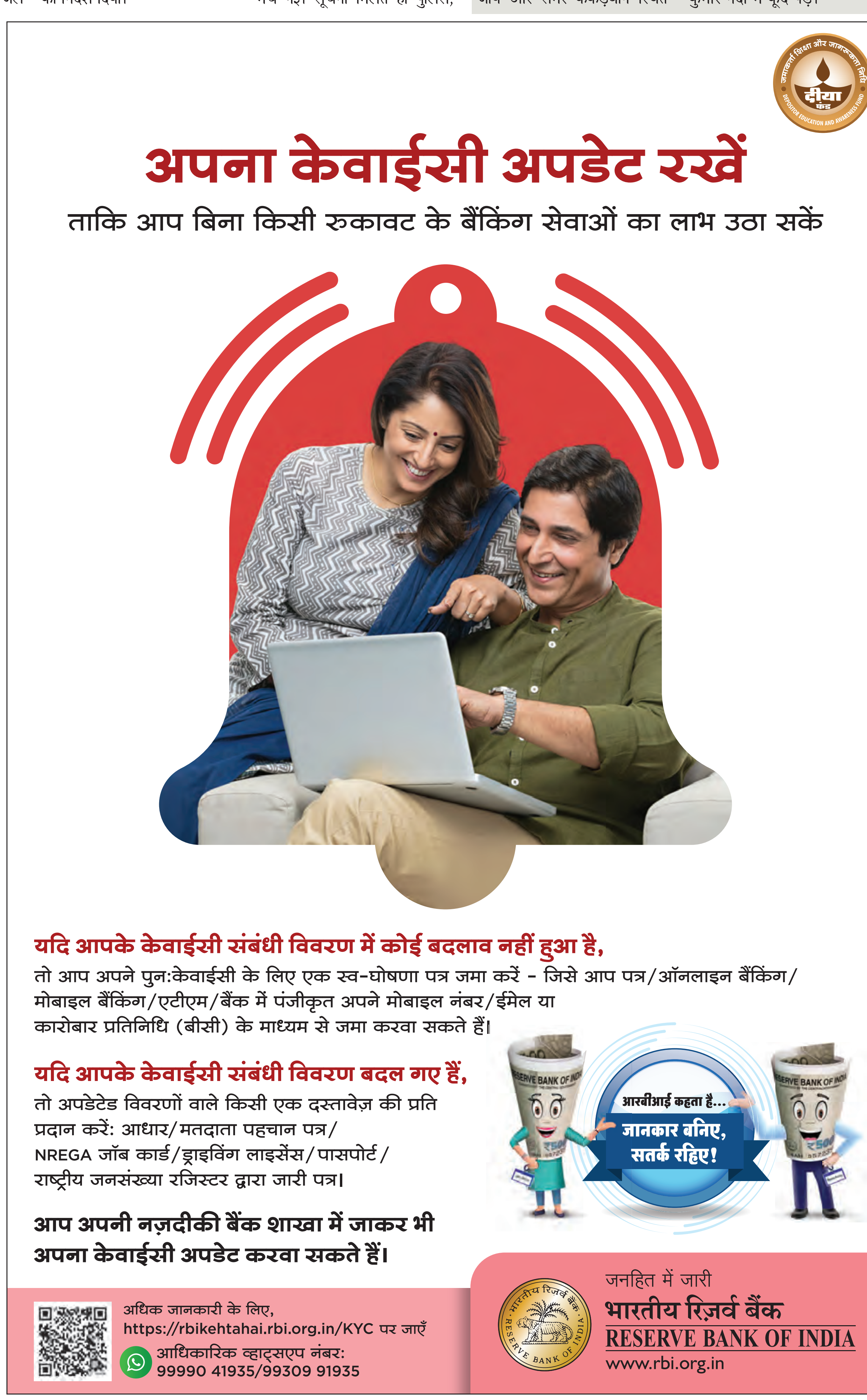

संक्षिप्त समाचार

घर के पास खड़े ई-रिक्शा की चोरी, चालक की बढ़ी परेशानी

नरहट (नवादा): नरहट थाना क्षेत्र के कुशा गांव में सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने घर के पास खड़े एक ई-रिक्शा की चोरी कर ली। घटना के बाद पीड़ित चालक के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित राजू चौधरी ने बताया कि रोज की तरह सोमवार की शाम उन्होंने अपना ई-रिक्शा घर के पास खड़ा किया था। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे जब बाहर निकले तो ई-रिक्शा गायब मिला। इसके बाद आसपास काफी खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। राजू चौधरी ने बताया कि उन्होंने करीब एक माह पहले ही किस्त पर लगभग दो लाख रुपये में नया ई-रिक्शा खरीदा था। इसी वाहन के परिचालन से परिवार का भरण-पोषण होता था। चोरी की घटना के बाद परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुशा गांव के समीप बरौली गांव से भी करीब एक माह पूर्व एक ई-रिक्शा चोरी हो चुका है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ई-रिक्शा चालक भयभीत हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से गश्ती बढ़ाने एवं चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

कौआकोल पीएचसी में जर्जर छत का हिस्सा गिरा, ड्यूटी पर तैनात एएनएम घायल

कौआकोल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौआकोल में मंगलवार को जर्जर छत का एक हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। घटना के समय इमरजेंसी ड्यूटी में कार्यरत एएनएम सुनीता कुमारी मौजूद थीं। छत का टुकड़ा गिरने से वे घायल हो गईं। हालांकि बड़ी दुर्घटना टल गई और अन्य लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद पीएचसी में अफरा-तफरी मच गई। घायल एएनएम का उपचार पीएचसी में ही कराया गया। जहां से बेहतर ईलाज के लिए उन्हें नवादा रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि अस्पताल भवन की छत काफी जर्जर हो चुकी है और आए दिन छत से प्लास्टर व टुकड़े गिरते रहते हैं। स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्थानीय लोगों ने भवन की मरम्मत कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के लिए पंचायतों में शिविर शुरू

कौआकोल। कौआकोल अंचल के सभी पंचायतों में मंगलवार से फार्मर रजिस्ट्री कार्य प्रारम्भ कर दिया गया। प्रतिनियुक्त कर्मियों द्वारा शिविर लगाकर किसानों का निबंधन किया जा रहा है। सीओ मनीष कुमार ने बताया कि कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त प्रयास से युद्ध स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री अभियान चलाया जा रहा है। शिविरों में किसानों की आवश्यक जानकारी दर्ज कर ऑनलाइन रजिस्ट्री की जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित शिविरों में पहुंचकर फार्मर रजिस्ट्री अवश्य कराएं, ताकि सरकार की कृषि योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

पंचायत सचिवों की हड़ताल से कार्य प्रभावित, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनना ठप

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड में पंचायत सचिवों के हड़ताल पर रहने से पंचायत कार्यालयों का कार्य प्रभावित हो गया है। खासकर जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का कार्य पूरी तरह ठप पड़ गया है,जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार द्वारा पंचायत सचिवों के कार्यों के निष्पादन के लिए कार्यपालक सहायकों एवं राजस्व कर्मचारियों को प्रभार दिया गया है,लेकिन उनके द्वारा कार्यों का समुचित निष्पादन नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। कई आवेदकों ने बताया कि जरूरी दस्तावेज नहीं बनने से विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं अन्य कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

बकरीद को लेकर कौआकोल में शांति समिति की बैठक

कौआकोल। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता सीओ मनीष कुमार,बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार तथा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने की। बैठक में थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से बकरीद पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि पर्व को लेकर थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थानों पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्ती भी जारी रहेगी तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें। बैठक में मौजूद लोगों ने भी प्रशासन को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

घरेलू कलह में चूहा मारने की दवा खाने वाले युवक ने तोड़ा दम,पत्नी और ग्रामीण पर हत्या का केस दर्ज होने के बाद हिरासत में ली गई आरोपी महिला

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग पंचायत अंतर्गत मांगोडीह गांव से सोमवार को सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने अब नया मोड़ ले लिया है, जहां घरेलू विवाद में चूहा मारने की दवाई खाने वाले युवक रविंद्र राजवंशी उर्फ मंगरू राजवंशी की आखिरकार मौत हो गई। सोमवार की सुबह जब वह गांव के समीप नदी के किनारे अचेत और तड़पती हुई हालत में मिला था, तो उसके रिश्तेदार नीतीश कुमार ने आनन-फानन में उसे सुबह सवा नौ बजे रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. अभिप्राय चौधरी ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पावापुरी स्थित विम्स अस्पताल रेफर कर दिया था, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका और बीते कल 25 मई को उसने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक मौत के बाद मंगलवार को मामले ने उस वक्त पूरी तरह तूल पकड़ लिया जब मृतक मंगरू के परिजनों, विशेषकर उसके नाना द्वारा स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर सीधे तौर पर उसकी पत्नी सिया देवी और एक ग्रामीण संतोष यादव के खिलाफ जहर खिलाकर मार डालने का संगीन आरोप लगाया गया। परिजनों द्वारा दिए गए इस आवेदन के आधार पर रजौली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नए कानून की धारा 103 के अंतर्गत हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी सिया देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। इस पूरे विवाद और मौत के बाद पीछे छूट गए दो मासूम बच्चों, जिनमें एक की उम्र महज छह साल और दूसरे की चार साल है, के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है और मां पुलिस कस्टडी में है, जिससे पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है तथा पुलिस हत्या और आत्महत्या के इन उलझे हुए पहलुओं की कड़ियों को जोड़ने के लिए सघन छानबीन में जुटी हुई है।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

नवादा। अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर की अध्यक्षता में आज दिनांक 26.05.2026 को बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा विधि-व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी शांति समिति सदस्यों द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बकरीद पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर द्वारा बताया गया कि बकरीद पर्व के अवसर पर सभी संवेदनशील स्थलों, मंदिरों एवं मस्जिदों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। अंत में सभी उपस्थित शांति समिति सदस्यों को आगामी बकरीद पर्व की हार्दिक बधाई दी गई तथा आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के साथ पर्व मनाने की अपील की गई। बैठक में कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल नवादा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा,सहायक अभियंता भवन प्रमंडल नवादा, प्रखंड विकास पदाधिकारी नवादा सदर, अंचल अधिकारी नवादा सदर, थाना अध्यक्ष नगर थाना नवादा, थाना अध्यक्ष बुंदेलखंड थाना नवादा सहित सभी शांति समिति सदस्य उपस्थित थे।

राजगीर मलमास मेला में झूला से गिर कर युवक की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड के ओड़ो पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सह बिक्कू निवासी विपिन कुमार सिंह उर्फ सोनू कुमार का 16 वर्षीय पुत्र अमन कुमार का प राजगीर मेला में सोनामी झूला पर से गिरने से मौत हो गई। मृतक ओड़ो पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया रीना देवी और उनके पति पूर्व पैक्स अध्यक्ष पंकज कुमार उर्फ पिंकू सिंह का पौत्र था। घटना सोमवार को तकरीबन आठ बजे रात की है। राजगीर डीएसपी ने बताया राजगीर मेला में सोनाली झुला पर से गिरने से अमन कुमार गंभीर हालत में जख्मी हो गया। स्वजन उसे तत्काल इलाज के लिए राजगीर अस्पताल लेकर गए,जहां कार्यरत चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पावापुरी विम्स लेकर गए। तदोपरांत वहां हालत गंभीर देखते हुए पीएमसीएच पटना भेज दिया। इलाज के लिए पटना लेकर जाने के क्रम में अमन की मौत हो गई। उन्होंने कहा राजगीर प्रशासन की ओर से सोनाली झूला के संचालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया गया, और झूला को बंद कर दिया गया है। लोगों का कहना है कि अभी तक प्रशासन की ओर से किसी तरह का पीड़ित परिवार को मुआवजे की राशि नहीं मिली है। इधर,घटना की खबर मिलते ही स्वजन व शुभचिंतकों में मातम छा गया। रो रोकर बुरा हाल हो रहा था। मृतक की मां कंचन देवी समेत अन्य स्वजन के करुण क्रंदन से सभी लोग गमगीन हो रहे थे। घटना की खबर मिलते ही काफी संख्या में लोग जुटे गये,और संवेदना देने में लगे रहे। इस घटना को सुनकर हर कोई आवक थे,लोगों के आंखों में अश्रुधारा बह रही थी। एक होनहार किशोर के निधन से हर कोई मर्माहत थे। मृतक दो भाई में सबसे बड़े थे। वह सरस्वती शिक्षा मंदिर राजगीर में 10 वीं कक्षा का छात्र था। इस घटना को लेकर लोगों ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा वह अपने सपरिवार के साथ राजगीर मेला देखने के लिए गया था। प्रबुद्ध नागरिकों ने पीड़ित परिवार को मुआवजे की राशि उपलब्ध कराने की मांग जिला प्रशासन से की है।

शिक्षकों की समस्याओं से रूबरू हुए एमएलसी डॉ0 नवल किशोर यादव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी डॉ० नवल किशोर यादव ने मंगलवार को प्रखण्ड के विभिन्न उच्च विद्यालयों का दौरा कर शिक्षकों से संपर्क साधा। इस दौरान विद्यालयों में शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया तथा अपनी समस्याओं से अवगत कराया। दौरे के क्रम में बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट,इंटर विद्यालय कौआकोल एवं गायत्री प्रोजेक्ट बालिका इंटर विद्यालय सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में बैठक आयोजित की गई। शिक्षकों ने वेतन विसंगति,प्रोन्नति,संसाधनों की कमी तथा विद्यालय संचालन से जुड़ी समस्याओं को एमएलसी के समक्ष रखा। मौके पर बापू इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार, शिक्षक गौरव कुमार, इंटर विद्यालय कौआकोल के प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा एवं गायत्री प्रोजेक्ट बालिका इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संदीप कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। एमएलसी ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

इप्टा के 84वें स्थापना दिवस पर जन संस्कृति दिवस आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के चरौल गांव में मंगलवार को इप्टा के 84वें स्थापना दिवस के अवसर पर जन संस्कृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार इप्टा के उपाध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इप्टा विश्व शांति और जन संस्कृति का पक्षधर संगठन है। यही वजह है कि नवादा इप्टा इस आयोजन को जनता के बीच जन संस्कृति दिवस के रूप में मनाता है। मुख्य अतिथि तुफानी प्रसाद यादव ने कहा कि इप्टा से जुड़े युवा लुप्त होती लोक विधाओं, कलाओं और नाट्य शैलियों को पुनर्जीवित कर जनता की आवाज बन रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सचिव चन्द्रमौलि कुमार ने इप्टा के इतिहास और वर्तमान संदर्भों पर प्रकाश डाला तथा आगामी सम्मेलन में नरेंद्र प्रसाद सिंह को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड देने की घोषणा की। कार्यक्रम को रामनरेश कुमार, उमाकांत सिंह एवं राजकुमार प्रसाद सहित कई लोगों ने संबोधित किया। नरेंद्र लिखित नाटक गम की आंसू में कुमुद द्वारा निभाई गई भीखारी की भूमिका को दर्शकों ने खूब सराहा। तबला, नाल व गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने देर रात तक समां बांधे रखा। इस दौरान कवि, लेखक एवं इप्टा संरक्षक जयप्रकाश तथा प्रेमचंद साहित्य मंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय कुमार सिंहा के आकस्मिक निधन पर एक मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन रत्नेश राज ने किया।

गयाजी में बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी

गर्मी में बिजली कटौती से फूटा लोगों का गुस्सा, कांग्रेस ने दिया धरना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी में इंडियन कांग्रेस के जिला इकाई के नेताओं ने बिजली व्यवस्था को लेकर आज शहर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शहर के विद्युत विभाग के महाप्रबंधक कार्यालय के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना देकर विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। नेताओं ने कहा कि भीषण गर्मी में लगातार हो रही बिजली कटौती से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। बगैर किसी सूचना के लम्बे समय तक बिजली काट दी जा रही है। हर 20 से 25 मिनट पर बिजली काटी जा रही है। यह सिलसिला दिन रात देखने को मिल रहा है।

धरना में शामिल कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार झुन्ना ने कहा कि गयाजी देश के सबसे गर्म जिलों में शामिल है। ऐसे समय में बिजली विभाग की लापरवाही लोगों की परेशानी और बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि कई-कई घंटे तक बिजली गायब रहती है। कभी फ्यूज उड़ जाता है, तो कभी ट्रांसफार्मर में आग लग जाती है। कई जगह बिजली के तारों में भी आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

विभाग के कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते: उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग के कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते। कई बार फोन तक नहीं उठाया जाता। इससे लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि धरना के माध्यम से विभाग को चेतावनी दी गई है। अगर जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी। जरूरत पड़ी तो बिजली विभाग के कार्यालय में ताला जड़ने का भी काम किया जाएगा।

गर्मी में लोगों का घरों में रहना मुश्किलः धरना में मौजूद कांग्रेस नेत्री डॉ. देविका सरयार ने कहा कि इस भीषण गर्मी में 8 से 10 घंटे तक बिजली काटी जा रही है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी मरीजों, महिलाओं व बच्चों को हो रही है। उमस भरी गर्मी में लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटने से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित हो रही है। बिजली नहीं रहने से पेयजल संकट गहरा गया है। मोटर नहीं चलने के कारण लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही समय रहते तमाम खराब ट्रांसफार्मर और जर्जर तारों को जल्द बदला जाए। ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

साइकिलिंग में करियर बनाने का सुनहरा अवसर

नालंदा में आयोजित होगी स्पेशल कॉम्पिटिशन, चयनित बेटियों को मिलेगी 20 दिनों की ट्रेनिंग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 3 जून 2026 को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'अस्मिता खेलो इंडिया' के तहत पूर्वी जोन साइकिलिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन नालंदा जिले में किया जाएगा। ये प्रतियोगिता बेन ब्लॉक के जुआफर स्थित न्यू राजगीर रोड पर सुबह 6 बजे से 9 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें 13 से 21 वर्ष की आयु वर्ग की बालिकाएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

नालंदा जिला साइकिल एसोसिएशन के सचिव प्रमोद कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली बालिकाओं को तीन अलग-अलग आयु वर्गों में विभाजित किया गया है, जिसमें 13 से 15 वर्ष, 16 से 19 वर्ष और 19 से 21 वर्ष के समूह शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' के संकल्प को साकार करना है, जो कि खेल के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छुक बेटियों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है।

बिहार स्टेट साइकिलिंग एसोसिएशन करेगी खिलाड़ियों का चयनः प्रतियोगिता के माध्यम से चुनिंदा खिलाड़ियों का चयन बिहार स्टेट साइकिलिंग एसोसिएशन द्वारा विशेष रूप से किया जाएगा, जिन्हें 20 दिवसीय गहन प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इतना ही नहीं, इन चयनित खिलाड़ियों को राज्य से बाहर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतिष्ठित साइकिलिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका भी मिलेगा, जिससे उनके खेल भविष्य को नई दिशा मिल सकेगी।

सचिव प्रमोद कुमार ने नालंदा की सभी बेटियों से अपील की है कि वे इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लें और साइकिलिंग में अपना करियर बनाने का संकल्प लें। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को विधिवत सम्मान, मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। फिलहाल, 'अस्मिता खेलो इंडिया लीग' पूर्वी जोन में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है। इस आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों और स्थानीय खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बकरीद को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर जिला शांति समिति की बैठक आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सुपौल। ईद-उल-जोहा (बकरीद) 2026 पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सावन कुमार ने की। बैठक में जिले के विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ शांति समिति के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आपसी भाईचारा कायम रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष ईद-उल-जोहा (बकरीद) का पर्व 28 मई 2026 को मनाया जाएगा और जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। उन्होंने कहा कि सुपौल जिला हमेशा से सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे के लिए जाना जाता रहा है तथा प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार भी लोग आपसी प्रेम और सहयोग के साथ पर्व मनाएंगे।

जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या असामाजिक गतिविधियों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर भी निगरानी रखने को कहा गया है। बैठक में मौजूद पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को लगातार गश्ती करने, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाने तथा विधि-व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला शांति समिति के सदस्यों ने भी बैठक में अपने विचार रखे और प्रशासन से पर्व के दौरान चौकसी बढ़ाने की मांग की। समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रशासन की सक्रियता से जिले में हमेशा शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है और इस बार भी सभी समुदाय के लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएंगे। उन्होंने प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी प्रमुख चौक-चौराहों, मस्जिदों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल की विशेष निगरानी रहेगी। साथ ही बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश संबंधित विभागों को दिया गया है ताकि पर्व के दौरान लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और यदि कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत प्रशासन को इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है तथा जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं जिले के अन्य प्रखंडों एवं नगर निकायों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े रहे।

रजौली में बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, स्वीट होम से नाबालिग मुक्त, संचालक पर प्राथमिकी दर्ज

श्रम प्रवर्तन अधिकारी के नेतृत्व में धावा दल ने चलाया रेस्क्यू अभियान,बाजार में मचा हड़कंप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र में बाल श्रम के खिलाफ प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मासूम को बाल मजदूरी के दलदल से मुक्त कराया है। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रामप्यारे प्रसाद के नेतृत्व में गठित एक विशेष धावा दल ने रजौली बाजार स्थित पूजा स्वीट नाम की दुकान पर अचानक छापेमारी की, जहां से एक 13 वर्षीय नाबालिग बच्चे को काम करते हुए पाया गया और उसे सकुशल रेस्क्यू किया गया। इस पूरी कार्रवाई को बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया, जिसमें गोविंदपुर और नरहट के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के साथ-साथ रजौली थाने में पदस्थापित एएसआई सत्यदेव प्रसाद और पुलिस बल शामिल रहे। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से पूरे रजौली बाजार के व्यवसायियों में हड़कंप मच गया और कई दुकानदार आनन-फानन में सतर्क होते दिखे।

रेस्क्यू किए गए बच्चे के संबंध में जानकारी देते हुए श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रामप्यारे प्रसाद ने बताया कि मुक्त कराया गया बच्चा पड़ोसी राज्य झारखंड के कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढ़ाकोला गांव का रहने वाला है, जिसे होटल में जोखिम भरे काम में लगाया गया था। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी प्रकार का जोखिम भरा कार्य कराना या उन्हें होटल, दुकान और ढाबों पर खाना बनाने जैसे कामों में लगाना पूरी तरह से कानूनन अपराध है, क्योंकि 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों को केवल सुरक्षित और गैर-जोखिम वाले कार्यों में ही नियमानुसार शामिल किया जा सकता है, जबकि पूरी तरह से वयस्क होने पर ही भारी श्रम की अनुमति होती है।प्रशासन ने मुक्त कराए गए बच्चे को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके परिजनों को सुरक्षित सौंप दिया है, लेकिन बाल श्रम कराने वाले दोषियों पर कानूनी शिकंजा कस दिया गया है। दुकान संचालक अनुज कुमार, पिता स्वर्गीय शंकर प्रसाद, के खिलाफ रजौली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी के अनुसार, बाल श्रम निषेध कानून के तहत ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर माननीय न्यायाधीश द्वारा नियोक्ता पर 20 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक का भारी जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान है। इस संबंध में रजौली के थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने पुष्टि करते हुए बताया कि श्रम विभाग से प्राप्त आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई को कड़ाई से पूरा करने में जुट गई है ताकि क्षेत्र में बाल श्रम पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

बिहार पुलिस के 69वें दीक्षांत समारोह में डीजीपी की अपील नवनियुक्त ट्रेनी डीएसपी बोले- सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। राजगीर में मंगलवार को बिहार पुलिस अकादमी का 69वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। एक साल की मेहतन और कठिन परिश्रम, ट्रेनिंग को पूरा करने वाले अंडर प्रोबिशन 19 डीएसपी ने भव्य पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया। संविधान और राष्ट्र की रक्षा की शपथ लेकर बिहार पुलिस की मुख्य धारा में शामिल हो गए। इनमें 14 पुरुष और 5 महिला डीएसपी शामिल हैं, जो अब सूबे की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएं देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भव्य पासिंग आउट परेड की सलामी बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने ली। दीक्षांत समारोह के दौरान बिहार पुलिस अकादमी के पुलिस उप महानिरीक्षक सह उप निदेशक एके लाल ने सभी 19 ट्रेनी डीएसपी को पद, कर्तव्य और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

वर्दी कोई साधारण वस्त्र नहीं, ये जनता के विश्वास का प्रतीकः डीजीपीः समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी ने सभी नव-नियुक्त डीएसपी को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें ईमानदारी, समर्पण, लगन तथा सेवा भाव से कार्य करने का गुरुमंत्र दिया। उन्होंने पुलिस की वर्दी के महत्व को बताते हुए कहा कि ये वर्दी कोई साधारण वस्त्र नहीं है। ये आम जनमानस के विश्वास, उम्मीद और सुरक्षा का सबसे बड़ा प्रतीक है। डीजीपी ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी का प्राथमिक कर्तव्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाना और उसकी रक्षा करना है।

'दहेजमुक्त समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं पुलिसकर्मी': डीजीपी विनय कुमार ने समारोह में मौजूद नव-नियुक्त अधिकारियों, सीनियर पुलिसकर्मियों और अभिभावकों से एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक अपील भी की। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार करते हुए सभी से एक 'दहेजमुक्त समाज' के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, ताकि पुलिस अधिकारी न केवल कानून के रक्षक बनें, बल्कि समाज सुधारक के रूप में भी अपनी पहचान स्थापित कर सकें।

ट्रेनिंग में बेस्ट परफॉर्मेंस करने वाले अधिकारियों को सम्मान भी दियाः अकादमी में एक साल के दौरान आयोजित कठिन प्रशिक्षण में मेहनत, लगनशीलता और अनुशासन के साथ विभिन्न विधाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ट्रेनी अधिकारियों को समारोह के दौरान विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इस पुरस्कार वितरण में नवनीत आनंद और राजन भारती का स्पष्ट दबदबा देखने को मिला। ट्रेनिंग पीरियड में ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए नवनीत आनंद को अकादमी के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'सीएम पिस्टल' (बेस्ट प्रोबेशनर ओवरऑल) से नवाजा गया। इसके साथ ही, नवनीत आनंद ने बेस्ट प्रोबेशनर इंडोर के लिए 'डीजीपी बैटन', 10 किलोमीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में संयुक्त रूप से डायरेक्टर्स ट्रॉफी और बेस्ट थीसिस के लिए 'अनिल कुमार मेमोरियल ट्रॉफी' भी अपने नाम की। आउटडोर गतिविधियों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने वाले राजन भारती को बेस्ट आउटडोर प्रोबेशनर के लिए प्रतिष्ठित 'डीजीपी स्वॉर्ड' (डीजीपी की तलवार) प्रदान की गई। राजन भारती ने इसके अलावा बेस्ट इन मैनेजमेंट, इन्वेस्टिगेशन एंड ट्रायल, बेस्ट इन पीटी, बेस्ट इन ड्रिल, 10 किलोमीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में संयुक्त रूप से डायरेक्टर्स ट्रॉफी भी हासिल की।

इसके अलावा, उज्ज्वल कुमार उपकार ने बेस्ट इन लॉ और बेस्ट इन लीगल अफेयर्स मैनेजमेंट के लिए डायरेक्टर्स ट्रॉफी प्राप्त की। फायरिंग (पुरुष वर्ग) में अभिषेक कुमार और फायरिंग (महिला वर्ग) में पूजा कुमारी ने डायरेक्टर्स ट्रॉफी जीती। पूजा कुमारी ने बेस्ट प्रोबेशनर इन हॉर्स राइडिंग (घुड़सवारी) और बेस्ट परेड कमांडर के लिए भी डायरेक्टर्स ट्रॉफी अपने नाम की। महिलाओं की 10 किलोमीटर दौड़ में सुधा राज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए डायरेक्टर्स ट्रॉफी हासिल की, जबकि डायरेक्टर्स असेसमेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रोबेशनर का खिताब अंकित कुमार रंजन को मिला। इन सभी होनहार अधिकारियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि वे भविष्य की किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हैं।

सफलता की कहानियांः संघर्ष, समर्पण और खाकी का जुनूनः 69वीं बीपीएससी परीक्षा में बिहार में प्रथम स्थान (रैंक वन) हासिल कर डीएसपी पद पर चयनित उज्ज्वल कुमार उपकार (गुप्ता) ने अपनी जर्नी पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये जर्नी मेरे लिए एक बड़े ट्रांसफॉर्मेशन (बदलाव) की तरह है। अकादमी में एक साल की ट्रेनिंकग ने मुझे फिजिकली, मेंटली पूरी तरह से बदल दिया है। उज्ज्वल कुमार उपकार ने कहा कि ट्रेनिंग के दौरान मुझे अंदर से जो शारीरिक क्षमता और आत्मविश्वास महसूस हुआ है, वो अद्वितीय है।

'शुरुआती चार-पांच प्रयासों में असफल हुई, लेकिन हार नहीं मानी': सीवान से ताल्लुक रखने वाली नवनियुक्त महिला डीएसपी मोनिका कुमारी की कहानी भी दृढ़ इच्छाशक्ति की बेहतरीन मिसाल है। उन्होंने बताया कि उनकी ये यात्रा काफी लंबी और संघर्षपूर्ण रही। शुरुआती चार-पांच प्रयासों में लगातार असफलता का सामना करना पड़ा और चयन नहीं हो पा रहा था, लेकिन हार नहीं मानी। परिवार के समर्थन और अपने विश्वास के बल पर मैंने 25वीं रैंक के साथ बिहार पुलिस सेवा में अपनी जगह पक्की की। मोनिका ने बताया कि अकादमी में कानून की बारीकियों (थ्योरी पार्ट) के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस और शस्त्र संचालन की कड़ी ट्रेनिंग दी गई।

'सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता': नालंदा के हरनौत प्रखंड स्थित पोआरी गांव के रहने वाले अंकित कुमार ने इस बैच में डीएसपी बनकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अंकित की पूरी पढ़ाई नालंदा से ही हुई है। तैयारी के दिनों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि छात्रों को कोचिंग के तैयार नोट्स के पीछे भागने के बजाय ज्यादा से ज्यादा प्रामाणिक किताबें पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आजकल इंटरनेट पर सब कुछ उपलब्ध है, बस छात्रों को खुद चीजों की गहराई में जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल के क्वेश्चन पेपर का विश्लेषण करना, उत्तर लिखने की शैली में सुधार करना और खुद से शोध करना ही असली सफलता दिलाता है।

ये 19 होनहार युवा बने डीएसपी, संभालेंगे कानून-व्यवस्था की कमानः बिहार पुलिस अकादमी राजगीर के इस 69वें दीक्षांत समारोह में जिन 19 युवाओं को सफलता मिली है, उनमें अभिषेक कुमार, अभिषेक राज, आनंद कुमार, अंकित कुमार, अंकित कुमार रंजन, अनुराग कुमार, भावना कुमारी, मोनिका कुमारी, नवनीत आनंद, पवन कुमार, प्रीति कुमारी, पूजा कुमारी, राजन भारती, संदीप कुमार सिंह, सर्वेश कुमार, शिवम तिवारी, सुधा राज, उज्जवल कुमार उपकार और विक्रमजीत सिंह शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

29 मई को गया नगर निगम की स्थायी समिति चुनाव, सात सदस्यों का चयन होगा

गयाजी। म्युनिसिपल कार्पोरेशन गया की सशक्त स्थायी समिति के गठन को लेकर चुनाव प्रक्रिया तेज हो गई है। नगर निगम के अंतर्गत सात सदस्यीय सशक्त स्थायी समिति के चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। इसको लेकर डीएम की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार नगर निगम गया की सशक्त स्थायी समिति का चुनाव 29 मई को कराया जाएगा। चुनाव की पूरी प्रक्रिया डीआरडीए कार्यालय, गया में संपन्न होगी। इस चुनाव में नगर निगम के सभी वार्ड पार्षद अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और सात सदस्यों का चयन करेंगे। प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 29 मई को सुबह 8 बजे से 10 बजे पूर्वाह्न तक नामांकन की प्रक्रिया चलेगी। इच्छुक वार्ड पार्षद सशक्त स्थायी समिति के सदस्य पद के लिए नामांकन दाखिल कर सकेंगे। बताया गया है कि उम्मीदवार क्रमांक 1 से 7 तक किसी एक पद के लिए नामांकन कर सकते हैं। नामांकन के बाद सुबह 11 बजे से चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी। सभी वार्ड पार्षद सातों पदों के लिए अपने मत का प्रयोग करेंगे। मतदान खत्म होने के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा और विजयी उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र भी सौंपा जाएगा। प्रशासन की ओर से चुनाव को लेकर कई जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। सभी वार्ड पार्षदों को मतदान स्थल पर प्रवेश के दौरान अपना निर्वाचन प्रमाण पत्र और एक फोटो पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। बिना पहचान पत्र के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुरक्षा और गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। इसके साथ ही निर्वाचित वार्ड पार्षदों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के प्रवेश पर भी प्रतिबंध रहेगा। किसी भी पार्षद को अपने साथ सहायक या अटेंडेंट ले जाने की अनुमति नहीं होगी। नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति को नगर निगम के महत्वपूर्ण फैसलों और विकास योजनाओं में अहम भूमिका वाला निकाय माना जाता है। ऐसे में इस चुनाव को लेकर पार्षदों के बीच काफी सक्रियता देखी जा रही है। चुनाव को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं और कई वार्ड पार्षद समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं।

इश्तियाक हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार, लेनदेन के विवाद में दोस्तों के साथ मिलकर मारा

गले में रस्सी का फंदा लगाकर मौत के घाट उतारा

गयाजी। गयाजी के मगध मेडिकल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जमीन कारोबारी मोहम्मद सैयद इश्तियाक हत्याकांड में केस दर्ज होने के 8 घंटे के अंदर एक आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते दोस्तों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। सोमवार को पथरौरा हाईवे के पास पंचायती अखाड़ा निवासी इश्तियाक का शव बरामद मिला था। रविवार से लापता था। शुरुआती जांच में ही रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद की आशंका जताई जा रही थी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। सिटी डीएसपी-2 के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड और तकनीकी टीम को भी जांच में लगाया। इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि पुलिस ने तेजी से तकनीकी अनुसंधान और आसूचना संकलन शुरू किया। जांच के दौरान ने चाकंद थाना क्षेत्र के रहीम बिगहा निवासी मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया। मुकेश ने पूछताछ में स्वीकार किया कि मृतक के साथ पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में अपने दोस्तों के साथ मिलकर इश्तियाक के गला में रस्सी का फंदा लगाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए सड़क किनारे फेंक दिया था। इस हत्याकांड में शामिल बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। वहीं, परिजनों का कहना है कि इश्तियाक का किसी से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि बात हत्या तक पहुंच जाएगी।

50 फीट ऊंचे झूले से गिरकर युवक की मौत, पहले पोल से टकराया, फिर सिर के बल जमीन पर गिरा

नालंदा। विश्व प्रसिद्ध राजगीर मलमास मेले में बड़ा हादसा हुआ। मेले में लगे 'सुनामी झूले' से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें युवक झूले से गिरते दिख रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से घायल को अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नवादा जिले के बिक्कू गांव निवासी अमन कुमार (25) के तौर पर हुई है। अमन अपने परिवार के साथ मेला घूमने आया था। हादसे के समय उसका चचेरा भाई प्रिंस भी उसी झूले पर था। प्रिंस ने बताया, 'हम दोनों साथ में झूला झूल रहे थे। जैसे ही झूला तेजी से घुमा, अमन अपना संतुलन खो बैठा और सिर के बल नीचे गिर पड़ा।'

वीडियो में क्या हैः इस हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें सुनामी झूला शुरू होने के बाद 2 राउंड ही घूमा था कि अमन अचानक से झूले से गिरता है। वो पहले झूले के पोल से टकराता है, फिर सिर के बल जमीन पर गिर पड़ता है। हादसे को देख कई लोगों की चीख निकल जाती है। अमन के झूले से गिरने के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने फौरन अमन को जमीन पर से उठाया। झूले से गिरने की खबर पूरे मेले में फैल गई। इस झूले की ऊंचाई करीब 50 फीट है, झूला जब नीचे आ रहा था, उस वक्त अमन गिरता है। एक अनुमान के मुताबिक अमन करीब 10 से 15 फीट की हाइट से नीचे गिरा।

परिजनों ने सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाया है। आशंका जताते हुए कहा कि झूले में सुरक्षा के लिए लगाई गई बेल्ट शायद ठीक से नहीं कसी गई थी या वह ढीली रह गई थी। जिसके कारण यह हादसा हुआ है। अमन अपने परिवार, भाई बहन और माता पिता के साथ आया था। इस हादसे के बाद मेला प्रशासन सतर्क हो गया है और एहतियात के तौर पर मेले में लगे सभी बड़े झूलों का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया है।

सेल्फी और रील के चक्कर में हादसाः मेला थाना प्रभारी जितेंद्र राम ने कहा कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि युवक झूला झूलते समय सेल्फी और रील बनाने के चक्कर में था। जिस दौरान यह घटना हुई। पुलिस के बयान पर राजगीर थाने में झूला संचालक पर FIR दर्ज कराई गई है। ये जानकारी राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार ने दी है। हादसे के बाद झूले के संचालन पर रोक लगा दी गई है। राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि पुलिस के बयान पर राजगीर थाना में झूला संचालक पर FIR दर्ज कराई गई है। हादसे के बाद झूला के संचालन पर रोक लगा दी गई है। अमन अपने परिवार, भाई बहन और माता-पिता के साथ आया था।

गयाजी में 2 गोली मार कर टेलर का मर्डर, घटनास्थल से दो कट्टा सहित सात कारतूस बरामद, हिरासत में तीन बदमाश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी के आमस थाना क्षेत्र के बैदा गांव में गोली लगने से कल 33 साल के रिजवान की मौत हो गई थी। इस मामले में नई बात सामने आई है। पुलिस ने घटना स्थल से दो कट्टा ओर 7 कारतूस बरामद किया है। यह भी बात सामने आई है कि रिजवान को दो गोली लगी थी। एक दाहिने हाथ में, तो दूसरा छाती में बुलेट लगी थी। हथियार की बरामदगी के बाद बहुत हद तक स्पष्ट हो गया है कि रिजवान की मौत गोलीबारी में ही हुई। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। अभी वह कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। हालांकि इस हत्या के पीछे की मूल वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

एसडीपीओ बोले- तेजी से की जा रही मामले की जांचः परिवार वाले भी खुलकर कुछ भी बताने से दूरी बनाए हुए हैं। हथियार बरामद किए जाने की पुष्टि एसडीपीओ संदीप कुमार ने की है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच तेजी से की जा रही है। मृतक की मां रोशन आरा का कहना है कि वह अक्सर बैदा जाया करता था। सोमवार को भी वह वहां गया था। दोपहर को एक बजे घर वापस शेरघाटी आया था। घर पर खाना खा कर आराम कर ही रहा था कि किसी का फोन आया। वह तुरंत घर से निकल गया। इसके बाद शाम को खबर आई कि रिजवान की गोली लगने से मौत हो गई है। रोशन आरा ने बताया कि रिजवान जनवरी के महीने में मुंबई से घर वापस आया था। वह वहां टेलरिंग का काम करता था। वह यहीं रह कर काम कर रहा था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। उसके दो छोटे छोटे बच्चे हैं।

खास बात यह भी कि घटना करीब 24 घंटे बीतने को हैं लेकिन मृतक के परिजनों की ओर से अब तक आमस थाने में आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस मृतकों के परिजनों का इंतजार कर रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस इस मामले में हत्या करने वाले को पकड़ चुकी है। अब केवल हत्या की वजह और हर एक कड़ी को जोड़ने में पुलिस जुटी है। ताकि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कारवाई मजबूती से की जा सके। बता दें कि रिजवान की सोमवार को गोली लगने मौत हो गई थी। गोली उसके दाहिने हाथ मे लगी थी। इससे उसका दाहिना हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया था। इससे उसकी मौत हो गई थी।

गयाजी में डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करने की पहल

सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 पर वर्कशॉप, 13 थानों के पुलिसकर्मी ने ली जानकारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में बिहार और नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर की ओर से डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत बनाने की दिशा में पहल की गई। इसी कड़ी में सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 को लेकर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन डीएम कार्यालय के मीटिंग हाल में किया गया। वर्कशॉप में राज्यभर के नवस्थापित 343 पुलिस थानों को नई डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने पर जोर दिया गया। इस मौके पर जिले के 13 थानों के पुलिस अफसर शरीक हुए और डिजिटल पुलिसिंग से जुड़ी नई प्रणाली व बारीकियों की जानकारी हासिल की।

बिहार पुलिस ने सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी एनआईसी बिहार को सौंपी है। इसके तहत पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि थाना स्तर पर डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। कार्यशाला को बिहार के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार डिजिटल पुलिसिंग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि सभी नवस्थापित थानों में सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 का सफल संचालन बेहद जरूरी है। उन्होंने भरोसा जताया कि बिहार इस परियोजना के सफल संचालन में देश का अग्रणी राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार की ओर से विकसित कार्यप्रणाली, नवाचार व सॉफ्टवेयर मॉडल आने वाले समय में दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकते हैं। कार्यशाला के दौरान नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के प्रतिनिधियों ने तकनीकी सत्र प्रस्तुत किए। इसमें सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 की प्रमुख विशेषताओं और इसके संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि किस तरह इस सिस्टम के जरिए पुलिस कार्यों को अधिक पारदर्शी और तेज बनाया जा सकता है।

रोलआउट प्लान के बारे में दी जानकारीः एनआईसी बिहार के वरीय तकनीकी निदेशक नवीन कुमार ने परियोजना के रोलआउट प्लान और कार्यान्वयन रणनीति की जानकारी दी। वहीं प्रशिक्षण सत्र के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विवेक कुमार ने तकनीकी सहयोग देते हुए पुलिस पदाधिकारियों को मॉड्यूल की व्यावहारिक जानकारी दी। कार्यशाला को सफल बनाने में अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हर्ष राज, डीआरएम सुनील कुमार, शिवेन्द्र कुमार मालवीय, नेटवर्क इंजीनियर विकास कुमार, प्रविन्द्र कुमार, निरंजन कुमार और राजन प्रसाद ने अहम भूमिका निभाई।

बिहार के रेयान को 3 मेडल, रैपिड और ब्लिट्ज में गोल्ड क्लासिकल में मिला ब्रॉन्ज, माता-पिता ने जताई खुशी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। श्रीलंका के कलुथारा में आयोजित 'कॉमनवेल्थ यूथ चेस चैंपियनशिप 2026' में बिहार के उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी रेयान मोहम्मद ने अपनी बौद्धिक क्षमता का लोहा मनवाते हुए इतिहास रच दिया है। रेयान ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में कुल तीन पदक जीतकर न केवल राज्य का, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। रेयान की जीत पर उनकी मां हीना फिरदौस और पिता मोहम्मद कुदुस आलम ने खुशी जताई है। रेयान मोहम्मद ने अंडर-18 (U-18) आयु वर्ग में अपनी शानदार चालों से विरोधियों को चारों खाने चित कर दिया। उन्होंने चेस की रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों ही स्पर्धाओं (U-18) में बेहतरीन खेल का मुजाहिरा करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इसके अलावा, चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली क्लासिकल (U-18) स्पर्धा में भी रेयान ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की। एक ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में तीन पदक जीतना इस युवा खिलाड़ी की कुशाग्र बुद्धि और खेल के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

अन्य युवा खिलाड़ियों का बढ़ेगा मनोबलः रवीन्द्रण शंकरणः बिहार के इस होनहार खिलाड़ी की स्वर्णिम सफलता पर राज्य के खेल जगत में खुशी की लहर है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डीजी-सह-सीईओ) रवीन्द्रण शंकरण ने रेयान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। इस जीत की आधिकारिक जानकारी देते हुए शंकरण ने कहा कि बिहार के प्रतिभावान चेस खिलाड़ी रेयान मोहम्मद ने अपने शानदार खेल से अंतरराष्ट्रीय पटल पर बिहार को गौरवान्वित किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रेयान की यह सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह जीत राज्य के अन्य उदीयमान और प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल काफी ऊंचा होगा और वे भी भविष्य में वैश्विक मंचों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

2 लाख के लूट मामले में 4 आरोपी अरेस्ट, मुख्य आरोपी ने वैशाली ने किया सरेंडर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी पुलिस ने रामपुर थाना क्षेत्र में हुई सुधा डेयरी डकैती कांड के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि गोली चलाने वाले मुख्य आरोपी ने वैशाली में आत्मसमर्पण कर दिया है। यह जानकारी आज पुलिस उपाधीक्षक नगर 1 सरोज शाह ने एक प्रेस वार्ता में दी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस अब लूटी गई राशि और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

हथियार के बल पर लूटपाट हुई थीः पुलिस उपाधीक्षक सरोज शाह ने बताया कि यह घटना 15 मई 2026 को हुई थी। सुधा डेयरी के कलेक्शन एजेंट ने रामपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह पीएनबी बैंक के पीछे स्थित सुधा डेयरी कार्यालय में कलेक्शन की राशि जमा कर रजिस्टर में हिसाब दर्ज कर रहा था।

2 लाख की हुई थी लूटः इसी दौरान पांच अज्ञात बदमाश वहां पहुंचे और हथियार के बल पर लूटपाट शुरू कर दी। विरोध करने पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिससे कलेक्शन एजेंट घायल हो गया। इसके बाद अपराधी कार्यालय में रखे करीब दो लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रामपुर थाना में कांड संख्या 286/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू किया। एसएसपी सुशील कुमार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में रामपुर थाना पुलिस, तकनीकी शाखा और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि डकैती में शामिल कुछ अपराधी हरियाणा के गुरुग्राम जिले के पालम विहार थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद विशेष टीम ने वहां छापेमारी की और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वैशाली के हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र निवासी प्रिंस कुमार, लालगंज थाना क्षेत्र निवासी शंकर कुमार, भगवानपुर थाना क्षेत्र निवासी अमित कुमार और लालगंज थाना क्षेत्र निवासी रोशन कुमार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बनाई लूट की योजनाः पुलिस उपाधीक्षक नगर 1 सरोज शाह ने बताया की पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रिंस कुमार ने बताया कि वह गुरुग्राम में जोमैटो में काम करता था। वहीं उसकी पहचान अन्य बदमाशों से हुई थी। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण सभी ने मिलकर लूट की योजना बनाई। योजना के तहत गया जिले के चांदौती थाना क्षेत्र में रहकर पूरी रणनीति तैयार की गई और सुधा डेयरी के कलेक्शन एजेंट को निशाना बनाया गया। पुलिस उपाधीक्षक नगर 1 सरोज शाह ने बताया कि इस डकैती कांड में गोली चलाने वाला मुख्य आरोपी अमित यादव उर्फ राइफल यादव है, जिसने वैशाली के गंगा ब्रिज थाना में आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अब उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। कई आरोपियों पर हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में पहले से मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड में मुख्य आरोपी प्रिंस कुमार के खिलाफ हाजीपुर सदर थाना और अन्य थानों में कई संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा है कि इस मामले में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी, लूटी गई रकम की बरामदगी और हथियार जब्त करने के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

संक्षिप्त समाचार

कोचस से बाइक हुई चोरी, अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मुन कैफे रेस्टोरेंट के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोरो ने चोरी कर ली है। घटना सोमवार शाम की बताई जाती है। पीड़ित कोचस वार्ड 4 निवासी नईन ने बताया कि मैं कुछ वर्ष पूर्व बसही निवासी मनोज साह से स्पलेंडर बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 24 एडी 7644 की खरीदारी की थी, जहां मैने दांत के उपचार के लिए कोचस गया था तभी बाइक को मून कैफे रेस्टोरेंट के पास खड़ा कर चला गया, दस मिनट देर बाद लौटा तो देखा कि बाइक गायब है, इस घटना की जानकारी स्थानीय थाने को दे दी है, पीड़ित ने बताया कि थाने मे लिखित आवेदन दे दी गई है, वही थाना अध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित के द्वारा थाने मे लिखित आवेदन दी गई है, पुलिस आवेदन ले अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है, फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान कर तुरंत गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक को बरामद किया जा सके।

थाने में शांति समिति की हुई बैठक, असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर

कोचस (रोहतास)। बकरीद पर्व को लेकर मंगलवार को परसथुआ थाने शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, इस दौरान आपसी सौहार्द तथा शांतिपूर्ण वातावरण मे पर्व को समापन करने को लोगो से अपील कि गई, बैठक की अध्यक्षता थाना अध्यक्ष ने की। बता दे कि बकरीद पर्व को ले परसथुआ पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है. बाजार तथा गांवों के सभी संवेदनशील स्थानों की निगरानी रखी जा रही है. इसके साथ ही थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त फोर्स की तैनाती भी की गई है.थाना अध्यक्ष रामचंद्र चौपाल ने बताया कि बकरीद पर्व को देखते हुए परसथुआ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर सुरक्षा का प्रबंध किए हैं. बकरीद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए काफी संख्या मे जवान तैनात किए गए हैं.जवानों की तैनाती का मकसद संवेदनशील इलाकों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और धार्मिक स्थलों पर कड़ी निगरानी रखना है.साथ ही थाना के द्वारा 24 घंटे इन इलाकों पर नजर रखी जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी. बैठक मे मौजूद पदाधिकारियों ने समाज सेवी तथा पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अपने अपने क्षेत्रो मे संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखे, अगर कोई भी व्यक्ति माहौल को खराब करने की कोशिश करता है तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दे, पुलिस अविलंब कार्रवाई करेगी। मौके पर बुद्धजीवी, समाज सेवी, जनप्रतिनिधि के साथ ग्रामीण मौजूद रहे।

सिकरिया गांव में फायरिंग के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार गए जेल

काराकाट /रोहतास। काराकाट थाना क्षेत्र के सिकरियां गांव में बीते सोमवार की रात फायरिंग के मामले में थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने दो अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। दोनों गिरफ्तार अपराधी सिकरियां गांव निवासी राहुल कुमार उर्फ मिशु कुमार साह तथा वंशी साह बताया जाता है । थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि फायरिंग के मामले में दो अभियुक्त को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया एवं कानूनी प्रक्रिया पूरा करते हुए जेल भेज दिया गया।

समाज सेवा प्रभाग के प्रतिनिधियों ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

अररिया। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के सेरेमोनियल हॉल में आयोजित विशेष राजयोग सभा के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर सेवा परिचय प्रस्तुत किया गया।समाज सेवा प्रभाग में फारबिसगंज के ओम शांति केन्द्र की संचालिका बी.के.रुकमा दीदी भी शामिल थी। मौके पर समाज सेवा प्रभाग की ओर से दिल्ली जोनल कोऑर्डिनेटर बीके आशा दीदी ने राष्ट्रपति जी के समक्ष प्रभाग द्वारा संचालित विभिन्न सेवाओं एवं उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि समाज सेवा प्रभाग शांति, प्रेम, एकता एवं निस्वार्थ सेवा के संकल्प के साथ भारत एवं नेपाल में रक्तदान महाअभियान, राजयोग शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, वरिष्ठ नागरिक कल्याण, नशा मुक्ति तथा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जैसे अनेक सेवा कार्य निरंतर संचालित कर रहा है। कार्यक्रम में समाज सेवा प्रभाग के नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके अवतार भाई, मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई,ब्रम्हाकुमारी सेंटर फारबिसगंज अररिया केंद्र की संचालिका बी के रुकमा दीदी सहित विभिन्न राज्यों के समाज सेवा प्रभाग के कोऑर्डिनेटर्स एवं सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा शांति, मानवीय मूल्यों एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरणादायी पहल बताया I फारबिसगंज केंद्र की संचालिका रुक्मा दीदी के राष्ट्रपति से मिलन पर केंद्र के भाई बहनों के अलावा शहर के गणमान्य लोगों में खुशी व्याप्त हो उठी है I भारत नेपाल पूर्वांचल क्षेत्र की प्रमुख बी के गीता,दीदी, बी के किरण दीदी, बी के सीता दीदी, बी के संतोषी दीदी, डॉ यू सी मंडल, डॉ मानव महेश ठाकुर, मुख्य पार्षद वीणा देवी, उप मुख्य पार्षद नूतन देवी, राजू भगत, मदन कनोजिया,अजातशत्रु अग्रवाल, इंजिनियर आयुष अग्रवाल,अशोक डाबरीवाला,पप्पू डालमिया, रेखा धनावत,,मृदुला भगत, फूलकुमारी दीदी ,इंदु दीदी आदि ने कहा कि यह बहुत ही गौरवशाली मिलन समारोह रोमांचित करने वाला यादगार क्षण है।

टक्कर में वकील की मौके पर मौत, काराकाट-गोडारी बाजार में दो बाइक्स बुरी तरह क्षतिग्रस्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास । नगर पंचायत के मुख्य बाजार गोडारी में मंगलवार दोपहर भीषण सड़क हादसे में एक वकील की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि दूसरे चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसा एनएच 120ए के गोडारी बाजार के माधव साह के मिल के पास हुआ, जहाँ बिक्रमगंज की ओर से आ रही स्प्लेंडर और डेहरी की ओर से आ रही स्प्लेंडर बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए और गाड़ियाँ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। मौके पर मौजूद नागरिकों ने आपसी मदद से दोनों घायलों को तुरंत ऑटो से काराकाट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी चिकित्सकों ने बताया कि बिक्रमगंज से वकालत करके लौट रहे दावथ

थाना क्षेत्र के कोआथ नकटौली के मूल निवासी स्वर्गीय यदुनंदन पांडेय के करीब 55 वर्षीय पुत्र एडवोकेट राम कुमार पांडेय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतक है एडवोकेट राम कुमार पांडेय डालमियानगर के एक क्वार्टर में परिवार के साथ रहते थे और बिक्रमगंज व डेहरी दोनों जगह वकालत करते थे। मृतक परिजनों के पहुंचते ही सीएचसी में कोहराम मच गया। दूसरी बाइक पर सवार औरंगाबाद जिले के ववनडीहा निवासी स्वर्गीय मकसूद कुरैशी के पुत्र 30 वर्षीय दानिश कुरेशी गंभीर रूप से घायल हुए और उनका प्राथमिक उपचार सीएचसी में चल रहा है, डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। घटना के बाद काराकाट थाना की टीम, थाना अध्यक्ष विवेक कुमार, एसआई योगेश कुमार व सोनू कुमार अपने दल बल टीम के साथ मौके पर पहुंचकर हालात नियंत्रित किये और शव को कब्जे में लेकर सासाराम सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजने के तैयारी में जुट गई है। काराकाट पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गोडारी नहर और बाजार में ट्रांसफार्मर जलने से लोगों की गर्मी में दुगनी परेशानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास। नगर पंचायत के गोडारी में शनिवार को ही नहर के पास लगे ट्रांसफार्मर के जलने के बाद सोमवार रात बाजार के पास स्थित एक और ट्रांसफार्मर भी जल गया, जिससे उमस भरी गर्मी में नगरवासी और परेशान हो गए हैं। नहर के पास ज्यादातर प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही, वहीं बाजार में भी दुकानों और बैंक की गतिविधियाँ प्रभावित हुईं।

नहर के पास जले ट्रांसफार्मर को बिजली विभाग की टीम ने अगले ही दिन बदला था, पर उसमें तकनीकी खराबी मिलने के कारण उसे फिर से मंगवाने की आवश्यकता पड़ी। काराकाट के कनिष्ठ अभियंता संजीत कुमार ने बताया कि दूसरी बार नया ट्रांसफार्मर मंगाया गया है। उन्होंने कहा कि रात में एक और ट्रांसफार्मर जलने की सूचना मिली है, जिसे आगे फॉरवर्ड कर दिया गया है और कल तक पूरी कोशिश

रहेगी कि नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली बहाल कर दी जाए। संजीत कुमार ने यह भी कहा कि अन्य जगहों पर ट्रांसफार्मर की रिपेयरिंग और रिफ्रेशिंग का काम जारी है तथा एलटी तारों की मरम्मत का भी प्रयास किया जा रहा है ताकि गर्मी में लोगों को जल्द राहत मिल सके। स्थानीय एसबीआई बैंक के मैनेजर ने भी समस्याओं पर खेद जताया और शीघ्र ठीक होने की अपील की। नगरवासियों ने अत्यधिक उमस भरी गर्मी के बीच बिजली विभाग से त्वरित कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए सतत निगरानी की मांग की है।

बकरीद को लेकर नोखा थाना में शांति समिति की बैठक, शांतिपूर्ण पर्व मनाने की अपील

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नोख थाना में आगामी बकरीद पर्व को लेकर नोखा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता नोखा थानाध्यक्ष अनुज कुमार ने की, जबकि संचालन अंचल अधिकारी मधुसूदन चौरसिया एवं सर्किल प्रमोद कुमार ने संयुक्त रूप से किया. बैठक में नोखा बीडीओ सुसैफली सहित विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. बैठक को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी मधुसूदन चौरसिया ने कहा कि नोखा प्रखंड आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और तहजीब के लिए जाना जाता है.

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बकरीद पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें.नोखा इंस्पेक्टर ने कहा कि बकरीद प्रेम, त्याग और भाईचारे का पर्व है. ऐसे

में सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें. उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी. वहीं थाना प्रभारी अनुज कुमार ने सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों एवं अफवाहों से सतर्क रहने की अपील की.

उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, विवाद या तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके. बैठक में नोखा सभापति राधेश्याम सिंह, उपसभापति धनजी सिंह रूपेश चंद्रवंशी, कल्याण , गुलाम जी , सहित कई लोग मौजूद रहें।

चार नाबालिग लड़कियां लापता, रेलवे स्टेशन से कोलकाता जाने की आशंका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

किशनगंज। बिहार के किशनगंज शहर से चार नाबालिग लड़कियों के एक साथ लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। परिजनों ने सदर थाना में आवेदन देकर लड़कियों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, चारों नाबालिग लड़कियां सोमवार सुबह घर से निकली थीं। बताया जा रहा है कि वे किशनगंज रेलवे स्टेशन पहुंचीं और वहां से किसी ट्रेन से आगे चली गईं। आशंका जताई जा रही है कि लड़कियों ने कोलकाता जाने के लिए टिकट लिया था।

शहर के एक व्यक्ति ने सदर थाना में आवेदन देकर बताया कि उनकी 13 वर्षीय भांजी, जो उनके घर रहकर पढ़ाई करती थी, रविवार सुबह करीब 7:30 बजे मदरसा जाने

की बात कहकर निकली थी। उसके साथ तीन अन्य नाबालिग लड़कियां भी थीं, जिनकी उम्र करीब 12, 13 और 14 वर्ष बताई जा रही है। बताया गया कि एक 10 वर्षीय बच्ची भी उनके साथ गई थी, लेकिन उसे किशनगंज रेलवे स्टेशन से वापस भेज दिया गया।

चारों लड़कियां ई-रिक्शा से रेलवे स्टेशन पहुंचीं और टिकट काउंटर से कोलकाता जाने का टिकट लिया। जब सुबह करीब 9 बजे तक लड़कियां घर नहीं लौटीं तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।

मामले की सूचना तत्काल आरपीएफ और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को भी दी गई। मंगलवार को एसडीपीओ-1 खुसरू सिराज ने बताया कि लड़कियों की बरामदगी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। मामले के सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है। रेलवे पुलिस समेत आसपास के जिलों की पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस लगातार परिजनों के संपर्क में रहकर लड़कियों की तलाश में जुटी हुई है।

ईद-उल- अजहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के बीच संपन्न कराने

प्रखंड स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक की गई आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास। काराकाट थाना परिसर में ईद-उल- अजहा (बकरीद)पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के बीच संपन्न कराने को लेकर प्रखंड स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से बीडीओ राहुल कुमार सिंह,सीओ डॉ. रितेश कुमार एवं थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने की । बैठक में शांति समिति सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि,मीडिया प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे । इस दौरान पर्व के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखने,भीषण गर्मी व तल्ख मौसम से बचाव,साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था,यातायात नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था को

लेकर विस्तार से चर्चा की गई । उपस्थित लोगों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी-अपनी समस्याएं एवं सुझाव भी रखे,जिस पर अधिकारियों ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया ।बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने कहा कि बकरीद आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे का पर्व है । सभी लोग प्रशासन का सहयोग करते हुए पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं । उन्होंने कहा कि प्रखंड प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है,ताकि किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो ।वहीं सीओ डॉ. रितेश कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी । उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की ।थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने स्पष्ट कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा । पुलिस पूरी तरह सतर्क है और पर्व के दौरान क्षेत्र में लगातार गश्ती बढ़ाई जाएगी । उन्होंने लोगों से शांति,भाईचारा एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की ।बैठक का माहौल पूरी तरह सौहार्दपूर्ण रहा तथा सभी लोगों ने प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया ।

जिंदा महिला को कागजों में किया मृत, 11 माह से पेंशन के लिए भटक रही बुजुर्ग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

किशनगंज। जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत तातपौआ पंचायत से सरकारी लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां जमातून निशा नामक एक बुजुर्ग महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर दिया गया, जबकि वह पूरी तरह जीवित हैं। इस गलती के कारण पिछले 11 महीनों से उनकी वृद्धा पेंशन बंद है और वह अपनी पेंशन चालू करवाने के लिए लगातार प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। परिजनों ने बताया कि पेंशन बंद होने के बाद जब इसकी जानकारी ली गई तो पता चला कि सरकारी दस्तावेजों में महिला को मृत दिखा दिया गया है। इस खुलासे के बाद क्षेत्र में प्रशासनिक कार्य प्रणाली और सत्यापन प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि बिना सही जांच-पड़ताल के किसी जीवित व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया जा सकता है, तो सरकारी व्यवस्था पर आम लोगों का भरोसा कैसे कायम रहेगा।

मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी नाराजगी जताई है। मंगलवार को मुखिया प्रतिनिधि रासमुद्दीन फैज ने बताया कि लगभग चार माह पूर्व वह पीड़ित महिला को लेकर बीडीओ कार्यालय गए थे और पूरे मामले की जानकारी अधिकारियों को दी थी। उस समय प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जल्द सुधार का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका।

उन्होंने इसे जांच कर्मियों की गंभीर लापरवाही बताया। वहीं पंचायत के वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिदेश राय ने कहा कि यदि किसी जिंदा महिला को रिकॉर्ड में मृत दिखाया गया है, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था की बड़ी चूक है। ऐसे लापरवाह कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ित महिला ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा जल्द से जल्द पेंशन बहाल करने की मांग की है।

एनएच-327 पर भीषण हादसा, ट्रैक्टर मालिक की मौत, ट्रक चालक व उपचालक गंभीर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

किशनगंज। जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत कुर्लीकोट थाना क्षेत्र में मंगलवार को एनएच-327 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर मालिक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक और उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार मकई से लदा एक ट्रैक्टर ठाकुरगंज से गलगलिया स्थित मकई फैक्ट्री की ओर जा रहा था। पीपरीथान चौक के समीप ट्रैक्टर चालक वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर नीचे उतरा था। उसी दौरान ट्रैक्टर के पास खड़े वाहन मालिक राजू यादव को पीछे से आ रहे सोलर पैनल लदे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की चपेट में आने से ट्रैक्टर मालिक राजू यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया, जिससे चालक और उपचालक केबिन में फंस गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे

और काफी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को ट्रक के केबिन से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

मृतक राजू यादव माणिकपुर गांव के निवासी बताए जाते हैं। उनके परिवार में दो पुत्र और चार पुत्रियां हैं। परिवार के मुखिया की अचानक मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दुर्घटना के बाद एनएच-327 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही कुर्लीकोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और ट्रैक्टर को हटवाकर यातायात बहाल कराया। थानाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

खेत से युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पूर्वी चंपारण। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के छपवा -हरसिद्धि मुख्य मार्ग स्थित सोमेश्वर पेट्रोल पंप के उत्तर घनखरैया एक कटे हुए मक्के के खेत से मंगलवार को एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव संदिग्ध परिस्थिति में मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है।

मृतक की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नंदपुर परसौना वार्ड नंबर 13 निवासी सुखल शाह के पुत्र रमेश शाह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रमेश शाह दो दिन पूर्व घर से यह कहकर निकले थे कि वह काठमांडू जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह स्कूल जाने के दौरान कुछ छात्रों ने सड़क किनारे खेत में शव पड़ा देखा और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस

दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन शुरू की। मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने बताया कि रमेश शाह के माथे के पीछे गहरा जख्म था, जबकि पेट में भी किसी धारदार हथियार से वार जैसा निशान दिखाई दिया। इसे लेकर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। उनका आरोप है कि हत्या के बाद शव को साक्ष्य छिपाने की नीयत से खेत में फेंक दिया गया। बताया जाता है कि मृतक की बहन का घर पानापुर रंजीता पंचायत के भेड़िहारी गांव में है। बहनोई राजेश कुमार ने बताया कि मेरा साला कल हम लोग को कोई भी सूचना नहीं दिया था कि हम हरसिद्धि में है। इधर शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया, पत्नी अनीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं मृतक के दो पुत्रों (करीब 15 और 12 वर्ष) की हालत भी बेहद खराब बताई जा रही है। बड़ा भाई भी सदमे में अचेत हो गया।

घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर छपरा-हरसिद्धि मार्ग को घंटों जाम कर दिया। जिसे पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजा गया।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल, स्पेशल टीम की जांच और अन्य तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड, तकनीकी सेल और विशेष टीम को जांच में लगाया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मोबाइल डिटेल्स की जांच की जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

सुसाइड करने पहुंची महिला पति पर लगाए आरोप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । 'बंदूक लेकर घर आता था, कहता था कि तुम हमसे शादी कर लो, नहीं तो मैं तुम्हारे घर में ही मर जाऊंगा और पूरे परिवार को फंसा दूंगा। डर की वजह से मैंने शादी कर ली। अब वो मुझ पर अवैध संबंध का आरोप लगाता है, गाली-गलौज करता है, मारपीट करता है, मुझसे बात भी नहीं करता और छोड़ना भी नहीं चाहता।' रविवार को सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ गंगा घाट पर आत्महत्या करने पहुंची महिला प्रियंका कुमारी ने पति के खिलाफ ये आरोप लगाए। गंगा में कूदकर सुसाइड की कोशिश करने वाली महिला को तत्काल बचा लिया गया और उसके पति को जानकारी देकर बुलाया गया। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद दंपती को घर भेज दिया गया।दरअसल, रविवार को प्रियंका पति की प्रताड़ना से तंग आकर अजगैबीनाथ गंगा घाट पहुंची थीं। वो आत्महत्या करने की कोशिश ही कर रही थीं कि वहां मौजूद लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद सुल्तानगंज थाना पुलिस घाट पर पहुंची। घाट पर तैनात एसडीआरएफ की टीम ने किसी तरह उन्हें बचाया और घटना की जानकारी पति भिखारी यादव को दी। सूचना के बाद पति भिखारी यादव भी गंगा घाट पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रियंका का किसी अन्य व्यक्ति से संबंध है। भिखारी यादव से साल 2009 में प्रियंका की शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों दंपती दिल्ली कमाने के लिए चले गए। वहां प्रियंका और भिखारी यादव के एक बेटे का जन्म हुआ। वर्तमान में बेटे की उम्र 16 वर्ष है। रिश्तों में दरार तब आई, जब भिखारी यादव एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे। प्रियंका कुमारी ने जीविका समेत कई बैंकों से कर्ज के तौर पर लाखों रुपए लिए। पति के ठीक हो जाने के बाद उन्होंने कर्ज की किस्त चुकाई, लेकिन अब पति किस्त चुकाने से इनकार कर रहे हैं, जिसके बाद दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई।

मारपीट और गाली-गलौज से परेशान हो गई थी प्रियंका : वहीं, प्रियंका ने कहा कि पति की मारपीट और गाली-गलौज से मैं परेशान हो गई थी। पति ने गलत आरोप लगाकर मुझे पूरे गांव में मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा। इसलिए अब जीने की इच्छा नहीं है, इसलिए आत्महत्या करने का फैसला लिया और रविवार को अकेले बेटे को घर में छोड़कर गंगा नदी पहुंच गईं। वो पानी में छलांग लगातीं, उससे पहले एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पकड़ लिया।

भाकपा-माले ने निकाला आक्रोश मार्च

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । पटना के होटल में बेगूसराय की छात्रा के साथ हुई छेड़खानी के मामले को लेकर लोगों में आक्रोश है। विरोध में भाकपा-माले (CPI-ML), छात्र संगठन आइसा (AISA) औप ऐपवा (AIPWA) के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के पास विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने माले कार्यालय से कैंटीन चौक तक आक्रोश मार्च निकाला। इसके बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद पुतला फूंका। माले के जिला सचिव दिवाकर कुमार कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। शासन के सुशासन के दावों की पोल खोल कर रख दी है। जब राजधानी में ही बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो दूर-दराज के जिलों की स्थिति क्या होगी। सरकार अपराधियों को संरक्षण देना बंद करे।माले नेता चंद्रदेव वर्मा ने कहा कि पटना का वह होटल जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए थे, वहां हमारी बेटी के साथ खिलवाड़ किया गया। यह सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रही है। शिकायत के बावजूद पुलिस का रवैया बेहद निराशाजनक रहा। मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मछुआरों को मिला मत्स्य विपणन किट

मुंगेर । मुंगेर में डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग द्वारा मंगलवार को संग्रहालय सभागार परिसर में मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना के तहत मत्स्य विपणन किट का वितरण किया गया। यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-2026 के अंतर्गत किया गया। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी मछली पालकों और मछुआरों को दो आइस बॉक्स, एक हांडी, जाल, नाप-तौल मशीन और नाव जैसी सामग्री प्रदान की गई। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पीणीकर ने स्वयं लाभार्थियों को ये किट वितरित किए। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी मनीष रस्तोगी भी उपस्थित थे। इस मौके पर जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि मत्स्य विपणन किट का वितरण जिले के 9 प्रखंडों से आए लाभार्थियों को किया गया है।उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य मछुआरा भाइयों का उत्साहवर्धन करना है, साथ ही नए युवाओं को मछली पालन से जोड़ना है ताकि आने वाले समय में मुंगेर मछली उत्पादन में अग्रणी जिला बन सके और इससे जुड़े लोगों की आमदनी बढ़ सके।जिला मत्स्य विभाग के अधिकारी मनीष रस्तोगी ने जानकारी दी कि मत्स्य विपणन किट वितरण के तहत आज चार लाभार्थियों को नाव और जाल दिए गए हैं, जिस पर सरकार द्वारा 90 प्रतिशत का अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न प्रखंडों के मत्स्य से जुड़े लोगों को इसका लाभ मिला है, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि इन किटों से मछुआरा भाइयों को मछली पकड़ने और बेचने में सुविधा होगी। लाभार्थी मनीष कुमार महराणा ने बताया कि मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना के तहत वितरित किए गए मत्स्य विपणन किट से मछुआरों और मछली पालकों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में सरकार 90 प्रतिशत अनुदान दे रही है, जिससे इस व्यवसाय से जुड़े लोग ताजी मछली बाजारों में बेच सकेंगे। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा मछुआरों और मछली पालकों को दी गई मदद को सराहनीय बताया।

चिरैयाबाद में काली प्रतिमा का नगर भ्रमण

मुंगेर । मुंगेर के बरियारपुर प्रखंड स्थित रतनपुर पंचायत के चिरैयाबाद गांव में बड़ी काली मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन काली प्रतिमा की स्थापना की तीसरी वर्षगांठ पर नगर भ्रमण निकाला गया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई और 24 घंटे के अखंड रामधुन यज्ञ की शुरुआत हुई। शोभायात्रा मंदिर परिसर से ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे और निशान यात्रा के साथ शुरू हुई। रथ पर सवार काली प्रतिमा के साथ 500 से अधिक महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्ति गीतों के साथ पंचायत के विभिन्न गांवों में भ्रमण करते रहे।यह शोभायात्रा चिरैयाबाद काली मंदिर से निकलकर काजी चौक और रतनपुर गांव होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची, जहाँ इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया। स्थानीय ग्रामीणों ने जगह-जगह शरबत और पानी के स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने रथ पर सवार काली प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर पुष्पवर्षा के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। महोत्सव के लिए मंदिर परिसर और आसपास के गांवों को रोशनी से सजाया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

देवी जागरण कार्यक्रम में बांका के कलाकारों का परफॉरमेंस

मुंगेर । मुंगेर के बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत रतनपुर पंचायत के चिरैयाबाद गांव स्थित बड़ी काली मंदिर में देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम काली प्रतिमा स्थापना की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का हिस्सा था। इसका विधिवत उद्घाटन गांव के बुद्धिजीवियों और समिति सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अमरपुर, बांका से आए बाबा और अवधेश बिहारी जागरण ग्रुप के गायक दीपक झा ने गणेश वंदना से की। उन्होंने मां काली की महिमा से जुड़े कई भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो गए। 'नहीं बाटे नारियल चुनरी, नहीं बाटे अड़हुल फुलवा' जैसे लोकप्रिय भक्ति गीतों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। गायिका प्रिया राज ने भी अपने सुरों से कार्यक्रम में भक्तिमय माहौल बनाया। उनके भजनों पर उपस्थित महिलाएं और युवा श्रद्धालु काफी उत्साहित दिखे। कार्यक्रम का संचालन एंकर भाई प्रभु भोजपुरिया ने किया, जिन्होंने अपने भक्तिमय संबोधनों से माहौल को ऊर्जावान बनाए रखा। म्यूजिशियन टीम के राजा कुमार, अरुण कुमार, संजय कुमार चौगुड़ी सहित अन्य कलाकारों ने विभिन्न वाद्य यंत्रों पर संगत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। देर शाम तक चले इस धार्मिक आयोजन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

68 पंचायत सचिव सस्पेंड

अररिया । अररिया के जिला पदाधिकारी ने एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए जिले के 68 पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये पंचायत सचिव लंबे समय से अपने कार्यस्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे, जिसके कारण पंचायत स्तर पर कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। जारी आदेश के अनुसार, पंचायत सचिवों की अनुपस्थिति से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने, वंशावली बनाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के सत्यापन, षष्ठम राज्य वित्त आयोग और 15वें केंद्रीय वित्त आयोग की योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे कार्य बाधित हुए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना सहित पंचायत स्तर के दैनिक कार्यों और भारत की जनगणना-2027 जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य भी प्रभावित हुए। पंचायत सचिवों की लगातार अनुपस्थिति के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में 29 अप्रैल 2026 को ज्ञापांक-985/जि०पं० के माध्यम से हड़ताल पर रहने वाले पंचायत सचिवों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन किसी भी संबंधित कर्मी ने कोई जवाब नहीं दिया। सभी प्रखंड विकास अधिकारियों ने भी अपनी रिपोर्ट में बताया कि संबंधित पंचायत सचिव अभी तक अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हुए हैं। निदेशक, पंचायती राज विभाग, बिहार, पटना और सचिव, पंचायती राज विभाग द्वारा जारी विभिन्न पत्रों के आलोक में, हड़ताल और अनाधिकृत अनुपस्थिति में रहने वाले पंचायत सचिवों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और इसकी सूचना विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पंचायत सचिवों की लगातार अनुपस्थिति सरकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न करने और सरकार तथा वरीय अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना है, जो बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली-1976 के नियम 3(1) का उल्लंघन है। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर, जिला पदाधिकारी ने बिहार सरकारी सेवक नियमावली, 2005 के नियम 9(1)(क) के तहत इन 68 पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

आम्रपाली ट्रेनिंग सेंटर में नामांकन शुरू

बांका । बांका में बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा संचालित आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र में सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह केंद्र भारतीय शास्त्रीय कलाओं में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करेगा। जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला के निर्देश पर समाहरणालय स्थित मिनी सभागार में कला एवं संस्कृति पदाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षकों के साथ एक बैठक हुई। इसमें प्रशिक्षण केंद्र के सफल संचालन के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि बिहार के सभी जिलों में ऐसे केंद्र संचालित किए जाएंगे। बांका में यह केंद्र एसएस बालिका उच्च विद्यालय परिसर में स्थापित होगा। यहां विद्यार्थियों और कला प्रेमियों को भारतीय शास्त्रीय कला की विभिन्न विधाओं में निःशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा। प्रशिक्षण में शास्त्रीय गायन, कथक और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य, तथा तबला और हारमोनियम जैसे वाद्य वादन शामिल हैं। प्रत्येक विधा में अधिकतम 40 प्रशिक्षुओं का चयन किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया 'पहले आओ, पहले पाओ' के सिद्धांत पर आधारित होगी। बैठक में केंद्र की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया, जिनमें अनुभवी गुरुओं द्वारा निःशुल्क शिक्षा और प्रशिक्षण पूरा होने पर सरकारी प्रमाणपत्र का प्रावधान शामिल है। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 6 वर्ष तय की गई है।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं की भीड़

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर जिले के सुल्तानगंज स्थित विश्व प्रसिद्ध अजगैबीनाथ धाम में गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बिहार, झारखंड से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। फल, फूल, प्रसाद और दीप अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। मान्यता है कि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। इसी कारण गंगा दशहरा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य और दीपदान करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में शिवभक्त और श्रद्धालु अजगैबीनाथ धाम पहुंचे।

दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला जारी रहा : कई श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद आम का फल, प्रसाद और अन्य पूजन सामग्री मां गंगा को अर्पित की। महिलाओं ने परिवार की मंगलकामना के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। पूरे दिन घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला जारी रहा।

विक्रमशिला सेतु पर दूसरा बेली ब्रिज बनकर तैयार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर में विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से पर बेली ब्रिज बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। 18 मीटर लंबे दूसरे स्लैब का काम भी पूरा कर लिया गया। अब इस हिस्से में केवल रैंप तैयार करने का काम बाकी है। बिहार देश का पहला राज्य है जहां टूटे हुए पुल पर बेली ब्रिज का निर्माण हो रहा है। पुल की क्षमता 10 टन भार सहने की होगी सीमा सड़क संगठन(बीआरओ) के एडिशनल डायरेक्टर ने बताया की भागलपुर छोर की ओर 24 मीटर लंबे तीसरे स्पैन पर बेली ब्रिज की लॉन्चिंग का काम शुरू किया जा रहा है। तीनों स्पैन पर निर्माण पूरा होने के बाद ट्रायल रन कराया जाएगा। ट्रायल सफल रहने पर जिला प्रशासन छोटे वाहनों के लिए सेतु को खोल देगा। सुरक्षा को देखते हुए पुल से केवल छोटे वाहनों को गुजरने की अनुमति होगी। डीएम नवल किशोर चौधरी ने बताया कि 5 जून से पहले निर्माण कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। यातायात को नियंत्रित रखने के लिए एक समय में एक ही दिशा के वाहनों को पार कराया जाएगा। प्रशासन ने पुल के दोनों छोर पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की भी तैयारी शुरू कर दी है।

वन-वे व्यवस्था होगा लागू : राज्य सरकार ने बीआरओ को अस्थायी बेली ब्रिज निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी। करीब 49 मीटर लंबे इस अस्थायी ढांचे के माध्यम से क्षतिग्रस्त हिस्से को जोड़ा जा रहा है, ताकि छोटे वाहनों की आवाजाही जल्द शुरू हो सके। बेली ब्रिज तैयार होने के बाद प्रारंभिक चरण में छोटे वाहनों का परिचालन शुरू किया जाएगा। इसके लिए विशेष ट्रैफिक प्रबंधन योजना भी तैयार की जा रही है। वन-वे व्यवस्था के तहत नियंत्रित तरीके से वाहनों को पुल पार कराने की योजना बनाई गई है, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बेली ब्रिज से हल्के वाहन ही गुजरेंगे : यह सामान्य ब्रिज नहीं है, बल्कि एक क्षतिग्रस्त ब्रिज के ऊपर दूसरा ब्रिज तैयार किया जा रहा है, जिसके लिए विशेष तकनीकी कौशल और सावधानी की जरूरत होती है। ब्रिज पर केवल हल्के वाहन ही चल सकेंगे। चूंकि यह ब्रिज पहले से कमजोर पड़े ढांचे के ऊपर बनाया जा रहा है, इसलिए भारी वाहनों के गुजरने से इसके खिसकने का खतरा बना रहेगा। इसी कारण यहां वाहनों की आवाजाही सीमित रखी जाएगी।

ाव से आना-जाना कर रहे लोग : भागलपुर में विक्रमशिला पुर टूटने के बाद प्रशासन ने अस्थायी राहत के तौर पर नाव और स्टीमर सेवा शुरू कराई है। सुबह 5 बजे से शाम 5;30 बजे तक नावें चलाई जा रही हैं। निजी नाव चालकों का रजिस्ट्रेशन किया गया और किराया भी तय किया गया, ताकि यात्रियों से मनमानी वसूली न हो। कई लोग अब बरारी घाट और महादेवपुर घाट के बीच नाव से आवागमन कर रहे हैं। करीब 4.7 किलोमीटर लंबा विक्रमशिला सेतु भागलपुर को नवगछिया और सीमांचल से जोड़ने वाला बिहार का महत्वपूर्ण पुल है।

सड़क के लिए खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से हमला, 7 घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय में सार्वजनिक सड़क को लेकर जमकर मारपीट हुई है। दबंगों ने निर्माण कार्य रोकने का विरोध करने पर ग्रामीणों पर जानलेवा हमला कर दिया। दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडे से पीटा गया। जिसमें 7 लोग घायल हो गए। इस खूनी झड़प में सभी घायल को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित पक्ष ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। घटना घटना गढ़हारा थाना की है।

काम रोकने के बाद बढ़ा विवाद : राजवाड़ा गांव के रहने वाले पीड़ित सुशील मिश्रा ने बताया कि सोमवार को दुर्गा स्थान से गाछी टोला तक सार्वजनिक सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इस दौरान गांव के ही शत्रुघ्न सिंह ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर जबरन काम रोक दिया। जब स्थानीय ग्रामीणों ने इस मनमानी का विरोध किया तो आरोपी भड़क गए। लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, भाला और धारदार हथियारों से लैस होकर टूट पड़े। हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। इस हिंसक हमले में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी सिर फूटा, तो किसी का हाथ टूट गया। शरीर के अन्य हिस्सों समेत चेहरे पर भी चोट है।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल : घायलों में माधव मिश्रा, आकाश कुमार, देवशंकर कुमार, अंश कुमार, गुड्डु मिश्रा, नितिन कुमार और अनुराग आनंद शामिल है। मारपीट के बाद स्थिति इतनी गंभीर थी कि वे घटनास्थल पर ही मरणासन्न अवस्था में गिर पड़े, जिन्हें बाद में किसी तरह उठाकर इलाज के लिए ले जाया गया। मारपीट के अलावा पीड़ितों ने आरोपियों पर लूटपाट का भी आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि देवशंकर कुमार के गले से सोने की चेन जबरन छीन ली गई। आरोपियों ने दोबारा सामने आने पर जान से मारने की खुलेआम धमकी दी है। सार्वजनिक विकास कार्य में बाधा डालने, जानलेवा हमला करने और छिनतई की इस घटना से तनाव का माहौल है।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग : पीड़ितों ने गढ़हारा थानाध्यक्ष से मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने, प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने और सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष जितेंद्र राम ने बताया कि आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच और आरोपियों की धरपकड़ के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

दोनों ओर से 25 लोगों पर FIR : मुख्यालय डीएसपी निखिल कुमार बताया कि गांव में बुडको कंपनी की ओर से पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा था। इसी सड़क को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। कुछ लोग घायल हुए हैं। पहले पक्ष के सुशील मिश्र ने 13 और दूसरे पक्ष के राजकुमार सिंह ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसके आधार पर दोषियों की पहचान की जा रही है। इसके साथ ही मामले को सुलझाने और सड़क निर्माण कराने के लिए संबंधित एसडीओ-सीओ को लिखा गया है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/15 **दिनांक :22.05.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे के तहत फार्मेसी के साथ इमर्जेंसी मेडिकल रूम, डिजिटल स्टोरेज लॉकर, मल्टी-शॉपिंग आर्केड और रिटायरिंग रूम एवं डॉरमिटरी हेतु अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-15

क्रम सं., लॉट सं., विवरण निम्नानुसार हैं: **एए/1, एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-एमईडीएसटीएन-42-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएं)**, पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत रामपुरहाट रेलवे स्टेशन पर फार्मेसी के साथ इमर्जेंसी मेडिकल रूम की स्थापना और परिचालन के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एबी/1,एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीएचपी-डीआईजीआईएल-32-25-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन पर डिजिटल लॉकर)**, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत बोलपुर स्टेशन पर डिजिटल स्टोरेज लॉकरों की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एसी/1, एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-टीएके-एसटीजीईएन-79-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल)**, दस (10) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत तारकेश्वर रेलवे स्टेशन पर मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एसी/2, एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-एसटीजीईएन-80-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल)**, दस (10) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत बर्द्धमान रेलवे स्टेशन पर मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एसी/3, एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-83-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल)**, दस (10) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास गुलमोहर कॉलोनी, डॉबसन रोड पर मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **बीए/1, पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-डब्ल्यूआरएल-79-26-1 (पे एंड यूज-लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स)**, पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत 'बजट होटल और डॉरमिटरी' के रूप में हावड़ा और बेलुड़ स्टेशनों के रिटायरिंग रूम एवं डॉरमिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **बीए/2, पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-डब्ल्यूआरएल-81-26-1 (पे एंड यूज-लाउंज/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स)**, पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत 'बजट होटल और डॉरमिटरी' के रूप में बर्द्धमान, बोलपुर और रामपुरहाट स्टेशनों के रिटायरिंग रूम एवं डॉरमिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 08.06.2026 को 14.00 बजे।

HWH-99/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

260 एकड़ जमीन पर सत्यापन शुरू

बांका । बांका जिले के चांदन अंचल अंतर्गत कटसकरा मौजा की करीब 260 एकड़ भूमि के नीचे तांबा, जस्ता, शीशा समेत कई कीमती खनिज पदार्थ मिलने की संभावना ने पूरे इलाके में हलचल बढ़ा दी है। हाल के दिनों में राजस्व कर्मियों और अमीनों द्वारा भूमि का भौतिक सत्यापन किए जाने के बाद क्षेत्र में खनन शुरू होने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। अगर प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी हो जाती हैं तो आने वाले समय में यहां बड़े पैमाने पर खनन कार्य शुरू हो सकता है।

तांबा-जस्ता मिलने से आर्थिक विकास की उम्मीद : स्थानीय लोगों और प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार जिस भूभाग में खनिज संपदा होने की संभावना जताई जा रही है, वहां तांबा, जस्ता, शीशा समेत अन्य बहुमूल्य धातुएं मौजूद हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यहां खनन शुरू होता है तो इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी, राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही देश की आयात पर निर्भरता कम होने और विदेशी मुद्रा की बचत होने की भी संभावना जताई जा रही है।

तीन गांवों पर विस्थापन का खतरा : खनिज संपदा मिलने की खबर के साथ ही ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि खनन की जद में पीड़रा, मांझीडीह और नन्हुआकुरा गांव आ सकते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि बड़े पैमाने पर खनन शुरू होने से उनके घर, खेत, बगीचे और वर्षों पुरानी बसावट प्रभावित हो जाएगी। हजारों लोगों के सामने विस्थापन का खतरा मंडराने लगा है। जानकारी के अनुसार कुल 260 एकड़ भूमि में करीब 230 एकड़ रैयती जमीन है, जबकि लगभग 30 एकड़ सरकारी भूमि बताई जा रही है। रैयती जमीन पर ग्रामीणों के मकान, खेत-खलिहान और बाग-बगीचे मौजूद हैं। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों के पुनर्वास और उचित मुआवजे की होगी। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि बिना ठोस पुनर्वास योजना के खनन शुरू हुआ तो उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने अब अपनी मांगें भी सामने रखनी शुरू कर दी हैं। उनका कहना है कि अगर उनकी जमीन अधिग्रहित होती है तो बदले में एक जगह पर जमीन दी जाए, ताकि पूरा गांव साथ बस सके। इसके अलावा हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग भी ग्रामीण

शपथ पत्र

मैं प्रेम पंचम पिता- श्री किशोर कुमार निवास स्थान- हाजीपुर, पोस्ट-मिल्की, थाना -वारिसलीगंज, जिला-नवादा (पिन) 805130 ने मेरे नाबालिग पुत्री का नाम प्रेयसी आनंद (पुराना नाम) प्रेयसी उम्र-12 वर्ष बदल दिया है और आगे प्रेयसी आनंद (नया नाम) के नाम से जानी जायेगी।

यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।

प्रेम पंचम
(शपथकर्ता)

शपथ सं. 3333 दिनांक : 18.05.2026

बिहार सरकार

खनिज खनन कार्यालय, औरंगाबाद

-: आम सूचना :-

(अति अल्पकालीन)

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या-3661-3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य बनाम पवन कुमार एवं अन्य) में दिनांक-10.11.2021 को पारित आदेश के आलोक में औरंगाबाद जिलान्तर्गत अचंल- मदनपुर, मौजा-सढ़ाईल, में चिन्हित किये गये पत्थर भूखण्ड की बन्दोबस्ती के लिए अनुमण्डल स्तरीय समिति द्वारा तैयार प्रारूप जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (DSR) को जनसामान्य की जानकारी एवं उनसे सुझाव/आपत्ति प्राप्त करने के लिए न्यूनतम 21 दिनों के लिए औरंगाबाद जिला के वेबसाइट-https: //aurangabad.nic.in पर उपलब्ध है। जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (DSR) के प्रारूप पर सुझाव/आपत्ति e-mail id dm-aurangabad. bih@nic.in अथवा khanijvibhagabad@gmail.com पर उपलब्ध कराया जा सकता है।

खनिज विकास पदाधिकारी
औरंगाबाद।

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

PR. No. 004277 (Mines) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगजनों के उत्थान को लेकर हुई बैठक

आरा। सोमवार को सदर आरा बुनियाद केंद्र में दिव्यांगजन जागरूकता, अधिकार संरक्षण एवं जन सुनवाई बैठक का किया गया। उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके संवैधानिक व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना था। बैठक में सर्वसम्मति से अगरसंडा बेहरा पंचायत निवासी दीपक कुमार सिंह को तीन माह के लिए सदर आरा प्रखंड का नया अध्यक्ष चुना गया। आरा प्रखंड क्षेत्र की सभी पंचायतों में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम की धारा 72 के अंतर्गत पांच-पांच दिव्यांगजनों को नामित कर पंचायत स्तरीय समूहों का गठन, स्थानीय स्तर पर उनकी समस्याओं का त्वरित व प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का भी निर्णयलिया गया।

जनगणना कार्य में आपत्तिजनक टिप्पणी पर शिक्षक से मांगा गया स्पष्टीकरण

आरा। नगर निगम आरा के जनगणना प्रकोष्ठ ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण के कार्य के दौरान सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में एक शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है। इस संबंध में नगर निगम कार्यालय की ओर से पत्र जारी कर संबंधित शिक्षक को 24 घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया गया है। मामले को लेकर प्रशासनिक और शैक्षणिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जारी पत्र के अनुसार मध्य विद्यालय चकिया के शिक्षक आलोक Kumar सिंह को जनगणना कार्य के लिए वार्ड संख्या-02 में एचएलबी नंबर-0015 के तहत प्रतिनियुक्त किया गया था। आरोप है कि उन्होंने 24 मई की रात करीब 9:37 बजे सोशल मीडिया पर एक मैसेज पोस्ट किया, जिसमें जनगणना कार्य को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणी से नगर निगम प्रशासन एवं जिला प्रशासन की छवि धूमिल हुई है तथा सरकारी कार्यों की गरिमा प्रभावित हुई है। नगर निगम प्रशासन ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि संबंधित शिक्षक द्वारा आवंटित क्षेत्र में जनगणना कार्य अब तक पूरा नहीं किया गया है। इसे लेकर उन पर कार्य में लापरवाही, मनमानी एवं अनुशासनहीनता बरतने का आरोप लगाया गया है। चार्ज जनगणना अधिकारी सह नगर आयुक्त की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने अथवा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में विभागीय कार्रवाई के लिए उनके विभाग को लिखा जाएगा। प्रशासन का कहना है कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें सभी कर्मियों से पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कार्यों से जुड़े कर्मचारियों को सोशल मीडिया का उपयोग करते समय भी संयम और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो। इस घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर सरकारी कर्मियों के सोशल मीडिया व्यवहार को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। नगर निगम प्रशासन ने सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों से अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और जनगणना कार्य को समय पर पूरा करने की अपील की है।

आज होगी प्रखंड प्रमुख के अविश्वास प्रस्ताव पर विशेष बैठक

गड़हनी। स्थानीय प्रखंड गड़हनी के प्रखंड प्रमुख बिनोद कुमार सिंह के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए सोमवार को प्रखंड सभागार में विशेष बैठक बुलाई गई है। आवश्यकता पड़ने पर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर गुप्त मतदान भी कराया जा सकता है। इसको लेकर प्रखंड की राजनीति गरमा गई है और सभी की नजर आज होने वाली बैठक पर टिकी हुई है। जानकारी के अनुसार विशेष बैठक में प्रमुख के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के दौरान यह स्पष्ट होगा कि प्रखंड प्रमुख अपनी कुर्सी बचाने में सफल होते हैं या नहीं। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चाओं का दौर तेज है।

सर्विस सेंटर से 7.76 लाख की मोबाइल एसेसीरीज गायब

बक्सर। गोलंबर स्थित टेक कंपनी के सर्विस सेंटर से करीब 7.76 लाख रुपये की मोबाइल एसेसीरीज गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। कंपनी के सर्विस सेंटर इंचार्ज के खिलाफ टाउन थाना में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार डाउसन टेक्नोलॉजी कंपनी के एचआर मैनेजर अजीत कुमार पांडेय ने थाने में आवेदन दिया है कि कंपनी का सर्विस सेंटर गोलंबर के पास संचालित होता है। सेंटर की जिम्मेदारी सिमरी निवासी आदित्य राज के पास थी। उन्होंने बताया कि बीते दिनों कंपनी की ओर से सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान 7 लाख 76 हजार 134 रुपये मूल्य की मोबाइल एसेसीरीज नहीं मिली। सेंटर इंचार्ज आदित्य राज ने सामान गायब होने की जिम्मेदारी लेते हुए जल्द वापस करने का आश्वासन दिया। एचआर मैनेजर ने एफआईआर दर्ज करायी।

बाजार में एक भी चापाकल चालू नहीं

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर चौरस्ता बाजार में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। बाजार क्षेत्र में लगे लगभग सभी चापाकल खराब हालत में पड़े हैं, जिससे दुकानदारों और राहगीरों को भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। स्थिति ऐसी हो गई है कि यात्रियों और स्थानीय लोगों को मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को खराब चापाकलों की सूचना दी गई, लेकिन अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। बाजार में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना-जाना होता है, लेकिन सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। गर्मी बढ़ने के साथ जल संकट और गंभीर होता जा रहा है। राहगीरों को दूर-दूर तक पीने का पानी नहीं मिल पा रहा, जिससे खासकर बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे परेशान हैं। लोगों ने प्रशासन से अविलंब खराब चापाकलों की मरम्मत कराने तथा अतिरिक्त पेयजल व्यवस्था कराने की मांग की है।इधर नगर पंचायत द्वारा एक दो जगह पर पेय जल उपलब्ध कराया गया है जो इस भीषण गर्मी में नाकाफी साबित हो रहा है।

पांडुलिपि सर्वेक्षण में सहयोग करने वाले सम्मानित

बक्सर। मां गंगा के अवतरण दिवस गंगा दशहरा पर सोमवार को श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्थानीय रामरेखा घाट समेत नाथ बाबा घाट, सती घाट, गोला घाट, सिद्धनाथ घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। अहले सुबह से ही गंगा घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं का लाइन लग गया। शहर के सभी गंगा घाट हर हर महादेव के घोष से गूंजता रहा। सुबह चार बजे से लेकर दिन करीब बारह से एक बजे तक श्रद्धालुओं से रामरेखा घाट गुलजार रहा। हालांकि, गंगा दशहरा पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। दो तिथि होने के कारण भीड़ कुछ कम रही। वहीं प्रशासन ने मंगलवार को मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर्व को लेकर विधि व्यवस्था और यातायात को सुख बनाने के लिए गाइडलाइन जारी किया है। मंदिरों में लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा दशहरा का पवित्र स्नान करने के बाद श्रद्धालु मंदिरों में पूजा-अर्चना की। इसके बाद गरीब और असहायों के बीच दान पुण्य किया। घाट पर किसी बड़े मेला का नजारा दिखा। वहीं मंदिरों में पंडित जी ने पूजा पाठ कराने के साथ ही गंगा दशहरा के महत्व को बताया। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर रामेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। उसके बाद श्रद्धालुओं ने मिट्टी के पात्र में जल भरकर, चावल, दाल, आलू, मिष्ठान आदि पुरोहित को दान किया।

लोयोला स्कूल में समर वॉटर फन डे

बक्सर। जिला मुख्यालय के पांडेय पट्टी स्थित लोयोला स्कूल में गर्मी की छुट्टियों से पहले बच्चों के लिए विशेष 'समर वॉटर पूल' एवं फन डे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन ने पूरे स्कूल परिसर को एक मिनी बीच और पर्यटन स्थल का रूप दे दिया, जहां बच्चों ने पानी, संगीत और मनोरंजन के बीच पूरे दिन जमकर मस्ती की। कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में कृत्रिम वॉटर पॉइंट, छोटा झरना और आकर्षक वॉटर जोन तैयार किया गया था। सबसे खास बात यह रही कि पूरे परिसर में गंगा की रेत बिछाकर ऐसा वातावरण बनाया गया कि बच्चों को समुद्र किनारे होने का वास्तविक अनुभव महसूस हुआ।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ कलश यात्रा के साथ शुरू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर के सारिमपुर-अहिरौली स्थित मां गंगा के पावन तट पर मंगलवार को श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा श्रीवरदराज मंदिर परिसर से शुरू हुई। श्रद्धालु गाजे-बाजे और धार्मिक ध्वजों के साथ मां गंगा के घाट पहुंचे, जहां विधि-विधान से गंगाजल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु कलश लेकर वापस मंदिर पहुंचे। पूरे रास्ते वैदिक मंत्रोच्चार, भक्ति गीत और जयघोष से माहौल भक्तिमय बना रहा।

महायज्ञ 26 मई से शुरू होकर 30 मई तक चलेगा : मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और वैदिक अनुष्ठान के साथ महायज्ञ की शुरुआत हुई। कलश यात्रा के दौरान महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर यात्रा निकाली, जबकि युवाओं और बुजुर्गों की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह था। इस धार्मिक आयोजन में विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे भी शामिल हुए। उन्होंने संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया और श्रद्धालुओं के साथ यात्रा में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति और वैदिक परंपराएं भारत की पहचान हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं और लोगों में धर्म व संस्कृति के प्रति आस्था को मजबूत बनाते हैं।

कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे : आयोजकों ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित यह महायज्ञ 26 मई से शुरू होकर 30 मई तक चलेगा। इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा, अष्टोत्तर-सहस्त्र ताम्र कलशाभिषेक, हवन-पूजन और कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कलश यात्रा को लेकर पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शिविर लगाए गए थे और ग्रामीणों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। गंगा घाट और मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। आयोजन को लेकर प्रशासन और समिति की ओर से व्यवस्था भी की गई थी।

दिवंगत प्रेम पंकज उर्फ ललन की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा, लगी चित्र प्रदर्शनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । भाजपा नेता, प्रतिष्ठित व्यवसायी, आरा नगर निगम की मेयर इंदु देवी के पति एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिवंगत प्रेम पंकज उर्फ ललन की स्मृति में ग्रांड होटल सभागार में श्रद्धांजलि सभा हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा शहर के प्रबुद्ध लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रेम पंकज ललन एक नेक इंसान और समाज की धरोहर थे। उनका संबंध इस परिवार से लंबे समय से रहा है। उन्होंने जीवनभर संघर्षशील व्यक्तित्व का परिचय दिया, लेकिन नियति के आगे सभी को झुकना पड़ता है। उनके निधन से जिला, पार्टी और समाज में जो रिक्तता उत्पन्न हुई है, उसे भर पाना आसान नहीं होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज सहित उपस्थित लोगों ने भी उनके सामाजिक योगदान और जनसेवा को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका सभी ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उनके सामाजिक, राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया। दिवंगत ललन की यादों को देखते हुए उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं और पूरे सभागार का माहौल भावुक बना रहा।

पुलिस पर हमला, भाई-बहन गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । भोजपुर के धुधुआं गांव में पुलिस टीम पर हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस पर ईंट-पत्थर से हमला कर दो सरकारी बोलेरो गाड़ियों को क्षतिग्रस्त करने और पुलिसकर्मियों को घायल करने के आरोप में संजय राय समेत 30-40 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी संजय राय और कंचन कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों रिश्ते में भाई-बहन हैं। अन्य की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है।

गिरफ्तारी के बाद बढ़ा विवाद : दरोगा धर्मेंद्र कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि पुलिस टीम 20 मई को धुधुआं गांव में हुई मारपीट और हत्या के प्रयास में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अजय राय के घर के पास पहुंची थी। इस दौरान पुलिस को देखकर एक व्यक्ति वहां से भागने लगा। पुलिस बल ने पीछा कर उसे पकड़ लिया, जिसकी पहचान संजय राय के रूप में हुई। संजय राय पुलिस कार्रवाई का विरोध करने लगा। आसपास मौजूद महिलाओं और ग्रामीणों को पुलिस के खिलाफ

उकसाने लगा। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जुट गए और विरोध शुरू कर दिया। आरोपियों ने पुलिस बल पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गए। हमले के दौरान पुलिस की दो गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस गाड़ी से टक्कर से बुआ-भतीजी घायल हो गई।

आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी : मुफस्सिल थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि नामजद और अज्ञात आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस बल पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आज स्पेशल ट्रैफिक प्लान लागू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर पुलिस प्रशासन ने गंगा दशहरा स्नान के मद्देनजर शहर में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, बक्सर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 26 मई 2026 को सुबह 4 बजे से शाम 5 बजे तक शहर के कई मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। बड़े वाहनों, ट्रैक्टर और पिकअप के लिए यह नो-एंट्री रात 10 बजे तक लागू रहेगी। जारी आदेश के तहत, ज्योति चौक से थाना चौक, थाना चौक से नाथ बाबा पुल, थाना चौक से रामरेखा घाट होते हुए पीपी रोड और पुराना सदर अस्पताल मार्ग, सिंडिकेट से जमुना चौक होते हुए थाना चौक, तथा मठिया पुल से मुनीम चौक तक सभी प्रकार के चारपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। हालांकि, दोपहिया वाहनों को इन मार्गों पर आवागमन की छूट दी गई है।

ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के लिए अलग रूट तय : चारपहिया वाहनों के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए हैं। इन वाहनों का आवागमन गोलंबर, सिंडिकेट, बाईपास, बस स्टैंड, ज्योति चौक, डीएवी मोड़, अंबेडकर चौक, स्टेशन, आईटीआई रोड और मठिया मोड़ होकर कराया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के लिए अलग रूट तय किए गए हैं। पार्किंग व्यवस्था के अंतर्गत, ट्रैक्टर, पिकअप, बस और अन्य बड़े वाहनों के लिए हवाई अड्डा मैदान, आईटीआई मैदान, बाजार समिति, गोलंबर पार्किंग स्थल और इटाढ़ी गुमटी के पास रेलवे मैदान को चिन्हित किया गया है। चारपहिया, तीनपहिया और मोटरसाइकिल के लिए किला मैदान और उसके पीछे पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

यात्रियों से अपने साथ टिकट रखने की अपील : प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रोगी, एम्बुलेंस और अति आवश्यक सेवा वाले वाहनों को इन प्रतिबंधों से छूट मिलेगी। रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों से अपने साथ टिकट रखने की अपील की गई है। इसके अतिरिक्त, आम नागरिकों से अनावश्यक रूप से चारपहिया वाहनों का उपयोग न करने का अनुरोध किया गया है।

एनएचआई की बैठक, किसानों ने कहा- पहले मुआवजा, उसके बाद बनेगी सड़क

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गड़हनी । आरा-सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग (119 ए) में किसानों का अधिगृहित जमीन के कागज दुरुस्त करने के लिये सोमवार को बगवां गांव में किसानों के साथ एनएचआई के साइट इंजीनियर ने बैठक किया। साइट इंजीनियर अफजल अंसारी से किसानों ने कहा कि कई माह से हमलोग अंचल में परिमार्जन, जमीन मापी के कागज, एलपीसी बनाने को लेकर दौड़ रहे है लेकिन अंचल कर्मियों के द्वारा तंग किया जा रहा है। किसानों ने मांग किया कि जल्द बगवां गांव में कैम्प लगाकर कागज ऑन स्पॉट दुरुस्त कराया जाए। जब तक जमीन का कागज कंप्लीट नहीं होगा और पैसा नहीं मिलेगा, हमलोग जमीन पर निर्माण कार्य करने नहीं देंगे। बता दे कि रविवार को आरा - सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग (119A) में अधिगृहित जमीन पर ठेकेदार के द्वारा लाइनिंग दिया जा रहा था लेकिन बगवां के किसानों के द्वारा कार्य को रोक दिया गया था। बैठक में किसान रामजी सिंह, अमित सिंह, भिखारी सिंह,मंटू पाण्डेय,

योगिंद्र सिंह, बबलू सिंह, शंभू सिंह,ओमप्रकाश सिंह, अनंत सिंह, निर्माण कार्य के कर्मी सहित कई किसान उपस्थित थे। दो दिन में जमीन सुधार को लेकर लगेगा शिविरः किसानों के बातों को सुनने के बाद एनएचआई के साइट इंजीनियर ने कहा कि अब किसी भी किसानों का अधिगृहित जमीनों का परिमार्जन कराने की जरूरत नहीं है। सिर्फ अधिगृहित जमीन का सीमांकन होगा। इस जमीन का एलपीसी, वंशावली बनाने सहित कागज को दुरुस्त कराने के लिये एक से दो दिनों में बगवां शिव मंदिर में कैम्प लगाया जाएगा। कैंप में पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी, अमीन व अंचल के कर्मी उपस्थित रहेंगे। कैंप में ही सभी किसानों का ऑन स्पॉट कागज का निष्पादन किया जाएगा।

गुजरात से जमानत लेने आए युवक की पीट-पीटकर हत्या, बगीचे में शव फेंका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । पुराने केस में न्यायालय से जमानत लेने के लिए गुजरात से आए युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सोमवार को उसका शव टाउन थाना क्षेत्र में बलबतरा मुहल्ला में एक बगीचे में जमीन पर पड़ा मिला। मृतक 22 वर्षीय लक्की पासवान, गजराजगंज थाना क्षेत्र के बामपाली (वार्ड संख्या-7) का निवासी और सिकंदर पासवान का पुत्र था। मृत लक्की के शरीर पर कई जगह काले रंग के चोट के निशान थे और उसकी नाक से खून बहा था। परिजनों ने उसके दोस्तों पर ही बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या करने और साक्ष्य छुपाने की नीयत से शव को बगीचे में फेंकने का आरोप लगाया है। मृतक के पिता सिकंदर पासवान ने बताया कि लक्की रविवार की सुबह घर पर ही था। इसी दौरान बाइक से दो युवक आये, जो दोस्त लग रहे थे। लेकिन उन्होंने कपड़े से अपना चेहरा ढ़क कर रखा था। चेहरा ढके होने के कारण उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। जो दोनों दोस्त आए थे, वे लक्की को अपने साथ बैठाकर घुमाने ले गए। जब देर रात तक लक्की वापस घर नहीं लौटा, तो परिवार की चिंता बढ़ी। हमलोगों ने अपने स्तर से आस-पड़ोस, रिश्तेदारों और उसके दोस्तों के यहां काफी तलाश किया गया, लेकिन वह नहीं मिला। सोमवार की सुबह भी हमलोग उसकी तलाश में जुटे थे। तभी सूचना मिली कि बलबतरा मुहल्ला के बगीचे में एक युवक का शव पड़ा है। हमलोग वहां गये, देखा वह शव लक्की का था। चोरी का झूठा आरोप लगने पर गुजरात गया था परिजनों ने बताया कि कुछ महीने पहले सिंगही मोहल्ला के कुछ लोगों के साथ लक्की का विवाद हुआ था। उन लोगों ने लक्की पर चोरी का झूठा आरोप लगाया था, जिसके बाद पुलिस उसे थाने भी ले गई थी। हालांकि आरोप साबित नहीं होने पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। इस घटना के बाद आरोपियों ने लक्की को जान से मारने की धमकी दी थी। विवाद और डर के कारण लक्की गांव छोड़कर बाहर चला गया था और गुजरात में रहकर प्राइवेट काम करने लगा था। दोस्तों ने रची साजिश, खिला-पिलाकर मार डाला पिता सिकंदर पासवान के अनुसार रविवार सुबह जो दो दोस्त लक्की को घर से बुलाकर ले गए थे, बाइक पर बैठकर सिंगही मोहल्ला की तरफ गये थे। गांव के कुछ अन्य लोगों ने भी लक्की को उन युवकों के साथ घूमते हुए देखा था। सिंगही मुहल्ला के र जगदीश और डालडा पासवान ने पुराने विवाद को लेकर साजिश के तहत बेटा को खिला-पिलाकर हत्या किया है। परिवार से शाम तक आवेदन नहीं, पुलिस कार्रवाई शुरू : थानाध्यक्ष टाउन थाना के थानाध्यक्ष देवराज राय ने बताया कि बलबतरा के बगीचे से सोमवार को बामपाली निवासी लक्की कुमार का शव बरामद किया गया है। परिजनों ने उसके दोस्तों पर पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, शाम तक परिजनों की ओर से थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। लिखित आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर फिलहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की गहन छानबीन कर रही है।

विकास हो, पर आध्यात्मिकता न बिखरे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी बक्सर में प्रस्तावित 'वामन कॉरिडोर' को लेकर अब आध्यात्मिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। एक तरफ लोग इसे बक्सर के पर्यटन और आर्थिक विकास का बड़ा माध्यम मान रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य कृष्णानन्द शास्त्री ने इस मॉडल पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे अध्यात्म और बाजारवाद के बीच की लड़ाई बताया है। उनका कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास नहीं होना चाहिए जिससे बक्सर की आध्यात्मिक पहचान कमजोर पड़ जाए। आचार्य कृष्णानन्द शास्त्री ने कहा कि वे कॉरिडोर निर्माण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन काशी और अयोध्या जैसे धार्मिक स्थलों का वर्तमान स्वरूप सबके सामने है। उन्होंने कहा कि वहां अब श्रद्धा से ज्यादा दिखावा और व्यावसायिकता नजर आने लगी है। लोग मंदिरों और घाटों पर भक्ति से ज्यादा सेल्फी लेने में व्यस्त हैं तथा फाइव स्टार सुविधाओं के बीच अध्यात्म पीछे छूटता जा रहा है। उनके अनुसार अगर बक्सर में भी

सिर्फ चमक-दमक वाला मॉडल अपनाया गया, तो यहां आर्थिक लाभ तो होगा, लेकिन आध्यात्मिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बक्सर की पौराणिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि चारों युगों की साक्षी रही है। सतयुग में इसे शंभू तपोवन, त्रेतायुग में भगवान वामन और भगवान श्रीराम की लीला स्थली, द्वापर में वेद गर्भापुरी तथा कलयुग में व्याघ्रसर के नाम से जाना गया। उन्होंने कहा कि बक्सर की पहचान किसी आधुनिक बाजार के रूप में नहीं, बल्कि ऋषियों और तप की भूमि के रूप में रही है। आचार्य जी ने सुझाव दिया कि बक्सर के 35 से 36 प्राचीन तीर्थ स्थलों का पहले संरक्षण और पुनर्जीवन होना चाहिए। सोम तीर्थ, वामन तीर्थ, विश्वामित्र ह्रद और पाताल तीर्थ जैसे स्थलों को विकसित कर वहां भगवानों और ऋषियों की कथाओं को दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाए। उनका मानना है कि इससे आने वाले श्रद्धालु बक्सर की वास्तविक आध्यात्मिक शक्ति को महसूस कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में पहले धर्म आता है और उसके बाद अर्थ। अगर धर्म मजबूत होगा तो वैध और सात्विक तरीके से आर्थिक समृद्धि अपने आप आएगी। उन्होंने तिरुपति बालाजी और वैष्णो देवी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां श्रद्धा के कारण ही समृद्धि आई है। आचार्य कृष्णानन्द शास्त्री ने बक्सर विकास के लिए अपना "बक्सर मॉडल" भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि पहले 10 कोस क्षेत्र में फैले प्रमुख तीर्थों का नक्शा तैयार कर उन्हें व्यवस्थित किया जाए तथा इन सभी स्थलों को जोड़ने के लिए 20 से 30 फीट चौड़ी सड़कें बनाई जाएं। उनका मानना है कि ऐसा होने पर बक्सर में सिर्फ पर्यटक नहीं, बल्कि सच्चे श्रद्धालु आएंगे और यहां का आध्यात्मिक वातावरण भी सुरक्षित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

महुआ में सरकारी मेडिसिन फेंकी, लाखों की दवाएं गड्ढे में मिलीं,यूरिन कलेक्टिंग बैग और ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप मिले

हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड अंतर्गत कन्हौली धनराज पंचायत के वार्ड नंबर 09 में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाएं फेंकी हुई मिली हैं। चंवर के निकट एक चिमनी के पास खोदे गए गड्ढे से ये दवाएं बरामद हुईं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। फेंकी गई दवाओं में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन, लेवोसाल्बुटामोल, पाइरिडॉक्सिन टैबलेट्स, सिल्वर सल्फाडायजीन क्रीम, मेजर्ड वॉल्यूम सेट, यूरिन कलेक्टिंग बैग, ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप, जिंक सल्फेट ओरल सॉल्यूशन, परमेथ्रिन क्रीम और हैंड ग्लव्स शामिल हैं। इनके साथ बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग के विज्ञापन पर्चे भी मिले हैं। इन दवाओं में एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और बच्चों की दवाएं व सिरप की सैकड़ों शीशियां थीं। कई दवाओं पर 'बिहार सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण हेतु' लिखा था। अधिकांश दवाओं की एक्सपायरी डेट 2026-27 तक की थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे अभी भी उपयोग योग्य थीं। दवाओं का यह जखीरा देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय मुखिया और पुलिस को दी। ग्रामीण जयप्रकाश यादव, राजेश कुमार, अमित कुमार, सुधीर कुमार, अनिल कुमार और रविंद्र प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि अस्पतालों में मरीजों को दवाएं नहीं मिलतीं, जबकि यहां उन्हें फेंका जा रहा है। उन्होंने इसे गरीब मरीजों के साथ धोखा बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों पर लापरवाही और कालाबाजारी का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। घटना की सूचना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दे दी गई है। वर्तमान में फेंकी गई दवाएं उसी स्थान पर पड़ी हुई हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थल पर पहुंचकर दवाओं का निरीक्षण किया जाएगा और दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने लालगंज में तटबंधों का इंस्पेक्शन किया, बाढ़ सुरक्षा और कटाव निरोधी कामों की रिव्यु

हाजीपुर। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह (भा.प्र.से.) ने 25 मई 2026 को वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने गंडक नदी के बाएँ तटबंध (तिरहुत तटबंध) के किलोमीटर 68.80 पर स्थित बलहा-बसंता स्थल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मानसून और संभावित बाढ़ के मद्देनजर तटबंधों की सुरक्षा, कटाव निरोधी कार्यों और बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने तिरहुत तटबंध के उन संवेदनशील हिस्सों का अवलोकन किया जहां गंडक नदी तटबंध से सटकर बह रही है। उन्होंने पूर्व में कराए गए कटाव निरोधी कार्यों का जायजा लिया और पाया कि विभाग द्वारा किए गए कार्य प्रभावी हैं तथा तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। आयुक्त ने संबंधित अभियंताओं और पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के दौरान विशेष चौकसी बरती जाए और तटबंध की लगातार निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षात्मक और कटाव निरोधी कार्यों की आवश्यकता का आकलन कर विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र विभाग को भेजा जाए, ताकि स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस अवसर पर आयुक्त ने बताया कि मानसून और संभावित बाढ़ के कारण यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी इस क्षेत्र में कटाव की घटनाएं हुई हैं, जिनसे जान-माल और कृषि योग्य भूमि को नुकसान पहुंचा था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में विभाग द्वारा कई स्थानों पर कटाव निरोधी कार्य कराए जा रहे हैं और कुछ कार्य प्रगति पर हैं। स्थानीय ग्रामीण भी भविष्य में कटाव की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षात्मक कार्यों की मांग कर रहे हैं। आयुक्त ने जोर दिया कि बाढ़ की स्थिति अनिश्चित होती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग अभी से पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि राहत सामग्री, तटबंधों की निगरानी, आपदा प्रबंधन संसाधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते मजबूत कर लिया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

बाल विवाह उन्मूलन पर जागरूकता अभियान

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड स्थित महादलित मथुरापुर कुशदे टोला में बाल विवाह उन्मूलन पर एक सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन परियोजना के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया। अधिकार मित्र संतोष कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महादलित समुदाय के परिवारों को बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इसमें किशोर-किशोरियों के अधिकारों की रक्षा के संबंध में भी जानकारी दी गई। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने कहा कि बाल विवाह केवल एक कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बेटियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी बाधित करता है। डॉ. शुक्ला ने जोर देकर कहा कि वैशाली जिले में हर बच्चे, विशेषकर बेटियों को स्कूल भेजना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कम उम्र में शादी से बच्चियों का स्वास्थ्य खराब होता है और वे कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। उनके अनुसार, बेटियों के शिक्षित हुए बिना समाज का पूर्ण विकास संभव नहीं है। इस अवसर पर अधिकार मित्र संतोष कुमार और चंद्रशेखर ने ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कड़े प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अपराध में शामिल माता-पिता, बिचौलिए और विवाह कराने वाले व्यक्तियों को जेल और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 या स्थानीय पुलिस को दें। कार्यक्रम के अंत में, ग्रामीणों ने बाल विवाह के खिलाफ एकजुट रहने और बाल विवाह न करने की सामूहिक शपथ ली।

मुजफ्फरपुर में 6 दिन से गायब दंपती का सुराग नहीं

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित भगत मार्केट के प्रोप्राइटर मनोज भगत और उनकी पत्नी मीनू देवी के रहस्यमय ढंग से लापता होने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। बीते 20 मई से लापता दंपती की तलाश में पुलिस लगातार छानबीन कर रही है। मामले में संपत्ति विवाद, पुराने आपराधिक मामले और लेनदेन समेत कई बिंदुओं पर जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। सोमवार को एसडीपीओ टाउन-2 विनीता सिन्हा ने उस कमरे का भी निरीक्षण किया, जहां से दंपती रहस्यमय तरीके से गायब हुए थे। परिजनों का दावा है कि कमरे के बेड पर खून के धब्बे मिले थे, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। हालांकि, पुलिस ने मौके से सैंपल जुटाकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। अब एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कमरे में मिले धब्बे वास्तव में खून के हैं या कुछ और। दंपती की बेटी शिफाली कुमारी ने अपने सगे चाचा पर संदेह जताया है। उसने बताया कि उसके माता-पिता शादी को लेकर मुजफ्फरपुर आए थे। 19 मई को उसकी आखिरी बार माता-पिता से बात हुई थी और तब सबकुछ सामान्य था। लेकिन 20 मई से दोनों के मोबाइल लगातार बंद आने लगे, जिसके बाद अनहोनी की आशंका हुई और पुलिस को सूचना दी गई। शिफाली का कहना है कि उसके पिता और चाचा के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। उसने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की मार्केट संपत्ति पर कब्जे की नीयत से उसके चाचा ने कुछ करवाया हो सकता है।

मनोज भगत के बहनोई ने बताया कि मनोज का ज्यादातर समय दिल्ली में गुजरता था। उनके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हत्या के एक मामले में वह जेल भी जा चुके थे और सजा काटकर लौटे थे। दिल्ली के कुछ कारोबारियों के साथ लेनदेन को लेकर विवाद भी चल रहा था। उन्होंने कहा कि पुलिस को हर एंगल से निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, क्योंकि अचानक दोनों का गायब हो जाना कई सवाल खड़े करता है।

शिक्षा मंत्री ने विंडो सिस्टम का उद्घाटन करते हुए कहा-

छात्रों अभिभावकों को सचिवालय आने की आवश्यकता नहीं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना, माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने आज शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु "सिंगल विंडो सिस्टम" का उद्घाटन किया। इस नई व्यवस्था के माध्यम से अब छात्रों एवं अभिभावकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सचिवालय आने की आवश्यकता नहीं होगी।

माननीय मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी,जवाबदेह एवं जनहितकारी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। अब विद्यार्थी एवं अभिभावक टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे, जिनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा पहले ही टोल-फ्री नंबर जारी किया जा चुका है। इस संदर्भ में प्राथमिक शिक्षा निदेशक श्री विक्रम विरकर द्वारा राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है कि सभी सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों की मुख्य दीवारों पर शिक्षा विभाग के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का टोल-फ्री नंबर बड़े एवं स्पष्ट अक्षरों में प्रदर्शित कराया जाए।

विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार विद्यालयों में निम्नलिखित टोल-फ्री नंबर प्रमुखता से अंकित किए जाएंगे—टोल-फ्री नंबर : 14417 एवं 18003454417 । इन नंबरों पर आमजन शिक्षा, शिक्षण व्यवस्था, छात्र-छात्राओं तथा विद्यालय संबंधी शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज करा सकेंगे।

शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यह कार्य 31 मई 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि यह पहल छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षा विभाग के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस व्यवस्था के माध्यम से छात्रवृत्ति, नामांकन, प्रमाण पत्र, विद्यालय संबंधी शिकायतों एवं अन्य शैक्षणिक समस्याओं का समाधान अधिक सरल एवं सुगम हो सकेगा।

शिक्षा विभाग का यह कदम विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनसहभागिता को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में हो एक्युप्रेशर सेवा : गंगा प्रसाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज के तत्वावधान में मंगलवार को 33वें राष्ट्रीय एक्युप्रेशर चिकित्सक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रमा प्रसाद गुप्त की 105वीं जयंती को एक्युप्रेशर दिवस के रूप में मनाया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के कई प्रसिद्ध चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन गंगा प्रसाद ने किया। उद्घाटन संबोधन में गंगा प्रसाद ने कहा कि एक्युप्रेशर सेवा को सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में शामिल किया जाना चाहिए। इससे चिकित्सा व्यवस्था अधिक प्रभावी, सुलभ और तेज हो सकेगी तथा मरीजों को वैकल्पिक उपचार पद्धति का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने एक्युप्रेशर पद्धति को प्राचीन और अत्यंत उपयोगी चिकित्सा प्रणाली बताया। उन्होंने कहा कि यह पद्धति बिना दुष्प्रभाव के लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्ता ने की। वहीं आयोजन संयोजक डॉ. अजय प्रकाश ने कहा कि एक्युप्रेशर सेवा समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए लगातार स्वास्थ्य शिविर और जनकल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष एक्युप्रेशर पखवाड़ा के तहत करीब दो हजार चिकित्सा शिविर लगाए गए, जिनसे लाखों लोगों को लाभ मिला।

सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का वर्ष 2030 तक "सबको स्वास्थ्य" उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक्युप्रेशर समेत वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

सोनपुर मंडल संसदीय समिति की बैठक आयोजित रेल विकास और यात्री सुविधाओं पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हाजीपुर। सोनपुर मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में सोनपुर मंडल क्षेत्राधिकार के विभिन्न सांसदों एवं उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता राजीव प्रताप रूडी ने की। बैठक के दौरान जनहित से जुड़े मुद्दों, रेल विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सांसदों ने रेल सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर छत्रसाल सिंह, अमरेन्द्र कुमार तथा अमित सरन सहित मुख्यालय एवं सोनपुर मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी, वैशाली सांसद वीणा देवी, कटिहार सांसद तारिक अनवर तथा खगड़िया सांसद राजेश वर्मा मौजूद रहे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, चिराग पासवान और नित्यानंद राय के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक के दौरान सांसदों एवं उनके प्रतिनिधियों ने रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने, यात्री सुविधाओं में वृद्धि करने तथा कई ट्रेनों के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव को लेकर सुझाव दिए। भविष्य की रेल योजनाओं और विकास कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सभी सांसदों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में सोनपुर मंडल द्वारा यात्री सुविधाओं, आधारभूत संरचनाओं के विकास और नई परियोजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। अंत में महाप्रबंधक ने सांसदों द्वारा दिए गए सुझावों के लिए आभार जताते हुए कहा कि इन सुझावों से भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूपरेखा तय करने में काफी मदद मिलेगी।

रानीतालाब में ओवरलोड बालू ट्रक जब्त, चालक फरार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना जिले के रानीतालाब थाना क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस ने अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बालू से लदे एक ओवरलोड ट्रक को जब्त किया। यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर जीतन छपरा के समीप चलाए गए विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान की गई।

पुलिस के अनुसार रानीतालाब थाना क्षेत्र में लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की। जांच में पाया गया कि ट्रक पर निर्धारित क्षमता से अधिक बालू लदा हुआ था। साथ ही चालक आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस ने तुरंत ट्रक को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया और मामले की जानकारी खनन विभाग को दी। अधिकारियों का कहना है कि वाहन से जुड़े कागजात और बालू परिवहन की वैधता की जांच की जा रही है। प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना प्रभारी विनय कुमार रंजन ने कहा कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध बालू खनन, ओवरलोडिंग और तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पुलिस की विशेष टीम क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है और संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही है। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि यदि कहीं अवैध खनन या अन्य गैरकानूनी गतिविधि की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रही जांच और कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार पर अंकुश लगेगा और सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी।

बिहटा में दया दुबे गैंग का तीसरा सदस्य गिरफ्तार, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में सक्रिय दया दुबे गैंग के तीसरे सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रानीतालाब निवासी रंजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है। इससे 2 दिन पहले, पुलिस ने इसी गैंग के 2 अन्य सदस्यों आदित्य कुमार और सचिन कुमार को भी गिरफ्तार किया था। उनके पास से एक देसी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। पुलिस दया दुबे गैंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, इस गैंग का मुख्य आरोपी दया दुबे अभी भी फरार है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास के जिलों में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार किया: पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने इस पूरे मामले पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पटना पश्चिम क्षेत्र में दया दुबे गैंग की आपराधिक गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिसके मद्देनजर पुलिस और तकनीकी टीमें लगातार काम कर रही हैं। एसपी ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए 2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि रंजय बिहटा क्षेत्र में किसी बड़ी की घटना को अंजाम देने के फिराक में था। एसपी ने यह भी बताया कि दया दुबे गैंग सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों में खौफ पैदा करता है। हाल ही में बिहटा क्षेत्र में एक महिला से सोशल मीडिया के जरिए 7 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और उसके घर पर फायरिंग कर इसी गैंग ने दहशत फैलाने की कोशिश की थी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल इस गैंग के मुख्य आरोपी दया दुबे की गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

गैंग का मुख्य आरोपी अभी भी फरार

महिला ने मामला दर्ज कराया था: दरअसल, बिहटा थाना में शोभा देवी नामक एक महिला ने मामला दर्ज कराया था। जहां महिला ने बताया कि कुछ युवक उनके घर पर फायरिंग की है। सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल के जरिए 7 लाख की रंगदारी मांगी है।

सीएम सम्राट चौधरी के हरे गमछे वाले बयान पर बना गाना, सोशल मीडिया पर हो रहा शेयर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'हरे गमछे' वाले बयान के बाद सियासत हो रही है। नेताओं की बयानबाजी के बीच अब इस मुद्दे पर गाना भी लॉन्च हो गया है, जो सोशल मीडिया पर है। "काहे यादव जी नाम बदनाम बा, यदुकुल में जन्म हुई एकड़ गुमान बा, हरियर गमछिया यादव के शान बा...", बोली और राजनीतिक तंज से भरे इस गाने को एसकेडी राज यदुवंशी ने तैयार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग इस गाने को खूब शेयर कर रहे हैं और इसे सम्राट चौधरी के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

AI समिट में सम्राट चौधरी ने दिया था बयान: दरअसल, बीते शनिवार को पटना में आयोजित AI समिट के मंच से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि पटना में करीब 4 हजार AI कैमरे लगाए गए हैं। अगर AI सिस्टम को यह निर्देश दे दिया जाए कि "हरे गमछे वाले को खोजो", तो वह तुरंत ऐसे लोगों की पहचान कर लेगा। हालांकि, बयान के तुरंत बाद उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि उनका इशारा किसी खास व्यक्ति या समूह की ओर नहीं है। सीएम के बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर 'हरे गमछे' को लेकर मीम्स, वीडियो और गानों की भरमार हो गई है। वायरल हो रहे इस भोजपुरी गाने को कई लोग यादव समाज और उनकी पहचान से जोड़कर देख रहे हैं। गाने के बोल में 'हरिहर गमछिया' को यादव समाज की शान बताया गया है।

डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा फायदा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहार सरकार

पटना। बिहार सरकार ने संविदा (कॉन्ट्रैक्ट), बेल्ट्रॉन और आउटसोर्सिंग पर तैनात महिला कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब इन्हें भी नियमित (रेगुलर) महिला कर्मियों की तरह हर महीने दो दिनों का विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल लीव) मिलेगा। समाज कल्याण विभाग ने सोमवार को इसका आधिकारिक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। इसके साथ ही विभाग ने 20 जुलाई 2023 का अपना पुराना आदेश रद्द कर दिया है। सरकार के इस फैसले से राज्य की डेढ़ लाख से अधिक महिला कर्मियों को माहवारी के समय बड़ी राहत मिलेगी। महिलाओं को हर महीने माहवारी के दौरान दो दिनों का विशेष अवकाश देने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। बिहार में यह व्यवस्था 2 जनवरी 1992 से लागू है। छुट्टी के लिए ये तीन नियम जानना जरूरी एक साथ मिलेगी छुट्टी : महिला कर्मियों को हर माह 2 दिनों की स्पेशल लीव 1 बार में लगातार लेनी होगी। सामान्य छुट्टियों से अलग : यह विशेष अवकाश कैलेंडर वर्ष में मिलने वाली सामान्य आकस्मिक छुट्टियों के अतिरिक्त दिया जाएगा। इस विशेष छुट्टी को मंजूर करने का पूरा अधिकार संबंधित नियंत्री पदाधिकारी के पास होगा।

मॉनसून में जलजमाव की होगी रियल टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग, 30 मई तक तैयार होगा बुडको का कंट्रोल रूम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना में मॉनसून के दौरान जलजमाव के रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए बुडको की ओर से कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी। 30 मई तक इसे तैयार कर लिया जाएगा। इसके जरिए शहर के प्रमुख नालों, पंप हाउसों और जलभराव वाले क्षेत्रों की 24 घंटे डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। नाले में पानी का स्तर बढ़ते ही ऑटोमैटिक पंप चालू हो जाएगा। इससे शहर में जलजमाव की स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी।

मानसून में हर अंचल के लिए पदाधिकारी की होगी नियुक्ति: बिहार राज्य शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि जो अधूरे काम बचे हैं, उसे मई में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मानसून के टाइम में हर अंचल के लिए मुख्यालय स्तर से पदाधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। मई के अंत तक कंट्रोल रूम तैयार कर लिया जाएगा। शहर में कहीं भी छोटा-मोटा जो कनेक्शन का काम बचा हुआ है, जैसे कि किसी आउटफाल से ड्रेन कनेक्ट नहीं है, उसका काम भी अंतिम चरण में है।

सड़क रिस्टोर करके रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को किया जाएगा हैंडोवर: कहा कि हम लोग पटना नगर निगम के साथ क्लोज कोऑर्डिनेशन में है। बुडको से जुड़े इशू को लेकर हम लोग निरंतर बैठक कर रहे हैं। सड़क में कई जगह सड़कें खुदी हुई है, क्योंकि नमामि गंगे का काम चल रहा है। बुडको की ओर से करीब 5 किलोमीटर सड़क का रेस्टोरेशन करना है, जिसमें से हम लोगों ने 3800 मी. सड़क को रिस्टोर करके रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को हैंडोवर कर दिया है। अभी बहुत कम ही काम बचे हुए हैं, जिसे मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

डीपीएस और पंप होंगे तैनात: पटना शहर में कुल 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस हैं। वहीं, शहर की जलनिकासी के लिए कुल 364 पंपों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिनमें 265 इलेक्ट्रिक चालित और 99 डीजल पंप शामिल हैं। स्थाई डीपीएस पर 256 पंप और अस्थाई डीपीएस पर 83 पंप लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 8 नए डीपीएस भी तैयार किए गए है, जिसकी सुविधा मॉनसून के दौरान मिलेगी।

महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए कई अहम निर्देश

बाल विवाह पर सख्ती, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र और महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर

रांची: झारखंड मंत्रालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्रांश और राज्यांश बजट का पूर्ण उपयोग करते हुए जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का सीधा लाभ सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि विभाग के अंतर्गत बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) के 106 पद, महिला पर्यवेक्षिका के 433 पद, आंगनबाड़ी सेविका के 583 पद और आंगनबाड़ी सहायिका के 897 पद रिक्त हैं, जिन पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

मिशन मोड में बनेंगे मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मिशन मोड में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र विकसित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड का उपयोग कर जर्जर और किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को नए भवनों में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली, शौचालय और पेयजल की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि किराये के भवनों में चल रहे कई आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है, जिससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

सखी वन स्टॉप सेंटर को लेकर महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने का निर्देश : बैठक में मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा और सहायता से जुड़े "सखी वन स्टॉप सेंटर" की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिलाओं को इन केंद्रों के उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि हिंसा से प्रभावित महिलाओं को समय पर सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों को स्थानीय पुलिस प्रशासन से जोड़ा जाए और महिला हेल्पलाइन नंबर को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि पोषण अभियान योजना के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं को मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं और पोषण ट्रैकर पोर्टल के माध्यम से प्रतिदिन की गतिविधियां अपलोड की जा रही हैं, जिससे निगरानी व्यवस्था मजबूत हुई है।

बाल विवाह रोकने के लिए अभियान चलाने का निर्देश : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बैठक में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथाओं पर कड़ी चिंता जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में बाल विवाह पर रोक सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिडीह, देवघर और जामताड़ा जैसे जिलों में बाल विवाह के अधिक मामले सामने आते हैं। ऐसे क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि बाल विवाह को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानकारी भी आम लोगों तक पहुंचाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने ऑडियो-वीडियो सामग्री और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेज की छात्राओं और आम लोगों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्त झारखंड के लिए साहस दिखाने वाली बालिकाओं को ब्रांड एंबेसडर और स्वयंसेवक बनाकर समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाए।

पेंशन और कल्याणकारी योजनाओं की भी हुई समीक्षा: बैठक में मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि निर्धारित आयु वर्ग के कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित नहीं रहें। इसके अलावा झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री किशोरी कल्याणार्थ हेतु सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, राज्य विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना और दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ठेकेदार से लेवी वसूलने पहुंचे तीन आरोपित हथियार के साथ गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के आनन्दपुर थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार से लेवी वसूलने पहुंचे तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सदर चाईबासा बहामन टूटी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में संजु भोगता, कृष्णा भोगता और संजय साय शामिल हैं। तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गयाा है। जानकारी के अनुसार 25 मई की सुबह आनन्दपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी ईचिण्डा से गोयराबेड़ा के बीच सड़क निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से लेवी वसूलने की योजना बना रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम जब बुरुईचिण्डा से गोयराबेड़ा जाने वाली कच्ची सड़क के पास जंगल क्षेत्र में पहुंची, तो सामने से आ रहे दो युवक पुलिस वाहन को देखकर जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस जवानों ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम संजु भोगता और कृष्णा भोगता बताया। पुलिस पूछताछ में संजु भोगता ने स्वीकार किया कि वे व्हाट्सएप कॉल के जरिए ठेकेदारों को धमकाकर लेवी मांगते थे। उसने यह भी बताया कि वे पहले पीएलएफआई संगठन से जुड़े रहे हैं और सड़क निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार को धमकाने पहुंचे थे। आरोपितों के बयान के आधार पर पुलिस ने संजय साय को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से एक स्मार्ट फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार संजु भोगता ने फरवरी 2026 में रोबोकेरा गांव में सड़क निर्माण कंपनी के वाहनों में आगजनी की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मामले में आनन्दपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रोजगार को लेकर सशक्त संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा स्थित सेल परिसर में मंगलवार को स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग को लेकर सशक्त संयुक्त मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। मां सरला कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ आयोजित इस आंदोलन में ठेका मजदूरों और बड़ी संख्या में बेरोजगार युवक शामिल हुए। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कंपनी पर स्थानीय बेरोजगारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गुवा और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में स्थानीय युवक रोजगार की तलाश में हैं, लेकिन इसके बावजूद कंपनी बाहरी लोगों का मेडिकल और ट्रेनिंग कराकर उन्हें काम पर रखने की तैयारी कर रही है। मोर्चा के नेताओं ने इसे स्थानीय युवाओं के अधिकारों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों को रोजगार से वंचित किया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी गई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों को दरकिनार कर बाहरी लोगों को मेडिकल और प्रशिक्षण देना स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में झारखंड मजदूर यूनियन के महासचिव हेमराज सोनार, अध्यक्ष लालमोहन महतो, भारतीय मजदूर संघ के महासचिव मुकेश लाल, समीर पाठक, सीटू के महेश गोप, क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ के राकेश सुंडी, बेरोजगार संघ के उदय सिंह, कैलाश दास सहित बड़ी संख्या में ठेका मजदूर और स्थानीय बेरोजगार युवक मौजूद थे।

ग्राम सभा में रोजगार और मुआवजे की मांग तेज

पश्चिमी सिंहभूम। मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत छोटानागरा पंचायत के दुबिल गांव में मंगलवार सुबह आयोजित ग्राम सभा में रोजगार, मुआवजा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। दुलाल गुमटी के समीप आयोजित इस ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम मुंडा रामलाल चाम्पिया ने की। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवक-युवतियां और गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे। ग्राम सभा में सबसे प्रमुख मुद्दा सेल की चिड़िया-दुबिल माइंस में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का उठा। ग्रामीणों ने कहा कि खदान क्षेत्र से गांव सीधे तौर पर प्रभावित है, लेकिन इसके बावजूद यहां के युवक-युवतियों को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। इसे लेकर लोगों में नाराजगी देखी गई। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर दुबिल गांव के करीब 200 बेरोजगार युवक-युवतियों को सेल चिड़िया माइंस में नौकरी देने की मांग की गई।

रिम्स जमीन फर्जीवाड़ा मामलाः दो आरोपितों की जमानत याचिकाओं पर 3 जून को अगली सुनवाई

रांची । रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अधिग्रहीत जमीन से जुड़े फर्जीवाड़ा मामले में गिरफ्तार दो आरोपितों राजकिशोर बड़ाईक और कार्तिक बड़ाईक की जमानत याचिका पर मंगलवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 जून की तिथि निर्धारित की है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गत 7 अप्रैल को इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपितों में राजकिशोर बड़ाईक और कार्तिक बड़ाईक, राजेश झा और चेतन कुमार शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, सभी आरोपितों ने आपसी मिलीभगत से रिम्स की अधिग्रहीत सरकारी जमीन को निजी संपत्ति साबित करने के लिए फर्जी वंशावली और दस्तावेज तैयार किए थे। एसीबी की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपितों ने जमीन के मूल रिकॉर्ड में हेरफेर कर कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश की। मामले में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
Tel :- 06562-231148 Email :- municipalcouncil.medininagar@gmail.com

ज्ञापांक.................... / दिनांक......................

—: आम सूचना :—

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत जिन भवनों का निर्माण स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर अथवा बिना भवन अनुज्ञा किया गया है, वे निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित नियमितीकरण हेतु कार्यालय / कैम्प में आवेदन प्रस्तुत करें।

झारखण्ड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026 के मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं :—

1. प्रस्तावित झारखण्ड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026 झारखण्ड राज्य के सभी नगरपालिकाओं, क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार तथा औद्योगिक क्षेत्रों में **दिनांक 31.12.2024 के पूर्व से निमित मौजूदा भवनों पर अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।**
2. अनाधिकृत निर्मित भवन को नियमितीकरण करने हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया —
   - आवेदन भवन के स्वामी द्वारा Licensed Technical Person (निबंधित अभियंता / वास्तुविद) के माध्यम से नगर निकाय में निर्धारित प्रपत्रों में अन्य सभी वांछित अभिलेखों के स्व—अभिप्रमाणित प्रति के साथ समर्पित किया जाएगा। इसे केवल ऑनलाईन मोड के माध्यम से इन नियमों को अधिसूचित होने की तारीख से साठ (60) दिनों के अन्दर आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा।
   - नियमितीकरण की सीमाएँ —
   - ➢ **निर्मित भवन की उँचाई 10 मीटर या G+2 तक**
   - ➢ **300 वर्ग मीटर तक के प्लॉट क्षेत्र पर निर्मित भवन।**
   - **नियमितीकरण के लिए आवेदन जमा करने शुल्क जमा करने जाँच एवं अनुमोदन की प्रक्रिया ऑनलाईन Building Plan Approval Management System (BPAMS) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।**
3. **अनाधिकृत निर्मित भवन के नियमितीकरण हेतु आवेदन शुल्क विवरणी —**

ANNEXURE-II

Regularization Fees Applicable On Unauthorized Construction or On Par Deviation From Sanctioned Plan

SI.NO.	USE	PLOT AREA (In sqm)	Fees Rate on Total Violated Build-up Area/Unauthorized Area (Municipal Council/Nagar Panchayat)	Fee Rate on Total Vio lated Build-up Area/Unauthorized Area Municipal Corporation/Development Authorities/IT/JMADA)
1	Residential	Upto 150	Rs.40/sq.m.	Rs.60/sq.m
		150 to 300	Rs.60/sq.m.	Rs. 90/sq.m
2	Commercial	Upto 150	Rs.80/sq.m.	Rs.120/sq.m
		150 to 300	Rs.120/sq.m.	Rs.180/sq.m

4. **आवेदन समर्पित करने के समय आवासीय भवनों हेतु रू० 10,000/—रू एवं गैर आवासीय भवनों हेतु रू० 20,000/— न्युनतम एकमुश्त राशि का भुगतान करना होगा। भूस्वामी/आवेदक को नियमितीकरण की शेष राशि एक बार में अथवा 03 समान किस्तों में** भुगतान करने का विकल्प उपलब्ध होगा।
5. प्राधिकार / नगरपालिका के गठन / पुनर्गठन के पूर्व निर्मित भवनों के मामले में निर्धारित शुल्क के निरपेक्ष राशि 5000/—रूपये की एकमुश्त नियमितीकरण शुल्क देय होगा।
6. भूस्वामी / आवेदक की ओर से निमितीकरण आवेदन प्रस्तुत करने के लिए, LTP (Licensed Technical Person) अपने परामर्श के बदले निर्मित क्षेत्र के लिए अधिकतम 15/—रू० प्रति वर्ग फुट तक का शुल्क ले सकेंगे।
7. नियमितीकरण हेतु समर्पित की गई शुल्क की राशि वापस नहीं की जायेगी परन्तु अस्वीकृति की स्थिति में, सक्षम प्राधिकार, आवेदक द्वारा भुगतान की गई राशि का 10% जाँच और प्रसंस्करण शुल्क के रूप में अपने पास रखकर शेष राशि वापस करने का प्रावधान है।
8. ऑनलाईन आवेदन प्राप्त होने के बाद सक्षम प्राधिकार आवदनों की जाँच करेंगे एवं आवेदन प्राप्ति के अन्तिम तिथि से 6 माह के अन्दर सूचित करेगा।
9. यदि कोई भूस्वामी / व्यक्ति निर्धारित समय के भीतर आवेदन नहीं करता है, तो वह कानून के तहत प्रवर्तन कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा और उसके भवन को इन नियमो के महत नियमितीकरण के लिए नहीं लिया जायेगा।
10. एन०बी०सी० 2016 के भाग—4 के (अग्निशमन एवं जीवन सुरक्षा) के प्रावधानानुसार, विभिन्न श्रेणी के ईमारतो के लिए अग्निशमण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, जो सभी गैर—आवासीय ईमारतो पर लागू होगा। भवन उपविधि 2016 के प्रासंगिक नियमो के अनुसार वर्षा जल संचयन (Water Harvesting) का प्रावधान होगा।
11. स्थल जहाँ नियमितीकरण प्रावधान लागू नहीं होगा :—
    निम्नलिखित मामलों में अनाधिकृत निर्माणों के नियमितीकरण पर विचार नहीं किया जायेगा।

➢ सरकारी भूमि या सार्वजनिक उपक्रमों उपक्रमों, आवास बोर्ड, झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र प्राधिकार, नगरीय विकास प्राधिकार, स्थानीय निकाय, बन्दोवस्ती, वक्फ बोड आदि के सम्पत्ति पर अतिक्रमण।
➢ वैसी भूमि जिसके लिए आवेदक के पास भवन उपविधि, 2016 के नियम—5.4 में पारिभाषित स्वामित्व नहीं है।
➢ टैंक बेड एवं जलग्रहण क्षेत्र।
➢ मास्टर प्लान / मास्टर प्लान खुले स्थान / मनोरंजन उपयोग के लिए निर्धारित क्षेत्र / मास्टर प्लान / क्षेत्रिय विकास योजना में खुले स्थान का उपयोग।
➢ स्थल / भवन के स्वामित्व के संबंध में कानूनी मुकदमेबाजी / विवाद के अधीन स्थल।
➢ भवन उपविधि, 2016 के नियम 24 के अनुसार असुरक्षित घोषित भवन।
➢ ऐसे भवन जो मास्टर प्लान / क्षेत्रिय विकास योजनाओं में अनुमोदित भूमि उपयोग और जोनिंग विनियमों के अनुरूप नहीं है।
➢ सी०एन०टी० / एस०पी०टी० अधिनियम के प्रावधान के विचलन में हस्तांतरित भूमि पर निर्माण।

ह0/—
नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 380799 (District)26-27*D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम

ज्ञापांक 1614 दिनांक 26.05.2026

PR 379591

आम — सूचना

कार्यालय ज्ञापांक 1386 दिनांक 12.05.2026 से ई0—निविदा संख्या UDHD/MMC/05/2026-27 की निविदा आमंत्रित की गयी थी, उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है।

ह0/—
सहायक नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 380852 District(26-27).D

कार्यालयः- असैनिक शल्य चिकित्सक - सह - मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,पलामू

Tender: PAL/03/ Dt.28-05-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

सिविल सर्जन कार्यालय, पलामू एवं सर्जेसी को अन्य स्वास्थ्य ईकाई के लिए लेखन सामग्री हेतु निबंधित निर्माणकर्त्ता / प्रतिष्ठानों / प्राधिकृत एजेंसियों (जिनका झारखण्ड राज्य से जी0एस0टी0 निर्गत हो) से निविदा, दिनांक — 19.06.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक आमंत्रित है।

1	कार्य का नाम	लेखन सामग्री का अनुमोदन हेतु।
2	निविदा प्रकाशित होने की तिथि	28-05-2026 From 11.00AM
3	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि / समय	28-05-2026 To 19-06-2026 till 05.00 PM
4	निविदा खुलने का समय	22-06-2026 At 03.00PM
5	अग्रधन की राशि जो असैनिक शल्य चिकित्सा सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू के नाम से देय होगा।	15000.00
6	निविदा हेतु आवेदन शुल्क की राशि जो असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू के नाम से देय होगा। (नन रिफन्डेबल)	2000.00 (Two Thousand) Only
7	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यालय असैनिक शल्य चिकित्सक —सह—मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू जेलहाता रोड़, डालटनगंज।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का दूरभाष संख्या	9431138224
9	हेल्पलाईन निविदा से संबंधित दूरभाष संख्या	7870904383
10	निविदा शुल्क एवं EMD का DD (Hard Copy) कार्यालय में हाथों—हाथ रजि0 पोस्ट से जमा करने की तिथि	28-05-2026 At 11.00AM to 19-06-2026 till 05.00 PM
	WWW. Palamu.nic. in पर देखा जा सकता है।	

उक्त अंकित निहित समय तथा तिथि पर निविदा, समिति द्वारा तकनीकी भाग खोलते समय निविदाकर्त्ता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निविदाओं के तकनीकी मूल्यांकन के पश्चात् ही सफल निविदादाताओं का मूल्य भाग खोला जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक — सह — मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,पलामू

PR 380795 District(26-27).D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(गुमशुदा महिला रुबैदा बीबी, उम्र— 27 वर्ष)

डंडई थाना सनहा सं0—10 / 26 दिनांक—22.05.2026 में गुमशुदा रुबैदा बीबी, उम्र—27 वर्ष, पिता—सरफुदीन अंसारी, ग्राम—रारो, थाना—डंडई, जिला—गढ़वा, राज्य—झारखण्ड के रहने वाली है। थाना से प्राप्त आवेदन में उल्लेख किया गया है कि रुबैदा बीबी दिनांक—18.05.2026 को बिना किसी को बताये कहीं चली गई है, तथा अबतक घर वापस नहीं आई है। उक्त गुमशुदा महिला का काफी खोजबीन किया गया, परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त गुमशुदा महिला कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0—9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0— 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता का विवरण / हुलिया :—
नाम—रुबैदा बीबी, लम्बाई—लगभग 05 फीट, 02 इंच,
रंग—सांवला, पहनावा—सलवार सूट।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,गढ़वा

PR 380797 Police(26-27).D

रांची में जनगणना कर्मी को सांप ने डंसा, आईसीयू में चल रहा इलाज

रांची। रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र स्थित चटकपुर में जनगणना कार्य के दौरान एक कर्मी को सांप ने डंस लिया। घटना के बाद गंभीर हालत में कर्मी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनगणना कर्मी सुभेन केरकेट्टा (एचबीएल संख्या-199) मंगलवार को चटकपुर क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वेक्षण कार्य कर रहे थे। इसी दौरान एक घर के पास झाड़ियों में छिपे सांप ने उन्हें डंस लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और अन्य कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत सुभेन केरकेट्टा को प्राथमिक उपचार दिया और बाद में उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन,प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय,(रोजगार कार्यालय)गढ़वा

राज्य के सभी जिलों के तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में योग्यता रखने वाले आवेदकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर।

भर्ती कैम्प सूचना—2026

राज्य के बेरोजगार युवाओं / युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजित कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय, गढ़वा के तत्वावधान में दिनांक—29.05.2026 (दिन—शुक्रवार) को पूर्वाह्न—10.30 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक जिला नियोजनालय,गढ़वा के परिसर में एक दिवसीय ''दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार योजनान्तर्गत भर्ती कैम्प—2026'' का आयोजन किया जा रहा है।

भर्ती कैम्प में निम्न नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है:—

S. No.	Name and Add. Of the Employer	Name of the Post	No. Of Vacancy	Qualification: Essential	Qualification: Desirable	Experience	Age	Salary	Job Location
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	Utkarsh Small Finance Bank. Garhwa	TCO	20	12th Pass	-	-	18 to 32	15000/-	Garhwa, Plamu
		TCSO	10	Graduation	-	-	18-32	15000/-	
02	Janshikshan Sansthan Garhwa	Trainer	05	Graduation	-	2yr	22-45 year	12000/-	Garhwa
03	Kismati Collage of Pharmacy Meral,	Professor	03	M.Pharma	-	-	22-50yr	22,000/-	Garhwa

भर्ती कैम्प में भाग लेने वाले निजी नियोजकों एवं उनसे प्राप्त रिक्तियों की विस्तृत विवरणी से संबंधित सूचना झारखण्ड सरकार के वेबसाईट—WWW.jharniyojan.jharkhand.gov.in एवं garhwa.nic.in पर उपलब्ध है।

भर्ती कैम्प में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना अनिवार्य है। यदि वे पूर्व में निबंधित न हो तो भर्ती कैम्प तिथि के पूर्व अपना निबंधन अपने स्थानीय नियोजनालय में जा कर या स्वयं अधिकृत वेबसाईट—WWW.jharniyojan.jharkhand.gov.in से स्वंय कर सकते हैं। भर्ती कैम्प के दिन निबंधन का कार्य स्थगित रहेगा। रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, इसलिए रिक्ति के शर्तों के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहे है। भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नही होगा।

विशेष जानकारी के लिए जिला नियोजनालय,गढ़वा से सम्पर्क कर सकते है।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 380855 (Labour Employment and Traning) 26-27*D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, कांच में आई दरार

जयपुर, एजेंसी। दिल्ली से जोधपुर आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों

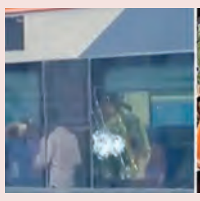

ने पत्थर फेंके हैं। अलवर और रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के बीच इस वारदात को अंजाम दिया गया। ट्रेन की खिड़की पर पत्थर लगने से कांच में दरार आ गई। हालांकि, इस घटना में किसी यात्री को चोट नहीं लगी। रेलवे प्रशासन और आरपीएफ घटना की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रेन पर करीब आधा दर्जन पत्थर फेंके गए थे। कोच में मौजूद यात्रियों से रेलवे पुलिस जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रही है। साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। रेलवे प्रशासन की ओर से इस बारे में अधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

भ्रूण लिंग जांच पर स्वास्थ्य विभाग का एक्शन, प्राइवेट अस्पताल पर मारा छापा

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले में भ्रूण लिंग जांच के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनआईटी एक नंबर स्थित लीलावती अस्पताल में सोमवार देर रात छापेमारी की। स्वास्थ्य विभाग को कई दिनों

से शिकायत मिल रही थी कि अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक गर्भवती को जांच कराने के लिए भेजा। स्वास्थ्य विभाग की टीम पहले से निगरानी में थी। जांच के दौरान अस्पताल में संदिग्ध गतिविधियां सामने आने पर टीम ने मौके पर छापा मार दिया और संबंधित लोगों को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान अस्पताल से जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड भी कब्जे में लिए गए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि मामले में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीएनडीटी) अधिनियम, के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भ्रूण लिंग जांच पूरी तरह गैरकानूनी है और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने कहा कि जिले में लगातार निगरानी की जा रही है और आगे भी शिकायत मिलने पर इसी प्रकार छापेमारी जारी रहेगी।

कोंडागांव में प्रसाद खाने के बाद महिला की मौत, 19 लोग बीमार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पारंपरिक जतरा कार्यक्रम के बाद प्रसाद खाने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं 19 ग्रामीण बीमार हैं, जिनका इलाज चल रहा है। डाक्टरों ने प्राथमिक जांच में फूड प्वाइजनिंग की आशंका जताई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रसाद के नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि शनिवार को आयोजित धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और बाद में प्रसाद ग्रहण किया। रविवार सुबह से कई ग्रामीणों को अचानक उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। अन्य ग्रामीणों ने मरीजों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 55 वर्षीय महिला को कोंडागांव रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

दिग्रस में खनिज माफियाओं का आतंक

राजस्व अधिकारियों पर जेसीबी चढ़ाने की कोशिश, 12 पर एफआईआर

यवतमाल , एजेंसी। यवतमाल जिले के अंतर्गत आने वाले दिग्रस तहसील के वसंत नगर से चितपातर रोड परिसर में अवैध गौण खनिज उत्खनन और उसके अवैध परिवहन का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। इस बार रेत और मुरुम माफिया का हौसला इतना बढ़ गया कि मौके पर कानूनी कार्रवाई करने पहुंचे महसूल (राजस्व) विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर सीधे जेसीबी मशीन चढ़ाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। इस खौफनाक और दुस्साहसिक वारदात से पूरे प्रशासनिक महकमे सहित तहसील में भारी हड़कंप मच गया है। दिग्रस पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 मई की रात लगभग 11:30 बजे के दौरान अंतरगांव से चिंचोली मार्ग पर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मुरुम का उत्खनन और परिवहन किए जाने की गोपनीय सूचना महसूल विभाग को मिली थी। इस सटीक सूचना के आधार पर राजस्व विभाग की एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में मंडल अधिकारी मोहम्मद शरीफ शेख मुनाफ, ग्राम महसूल अधिकारी अशोक सावले तथा मयूर चौधरी तत्काल निजी वाहन से घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के दौरान अधिकारियों ने देखा कि वहां एक बड़ी जेसीबी मशीन और कुछ ट्रैक्टरों की मदद से अवैध रूप से खुदाई कर मुरुम भरा जा रहा था।

महसूल अधिकारियों ने जब वाहनों को रोककर उनके चालकों से इस उत्खनन से संबंधित सरकारी अनुमति पत्र, रॉयल्टी रसीद और अन्य वैध दस्तावेजों की मांग की, तो आरोपी कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असफल रहे। इसके बाद जब अधिकारियों ने नियमों के तहत वाहनों को जब्त

करने के लिए पंचनामा की कागजी प्रक्रिया शुरू करने का प्रयास किया, तो वहां मौजूद वाहन चालक और उनके साथी अचानक बेहद आक्रामक हो गए।

यवतमाल पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, जब अधिकारी पंचनामा लिख रहे थे, तभी जेसीबी के मुख्य चालक ने अचानक मशीन स्टार्ट की और उसे सीधे खड़े अधिकारियों की दिशा में तेजी से बढ़ा दिया। चालक ने उन्हें मशीन के नीचे कुचलकर जान से मारने का सीधा प्रयास किया। गनीमत रही कि अधिकारियों ने समय रहते फुर्ती दिखाई और सड़क किनारे कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

राजस्व दल को डराने का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। इस जानलेवा हमले के कुछ ही समय बाद, मुख्य आरोपी नरेंद्र प्रकाश चव्हाण अपने साथ करीब 10 से 12 अन्य स्थानीय दबंगों को लेकर चार मोटरसाकिलों पर सवार होकर वापस घटनास्थल पर लौटा। इन सभी के हाथों में लोहे की भारी रॉड, डंडे और अन्य धारदार हथियार थे। इन लोगों ने सरकारी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सरेआम अश्लील गालियां दीं, उन्हें जान से मारने की सीधी धमकी दी और सरकारी जब्ती की कार्रवाई को जबरन रोकने का प्रयास किया।

इस बेहद तनावपूर्ण स्थिति के बाद राजस्व अधिकारियों ने तत्काल दिग्रस पुलिस स्टेशन पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नरेंद्र प्रकाश चव्हाण सहित कुल 12 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न संगीन धाराओं तथा महाराष्ट्र जमीन महसूल संहिता के नियमों के अंतर्गत शासकीय कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया है। दिग्रस पुलिस की विशेष टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

शादी में दूल्हे ने दिया अनोखा रिटर्न गिफ्ट

3456 किसानों का कराया 33.6 करोड़ रूपये का दुर्घटना बीमा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एक अनोखी शादी देखने को मिली जहां रिटर्न गिफ्ट में 33.6 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा दिया गया। मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़ से लगभग 55 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित कंधार तालुका के बहादुरपुरा गांव में एक जश्न सामाजिक सुरक्षा में बदल गया। दूल्हे सिद्धेश्वर पेठकर और उनके परिवार ने गांव के सभी 3,465 निवासियों को 1-1 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर गिफ्ट किया।

यह एक ऐसा गांव हैं जहां सांप के काटने, बिजली गिरने और खेती-बाड़ी से जुड़ी दुर्घटनाओं के कारण अक्सर परिवार बिखर जाते हैं और उनके पास कोई बीमा भी नहीं होता।

पेठकर परिवार ने बीमा कंपनी को गांव के मतदाताओं की सूची सौंपने के बाद स्थानीय ग्राम पंचायत के नाम पर एक 'ग्रुप एक्सीडेंट पॉलिसी' खरीदी। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर पात्र निवासी बिना किसी भेदभाव या कागजी कार्रवाई की बाधाओं के इस सुरक्षा कवच के दायरे में आ जाए। यह पॉलिसी एक वर्ष के लिए वैध रहेगी, जबकि इसके नवीनीकरण पर चर्चा बाद में होने की उम्मीद है।

सिद्धेश्वर ने कहा, 'हमारी संस्कृति में दान का ढिंढोरा नहीं पीटा जाता। हमें तालियों की चाह नहीं है। बस आशीर्वाद ही काफी है।' दूल्हे के बड़े भाई अनूप पेठकर ने कहा, 'हमारी खुशी को हमारे घर की सीमाओं से बाहर भी पहुंचना था। नांदेड़ के आस-पास के गांवों में दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें बहुत आम हैं। हम चाहते थे कि यह शादी अपने पीछे सिर्फ यादें ही नहीं, बल्कि सुरक्षा भी छोड़ जाए। ' इस नेक काम की खबर पूरे तालुका में शादी के संगीत से भी तेजी से फैल गई और 4,500 मेहमानों के साथ होने वाला एक भव्य समारोह लोगों के लिए एक सामूहिक भरोसे का प्रतीक बन गया। सरपंच बलिराम पेठकर ने इसे इस क्षेत्र के लिए शायद पहली घटना बताया। उन्होंने आगे कहा, 'शादियों में लोग मिठाइयां और यादगार तोहफे आपस में बदलते हैं। यहां एक परिवार ने सुरक्षा सौंपी।'

मैंने बेटी खोई और ममता ने कुर्सी, आरजी कर पीड़िता की मां का पूर्व सीएम पर निशाना

कोलकाता, एजेंसी। आरजी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई महिला डाक्टर की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक रत्ना देबनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने बेटी खोई है और ममता बनर्जी ने अपनी कुर्सी।

सोमवार को राज्य सचिवालय नबान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद उन्होंने इंटरनेट माध्यम पर पोस्ट में लिखा-'मैं नवान्न की 14वीं मंजिल पर मौजूद हैं, जहां कभी ममता बनर्जी बैठती थीं और अब वहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ उनकी बैठक हो रही है।

ईमानदारी की ताकत बहुत बड़ी होती है। अन्याय के खिलाफ धैर्य के साथ लड़ाई लड़नी पड़ती है। आज मैं और ममता दोनों ही सर्वहारा हैं। मैंने अपनी इकलौती बेटी खोई है और लोगों के लिए काम करने का संकल्प लिया है, जबकि उन्होंने (ममता बनर्जी) ने 14वीं मंजिल की अपनी कुर्सी खो दी है।

रत्ना ने आगे लिखा कि आने वाले दिनों में लोग ममता और उनकी आपराधिक टीम का और भी दुखद अंजाम देखेंगे। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा-'मेरा परिचय यही है कि मैं डाक्टर देवनाथ की गर्वित मां हूं।

रत्ना ने मुख्यमंत्री को एक सीलबंद लिफाफे में आरजी कर कांड के संदिग्धों के नाम सौंपे हैं। उनका कहना है कि इन नामों की जानकारी पहले भी जांच एजेंसियों को दी गई थी। उन्होंने कहा कि विधायक बनने के बावजूद उनकी जिंदगी से सारी खुशियां खत्म हो चुकी हैं और अब उनका एकमात्र लक्ष्य न्याय हासिल करना है।

तमिलनाडु की कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, नाबालिग से रेप-हत्या के दोषी को 75 दिन में दोहरी फांसी की सजा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में एक 17 साल की लड़की से रेप कर उसकी हत्या करने वाले दरिंदे को अदालत ने दोहरी मौत की सजा सुनाई है। मामला तूतीकोरिन जिले के एक रिमोट विलेज का है। अदालत ने फोरेंसिक सबूतों और एक विंडमिल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को फैसले का आधार बनाया।

दरअसल नाबालिग शौच के लिए बाहर गई थी, जिसे दोषी धर्ममुनीश्वरन ने रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उसने पहले उसका बलात्कार किया और फिर हत्या कर दी। मामला सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन उसे कोई सबूत नहीं मिल पा रहा था। पुलिस ने वेदानथम गांव और तूतीकोरिन शहर के बीच लगे ष्ट्ष्ट्अङ्क कैमरों की लगभग 1 हजार घंटे की फुटेज खंगालनी शुरू की। तब जाकर क्राइम सीन के पास स्थित विंडमिल फार्म में लगे एक अकेले कैमरे की फुटेज से उसे लीड मिली। फुटेज में धर्ममुनीश्वरन 10 मार्च को दोपहर लगभग 2:30 बजे गांव में प्रवेश करते दिखा। यह वारदात से करीब 4 घंटे पहले का समय था। इसके बाद वह 11 मार्च को सुबह 6:30 बजे

गांव से बाहर निकलते भी देखा गया। पुलिस ने चेक वाली शर्ट के आधार पर उसकी पहचान की और फिर उसकी मूवमेंट पर नजर रखी। अपराध के समय आरोपी द्वारा पहनी गई शर्ट से लिए गए नमूने लड़की के ब्लड ग्रुप से मैच हो गए। वहीं पीड़िता के गुप्तांगों से लिए सीमन सैंपल भी डीएनए जांच में दोषी से मेल खा गए।

वारदात के ठीक 75 दिन बाद अदालत ने अपना फैसला सुना दिया और आरोपी को दोहरी मौत की सजा का एलान किया। पुलिस ने महज 21 दिन में ही चार्जशीट फाइल कर दी थी।

धर्ममुनीश्वरन ने उसी रात रामनाथपुरम जिले के पार्थिबनूर से बाइक चुराई थी और उसका नंबर प्लेट 5370 से बदलकर 6870 कर दिया था। पुलिस ने बताया कि वह फरवरी में अपने दोस्तों के साथ रेगुलर तौर पर वेदानथम जाता था और उसी बाइक से आने-जाने के रास्तों की रेकी करता था।

आग में जले रिकॉर्ड रिकंस्ट्रक्ट करने की बड़ी चुनौती, गुरुग्राम कोर्ट कैसे जुटाएगा 1975 से लेकर अब तक की फाइलें?

गुरुग्राम, एजेंसी। जिला अदालत के रिकॉर्ड रूम में आग लगने के बाद 51 वर्षों के न्यायिक रिकॉर्ड को दोबारा तैयार करने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है। हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मानना है कि यह कार्य कठिन जरूर है।

लेकिन सभी पक्षों के सहयोग से रिकॉर्ड को रिकंस्ट्रक्ट किया जा सकता है। अदालत प्रशासन ने भी जले हुए रिकॉर्ड को पुनर्निर्मित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

अदालत परिसर का निर्माण 1975 में किया गया था। 1975 से पहले जिला अदालत सिविल लाइन में चलती थी। 1975 से अभी तक का सभी डिसाइड केस का रिकॉर्ड इसमें रखा था। निचली अदालत और सेशन अदालत के रिकार्ड रूम आमने-सामने हैं। बताया जा रहा है कि सेशन अदालत का रिकॉर्ड रूम सुरक्षित है। अधिकांश मामलों की प्रतियां संबंधित अधिवक्ताओं के पास उपलब्ध रहती हैं। इसके अलावा जिन मामलों का फैसला निचली अदालतों में हो चुका है और जिन्हें सत्र अदालत में चुनौती दी गई है। उनका रिकॉर्ड वहां सुरक्षित रहता है। कई मामलों का रिकॉर्ड हाईकोर्ट तक भी पहुंचा हुआ है। जिससे दस्तावेज जुटाने में मदद मिलेगी।

पुराने मामलों को दोबारा व्यवस्थित करना समय लेने वाला काम है। लेकिन आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों से प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। बार और बेंच मिलकर काम करें तो रिकॉर्ड पुनर्निर्माण संभव है। वैसे 2015 के बाद तो सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन है। पुराने रिकॉर्ड की विशेष परिस्थितियों में ही जरूरत होती है। अदालतों में पेश होने वाले दस्तावेजों की प्रतियां पक्षकारों और वकीलों दोनों के पास रहती हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण फाइलों को दोबारा तैयार किया जा सकता है। सबसे ज्यादा चुनौती बहुत पुराने मामलों में आएगी। जहां दस्तावेज सीमित उपलब्ध होंगे। पुरानी फाइलें रखने के लिए अधिवक्ताओं के पास भी इतने बड़े रिकॉर्ड रूम उपलब्ध नहीं होते।

यह केवल अदालत प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि अधिवक्ता, पक्षकार और अदालत कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें तो जले हुए रिकॉर्ड का बड़ा हिस्सा दोबारा तैयार किया जा सकता है। जले हुए रिकॉर्ड को रिकंस्ट्रक्ट करना चुनौती भरा काम तो है लेकिन कठिन नहीं है।

गाजियाबाद में इबोला वायरस को लेकर विभाग सतर्क, आपदा की तैयारी के लिए दिया प्रशिक्षण

गाजियाबाद, एजेंसी। इबोला को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। सोमवार को ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करके अधिकारियों ने इबोला रोग की रोकथाम एवं क्लीनिकल प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की।स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्कता, संक्रमण नियंत्रण एवं आपदा की तैयारी को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं आइडीएसपी (इंटीग्रेटिड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम) के तत्वावधान में आयोजित महत्वपूर्ण आनलाइन वेबिनार में इबोला रोग को लेकर सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिये गये हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सक, जिला सर्विलांस अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।

वेबिनार में एमएमजी हॉस्पिटल के फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन ने भी सहभागिता की तथा महामारी प्रबंधन एवं संक्रमण नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इबोला वायरस रोग (ईवीडी) की समय रहते पहचान, संक्रमण के प्रसार को रोकना,

अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था और ट्रीटमेंट प्रणाली को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य कर्मियों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित करना था। विशेषज्ञों ने बताया कि इबोला एक गंभीर एवं जानलेवा वायरल बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैल सकती है।वेबिनार के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इबोला रोग के प्रारंभिक लक्षणों जैसे तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त, शरीर में दर्द एवं रक्तस्राव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

यूपी में बिजली संकट; उपलब्धता से ज्यादा आपूर्ति की चुनौती, कम क्षमता के कारण हो रहा ब्रेकडाउन

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बिजली संकट की बड़ी वजह बिजली की उपलब्धता के बजाय आपूर्ति की चुनौती से जुड़ी है। प्रदेश के कुल बिजली उपभोक्ताओं ने जो लोड स्वीकृत करवाया है, वह आपूर्ति क्षमता से लगभग दो करोड़ किलोवॉट ज्यादा है। ऐसे में बढ़ती गर्मी में जब उपभोक्ता अपने स्वीकृत लोड के बराबर भी बिजली चाह रहे हैं तो कम क्षमता की वजह से ब्रेकडाउन की संख्या में इजाफा हो रहा है। प्रदेश में लगभग 3 करोड़ 73 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। इन उपभोक्ताओं का कुल संयोजन भार करीब 8 करोड़ 57 लाख किलोवॉट है। वहीं, दूसरी तरफ 132 केवी ट्रांसफॉर्मर की कुल क्षमता 6 करोड़ 25 लाख 76 हजार किलोवॉट है। चिलचिलाती गर्मी में बिजली की मांग बढ़ रही है और तमाम उपभोक्ता अपने स्वीकृत लोड से ज्यादा बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, जिन फीडरों पर क्षमता से ज्यादा मांग बढ़ रही है, वहां ब्रेकडाउन हो रहे हैं। क्षमता के अलावा फॉल्ट दूर करने वाली टीम की संख्या में हुई कटौती ने भी बिजली संकट बढ़ा दिया है। हर उपकेंद्र पर एक समय में एक ही टीम मरम्मत के लिए है। उपकेंद्रों पर तीन या इससे ज्यादा फीडर हैं। कई उपकेंद्रों पर फीडर की संख्या सात-आठ भी है। ऐसे में अगर किसी उपकेंद्र के एक से ज्यादा फीडर पर एक समय में फॉल्ट आए तो बारी-बारी उन्हें ठीक किया जाएगा।

पीक मांग के वक्त 2336 मेगावॉट बिजली खरीदी एक्सचेंज से

रविवार रात को बिजली की अधिकतम मांग का नया रिकॉर्ड (31,804 मेगावॉट) दर्ज किया गया। इस दरम्यान पावर कॉरपोरेशन को बिजली एक्चेंज से 2336 मेगावॉट बिजली खरीदनी पड़ी। वहीं, राज्य विद्युत उत्पादन निगम का अपने स्रोतों से उत्सर्जन 7106 मेगावॉट था जबकि उसकी क्षमता 9220 मेगावॉट है। निर्धारित आयात स्रोतों से 10,718 मेगावॉट बिजली ली गई। उत्पादन निगम ने जल विद्युत से 273 मेगावॉट बिजली उत्सर्जित की। जाहिर है कि अपने स्रोतों और अनुबंध के आधार पर पावर कॉरपोरेशन बिजली की व्यवस्था तो कर ले रहा है। बड़ी दिक्कत इनकी आपूर्ति में आ रही है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि जनता को रिकॉर्ड नहीं बल्कि राहत चाहिए। बार–बार आपूर्ति बाधित होने की वजह से उसे परेशानी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने अधिकतम मांग के आंकड़ों पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस समय पावर कॉरपोरेशन के पास जितनी बिजली है, उतनी ही अधिकतम मांग हो जा रही है। रविवार को दक्षित भारत के मौसम में बदलाव हुआ। बारिश हुई तो एक्सचेंज पर बिजली ज्यादा आ गई तो उसकी आपूर्ति करके रिकॉर्ड बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फॉल्ट दूर करने वाली टीम की संख्या बढ़ाने, आपूर्ति में वर्टिकल व्यवस्था खत्म करने और आपूर्ति ढांचे को मजबूत करने के बाद ही स्थितियां सामान्य हो सकती हैं।

विचार-मंथन

संपादकीय

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नया विस्तार

अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। ऐसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार को नई ऊंचाई देने का एक महत्त्वपूर्ण संकल्प लिया है।यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।इसके अलावा रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौतों के साथ रक्षा, व्यापार और नवाचार से लेकर अन्य कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते समीकरणों के बीच रक्षा तथा आर्थिक संबंध और समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा। खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्त्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बड़ा है। गौरतलब है कि इटली, यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे।

आस्था और रील

रील बनाने की दीवानगी इस हद तक बढ़ गई है कि कोई मेट्रो या बाज़ार में नाच रहा, कोई चलती ट्रेन या बीच सड़क पर स्टंट दिखा रहा तो कोई पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ रहा। इनमें से कई लोग हादसों का शिकार भी हो रहे, पर क्रेज़ कम नहीं हो रहा। हद तो तब हो गई, जब पवित्र स्थलों को भी इन्होंने नहीं बख्शा। इस बार भी केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही इनकी हरकतों की खबरें आनी शुरू हो गईं, जबकि मंदिर परिसर के पास फोटोग्राफी, विडियो बनाने और ड्रोन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। उल्लंघन पर जुर्माना भी वसूला जा रहा, उसके बावजूद लोग बाज नहीं आ रहे। एक शख्स के खिलाफ तो पुलिस को केस दर्ज करना पड़ा, जो वहां पटाखे फोड़कर अपना जन्मदिन मना रहा था। दरअसल, तीन साल पहले वायरल हुए एक विडियो की वजह से यहां रील बनाने का क्रेज़ कुछ ज्यादा ही बढ़ गया। यह विडियो मंदिर के ठीक सामने एक ट्रैवल व्लॉगर के प्रपोज़ करने का था। इसके बाद तो ऐसी ऊटपटांग हरकतें करके लाइक्स और व्यूज़ पाने वाले कुछ ज्यादा ही पहुंचने लगे। मंदिर परिसर की मर्यादा और पवित्रता को ठेस पहुंचाने की शिकायतें बढ़ीं तो प्रशासन को यहां मोबाइल और ड्रोन पर पाबंदी लगानी पड़ गई। पवित्र परिसर से रीलबाज़ों को दूर रखने के लिए मंदिर के चारों तरफ सात फीट ऊंचे बैरिकेड्स लगाने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। स्थानीय होटल व रेस्तरां चलाने वाले भी बोल रहे हैं कि ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। पहले यहां सिर्फ श्रद्धालु ही आते थे, लेकिन अब पर्यटक अधिक आने लगे हैं। उनमें भी उनकी तादाद अधिक है, जो आस्था के बजाय मौजमस्ती के लिए यहां आ रहे हैं, जिनका ध्यान भक्ति से अधिक विडियोग्राफी में होता है। कपाट खुलने के बाद वहां से आने वाली तस्वीरों से ही इसका पता भी चल जाता है। तय क्षमता से कई गुना अधिक लोग रोज़ वहां पहुंच रहे हैं। एक श्रद्धालु ने अपनी आपबीति बताई कि वह तड़के 3 बजे से लाइन में लगे थे।

खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र ने रचा इतिहास, पहली बार 1.87 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का आंकड़ा पार

- केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए क्षेत्र की रिकॉर्ड प्रगति को रेखांकित किया।
- पिछले 12 वर्षों में उत्पादन में 380 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह क्षेत्र लगभग पांच गुना विस्तारित हुआ, जबकि बिक्री में 501 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ छह गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।
- रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति करते हुए पिछले 12 वर्षों में 56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे अब 2.04 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है।
- अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केवीआईसी की योजनाएं 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे रही हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार 1.87 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार का आंकड़ा पार कर लिया है। आयोग द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र ने उत्पादन, बिक्री और रोजगार सृजन के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। नई दिल्ली स्थित गांधी दर्शन, राजघाट कार्यालय में केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 501 प्रतिशत, उत्पादन में 380 प्रतिशत और रोजगार सृजन में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

1.87 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंची बिक्री

केवीआईसी के अनुसार वर्ष 2013-14 में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की कुल बिक्री 31,154 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,87,105 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वहीं उत्पादन 26,109 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,25,296 करोड़ रुपये हो गया है। आयोग ने इसे ग्रामीण भारत की बढ़ती उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बताया है। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के "आत्मनिर्भर भारत", "वोकल फॉर लोकल" और "लोकल टू ग्लोबल" जैसे अभियानों ने खादी को नई पहचान दिलाई है। आज खादी केवल पारंपरिक वस्त्र नहीं, बल्कि नए भारत की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी गौरव का प्रतीक बन चुकी है।

खादी वस्त्रों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2013-14 में जहां खादी वस्त्रों का उत्पादन 811 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 3,974 करोड़ रुपये हो गया। इसी प्रकार बिक्री 1,081 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,869 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो लगभग 628 प्रतिशत की वृद्धि है। ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन वर्ष 2013-14 के 25,298 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,21,322 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं बिक्री 30,073 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,79,236 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। आयोग के अनुसार ग्रामीण उद्योगों के विस्तार, बाजार सुदृढ़ीकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में ग्रामोद्योग की भूमिका लगातार मजबूत हुई है।

2.04 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी केवीआईसी ने नई उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2013-14 में जहां खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र से जुड़े लोगों की संख्या 1.30 करोड़ थी, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 2.04 करोड़ हो गई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत वर्ष 2025-26 में 66,494 नई इकाइयों की स्थापना की गई, जिनके माध्यम से 7,31,434 लोगों को रोजगार मिला। योजना की शुरुआत से अब तक 10.84 लाख से अधिक इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं और लगभग 97.95 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केवीआईसी के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 79,682 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें 47,382 महिलाएं शामिल रहीं। पीएमईजीपी के तहत 28,180 महिला उद्यमियों ने नई इकाइयों की स्थापना की, जिससे 3 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला। खादी क्षेत्र में लगभग 5 लाख कारीगरों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं, जो इस क्षेत्र को महिला सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनाता है। कारीगरों के पारिश्रमिक में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वर्ष 2013-14 में जहां प्रति हैंक 4 रुपये का भुगतान होता था, वह बढ़कर अब 15 रुपये प्रति हैंक हो गया है, जो लगभग 275 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा सरकारी आपूर्ति, प्रदर्शनी बिक्री और राष्ट्रीय ध्वज की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। "हर घर तिरंगा" अभियान के प्रभाव से राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री 0.87 करोड़ रुपये से बढ़कर 2.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट क्या है? यह सीमा रक्षा के लिए क्यों और कहाँ कहाँ जरूरी है?

(कमलेश पांडे)

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट एक ऐसा सिस्टम है जिसमें सीमा पर केवल बाड़ नहीं होती, बल्कि एआई आधारित निगरानी, सेंसर नेटवर्क, ड्रोन और रडार, थर्मल कैमरे, भूमिगत सेंसर, सैटेलाइट और फाइबर नेटवर्क, रियल टाइम कमांड सेंटर आदि सभी को परस्पर जोड़कर इंटेलिजेंट बॉर्डर बनाया जाता है। स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट भारत की सीमाओं को पारंपरिक तारबंदी और मानव गश्त से आगे बढ़ाकर तकनीक आधारित इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा कवच में बदलने की योजना है। इसे मुख्यतः कम्प्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम के तहत विकसित किया गया है। हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर बड़े स्तर पर स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट लागू किया है। जानिए स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट क्या है? स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट एक ऐसा सिस्टम है जिसमें सीमा पर केवल बाड़ नहीं होती, बल्कि एआई आधारित निगरानी, सेंसर नेटवर्क, ड्रोन और रडार, थर्मल कैमरे, भूमिगत सेंसर, सैटेलाइट और फाइबर नेटवर्क, रियल टाइम कमांड सेंटर आदि सभी को परस्पर जोड़कर इंटेलिजेंट बॉर्डर बनाया जाता है। स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट में अनुप्रयुक्त तकनीकों के बारे में जानिए सवाल है कि आखिर स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट में कौन-कौन सी तकनीकें अनुप्रयुक्त होती हैं? तो यह जान लीजिए कि स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट में नअनुप्रयुक्त तकनीकें निम्नलिखित हैं- पहला, थर्मल इमेजर और नाइट विजन का उपयोग किया जाता है जो रात, कोहरा, बारिश या धूलभरी आंधी में भी गतिविधि पकड़ लेते हैं। दूसरा, लेजर और इन्फ्रारेड अलार्म का उपयोग किया जाता है जिससे कोई व्यक्ति सीमा पार करे तो तुरंत अलर्ट मिलता है। तीसरा, ग्राउंड सेंसर की खासियत यह है कि ये भूमिगत सुरंग या कंपन तक पहचान सकते हैं। चौथा, ड्रोन और एरोस्टेट के अनुप्रयोग से ऊपर से लगातार निगरानी होती रहती है और बड़े क्षेत्रों में तेजी से ट्रैकिंग सम्भव हो पाता है। पांचवां, रडार और सोनार के उपयोग से नदी या दलदली क्षेत्रों में नावों और गतिविधियों पर निगरानी सम्भव हो जाती है। छठा, कमांड और कंट्रोल सेंटर से सभी सेंसरों की जानकारी एक ही कंट्रोल रूम में पहुंचती है, जहाँ बीएसएफ/आईटीबीपी तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आखिर भारत को इसकी जरूरत क्यों है? सवाल है कि आखिर भारत को इसकी जरूरत क्यों है? तो यह जान लीजिए कि निम्नलिखित वजहों से भारत को इसकी जरूरत है- पहला, आतंकवाद और घुसपैठ रोकने के लिए क्योंकि विशेषकर पाकिस्तान सीमा पर आतंकियों की घुसपैठ बड़ी चुनौती रही है। दूसरा, अवैध प्रवासन रोकने के लिए, क्योंकि बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ, मानव तस्करी और तस्करी लंबे समय से समस्या रही है। तीसरा, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भारत को इसकी सख्त जरूरत है, क्योंकि भारत की सीमाएँ- रेगिस्तान, पहाड़, घने जंगल, नदी क्षेत्र, दलदली इलाके से होकर गुजरती हैं, जहाँ सामान्य फेंसिंग कारगर नहीं होती। चतुर्थ,जवानों की सुरक्षा के दृष्टिगत, क्योंकि लगातार गश्त में सैनिकों की जान का जोखिम रहता है। स्मार्ट निगरानी से यह दबाव कम होगा। पांचवां, निरंतर 24-7 निगरानी हेतु, क्योंकि मानव गश्त सीमित होती है, लेकिन सेंसर और एआई चौबीसों घंटे काम कर सकते हैं। सवाल है कि भारत की किन किन सीमाओं पर यह सबसे ज्यादा जरूरी है? तो यह जान लीजिए कि पहला, पाकिस्तान सीमा पर क्यों जरूरी है? यहां पर आतंकवादी घुसपैठ, ड्रोन से हथियार/नशा भेजना, सीमा पार फायरिंग, सुरंगों का उपयोग किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष

आज पैसा के मामलों में आपकी स्थिति मजबूत रहने वाली है। पुराने निवेश से आपको अच्छा रिटर्न मिलने वाला है। किसी को भी बड़ा कर्ज देने से बचें। आज अपने बजट के हिसाब से ही खर्च करें। आज ऑफिस में आपके काम करने का जज्बा देखने लायक होगा। आपके सीनियर्स आपकी समझदारी से बहुत खुश रहेंगे। आज अपनी पेंडिंग फाइलों का काम पूरा कर लें।

वृष

आज आपके लिए पैसों का नया रास्ता खुलने वाला है। आपको पैतृक संपत्ति से बड़ा लाभ मिल सकता है। आज आप अपने फ्यूचर के लिए कोई बड़ा और समझदारी भरा इन्वेस्टमेंट प्लान कर सकते हैं। ऑफिस में आज आपके आइडियाज की हर कोई तारीफ करेगा। आप मुश्किल से मुश्किल प्रोजेक्ट को भी अपनी सूझबूझ से बहुत आसान बना लेंगे।

मिथुन

आज आपकी किस्मत के बंद ताले खुलेंगे। आज आपको अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है। किसी बड़ी यात्रा या मेंटर की सलाह से भी आपको फायदा होगा। हालांकि, आज किसी को भी पैसा उधार देने की गलती बिल्कुल न करें। = आज आपका दिन बेहद प्रोडक्टिव रहने वाला है।

तुला

आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ संकेत लेकर आया है। आपको कमाई का कोई नया जरिया भी मिल सकता है। साथ ही पुराने निवेश से भी अच्छा फायदा होगा। बस आज अपनी लग्जरी चीजों पर जरूरत से ज्यादा पैसा बहाने से बचें। निवेश हमेशा सोच-समझकर करें और अपनी बचत को संभाल कर रखें।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए स्थिर और मजबूत रहने वाला है। पैसों से जुड़ा कोई पुराना कानूनी विवाद आज सुलझ जाएगा। आपकी रेगुलर इनकम अच्छी बनी रहेगी। आज आपको सट्टा बाजार से दूर रहना चाहिए। किसी भी तरह के रिस्की ट्रेड में पैसा लगाने से बचें। आज करियर में आगे बढ़ने के लिए एक बेहतरीन दिन है। बड़े से बड़े प्रोजेक्ट को बहुत ही शानदार तरीके से पूरा कर लेंगे।

धनु

आज का दिन आपकी आर्थिक स्थिति को बहुत मजबूत बनाने वाला है। बिजनेस में पुराना फंसा हुआ प्रॉफिट आज आपको मिल सकता है। आज का दिन बजट बनाने के लिए बहुत अच्छा है, लेकिन शेयर मार्केट में जोखिम लेने से बचें। आज आपके करियर में चमकने का दिन है। आपके काम करने की स्किल आज बहुत शानदार रहेगी।

कर्क

आज पैसों के मामले में आपको थोड़ा सोच-समझकर चलना होगा। आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। आज फालतू की चीजों पर पैसा बर्बाद न करें। लॉटरी या सट्टेबाजी से बिल्कुल दूर रहें। करियर के मामले में ज्यादा मेहनत मांग रहे हैं। आज जल्दबाजी में लाइमलाइट में आने की कोशिश न करें। पर्दे के पीछे रहकर शांति से अपना काम करते रहें।

सिंह

आज आर्थिक रूप से आपका दिन बहुत शानदार रहने वाला है। आपको एक से ज्यादा सोर्स से धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। पुराना अटका हुआ पैसा भी आज वापस मिल सकता है। बस ध्यान रखें कि पैसों के लेन-देन को लेकर परिवार में किसी से भी कड़वी बात न करें। आपकी मेहनत को देखकर सीनियर्स आपकी पदोन्नति का फैसला ले सकते हैं।

कन्या

आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आने वाला है। बस आपको अपने पैसों को सही ढंग से मैनेज करना आना चाहिए। आपके अंदर ज्यादा पैसा कमाने का जूनून जागेगा। इसके लिए आप जमकर मेहनत भी करेंगे। अचानक किसी यात्रा या सुख-सुविधा पर बड़ा खर्चा कराने वाले हैं।

मकर

आज आपको पैसों के मामले में बहुत ही समझदारी से प्लानिंग करनी होगी। आज अचानक महंगी चीजें खरीदने का मन कर सकता है। आज किसी भी अनजान डील में पैसा लगाने से बचें। किसी को बड़ा कर्ज देने की गलती भी आज न करें। आज आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत शानदार रहने वाली है। बिजनेस से जुड़ी कोई भी लंबी दूरी की बातचीत आज आपके लिए फायदेमंद रहेगी। इससे भविष्य में आपको बड़ा मुनाफा मिलेगा।

कुंभ

आज आपको अपने पैसों की बचतकरना चाहिए। सट्टेबाजी और गुप्त डील्स से दूर रहने की चेतावनी दे रहे हैं। आज पुराने बजट को सुधारने के लिए दिन बहुत अच्छा है। पारिवारिक संपत्ति को सहेजने के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहेगा। आज का दिन ऑफिस में कोई बड़ा नया प्रोजेक्ट लॉन्च करने का नहीं है। आपकी एनालिसिस करने की क्षमता आज बहुत तेज रहेगी। अगर आपका काम अकाउंटिंग, ऑडिटिंग या राइटिंग से जुड़ा है।

मीन

आज पैसों के मामले में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। किसी भी तरह का बड़ा रिस्क लेने से आज बचें। बिना किसी एक्सपर्ट की सलाह के प्रॉपर्टी के कागजात पर साइन न करें। आज अपने गुप्त खर्चों पर लगाम लगाएं। आपको लॉन्ग टर्म सेविंग्स पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। आज ऑफिस में काम का बोझ थोड़ा ज्यादा हो सकता है। हालांकि, आप अपनी मेहनत से विरोधियों को पीछे छोड़ देंगे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6104

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6103

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 6104

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1927 को मध्यप्रदेश की भूतपूर्व राज्यपाल तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा में भारत की दूसरीमहिला ने जन्म लिया था (6)
6. वरयात्रा, बराती (3)
7. कमर, शरीर का मध्य भाग (2)
8. सुर, वाचा (2)
10. हॉलेंड के निवासी यह कहलाते है (2)
11. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (उर्दू)(2)
12. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
13. सिलसिलेवार, क्रमिक, व्यवस्थित (4)
15. वस्तु आदि की नीचे की सतह, आवृत्ति, स्तर (2)
17. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पेंदा (2)
18. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म, सरगम (1979) थी (4)
21. यह अभिनेता अमजद खान के अभिनेता पिता थे (निधन 2 जून 1975) पुराणानुसार इंद्र के एक पुत्र उपेंद्र का यह भी एक नाम था (3)
22. सेवा, टहल, सुशुश्रूषा (4)
24. पत्र, पत्ती का अपभ्रंश (2)
25. प्रणाम, तस्लीम, नौहे की एक किस्म (3)

ऊपर से नीचे

1. विद्या या वाणी की देवी, पंजाब की एक प्राचीन नदी (4)
2. शर्म, हया, लज्जा (2)
3. एक विस्फोटक रासायनिक गोला (3)
4. चक्रवात, बवंडर, गुबार (4)
5. सन्नद्ध, कमर बांधकर, तैयार, मुस्तैद (4)
7. अस्पष्ट उच्चारण, गलबल, मिनमिन (4)
9. 25 वर्ष पूर्ण होने पर (6)
14. राय, दार्शनिक प्रणाली, सलाह, वोट (2)
16. जीवन, जिंदगी (उर्दू)(3)
19. प्रवेश, विनिवेश, भर्ती (3)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (3)
21. सुब्रह्मण्यम स्वामी वाली राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
23. बल, एक बार सांस लेने का समय, शक्ति, फूंक (2)

वर्ग पहेली 6103 का हल

इ	रा	क		ता		व	र
शा	य	द		न	ह	सु	त
रा		ली	ला	से	ठ		ना
क	ला			न	क	सी	र
र	न	क	ना		र	न	
ना	त		ग	या	ना		बे
		स	ब	क		गु	रू
स	म	त	ल			ल	त

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने RCB को किया इग्नोर

बताया कौन बनेगा इस सीजन का विनर

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद का समर्थन किया है।

सीजन के अपने आखिरी लीग-स्टेज मैच के बाद बोलते हुए अक्षर पटेल ने कहा कि हैदराबाद का विस्फोटक टॉप ऑर्डर उन्हें इस प्रतियोगिता की सबसे खतरनाक टीमों में से एक बनाता है और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्लेऑफ में उनके बल्लेबाजों का बल्ला चला तो उन्हें रोकना मुश्किल होगा।

अक्षर पटेल ने हैदराबाद का किया समर्थन- सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने लीग-चरण के आखिरी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 55 रनों की शानदार जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की की थी। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टेबल-टॉपर्स के खिलाफ खेलते हुए हैदराबाद ने इस सीजन का अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया और पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रही थी। हैदराबाद अब 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के मुल्लनपुर स्टेडियम में एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा। दिल्ली के कप्तान

अक्षर पटेल ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हैदराबाद एक मजबूत टीम है और जब उसके टॉप तीन बल्लेबाज बन बनाते हैं तो वो एक जबरदस्त टीम नजर आते हैं और इस टीम के चैंपियन बनने का संभावना सबसे ज्यादा है। आपको बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 को 14 मैचों में 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर अपने अभियान को समाप्त किया। टूर्नामेंट के बीच में टीम के प्रदर्शन में भारी गिरावट आई और वे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए समय रहते वापसी करने में नाकाम रहे।हालांकि दिल्ली ने सीजन के अपने आखिरी तीन मैच जीतकर सीजन का समापन अच्छे तरीके से किया, लेकिन ये टीम प्लेऑफ में लगातार 5वें साल भी नहीं पहुंच पाई। दिल्ली के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए अक्षर पटेल ने माना कि उनकी टीम टूर्नामेंट के दौरान अहम मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही। अक्षर ने कहा कि आपको अपनी गलतियां माननी पड़ती हैं और तभी आप समझ पाते हैं कि आप और क्या बेहतर कर सकते हैं। एक-दो मैचों में हार-जीत तो चलती रहती है। हमने अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन अगर हमने एक-दो मैचों में अहम मौकों को भुनाया होता, तो आज हालात कुछ और होते।

वैभव सूर्यवंशी का नया लक्ष्य

अब निशाने पर क्रिस गेल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेहद बड़ा बयान देकर क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। 15 साल के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा है कि उनका लक्ष्य टी20 क्रिकेट में पहला दोहरा शतक लगाने का है। वैभव ने साफ कहा कि वह वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल का 175 रन का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। फिलहाल टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर गेल के नाम दर्ज है।

केविन पीटरसन के शो में किया बड़ा खुलासा – वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के यूट्यूब शो 'द स्विच' में नजर आए। इस दौरान पीटरसन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अपनी फिफ्टी सेलिब्रेट करना पसंद है? इस पर वैभव ने जवाब दिया, मुझे 50 रन सेलिब्रेट करना ज्यादा पसंद नहीं है। मैं ञ्20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। मैं क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आईपीएल में बना चुके हैं कई रिकॉर्ड – पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर आईपीएल इतिहास का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया था। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने आईपीएल करियर की शुरुआत पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर की थी और तभी से लगातार रिकॉर्ड तोड़ते आ रहे हैं।

विनेश फोगाट के एशियन गेम्स खेलने की गारंटी नहीं

लांग लिस्ट में नाम नहीं, ट्रायल जीतीं तो भी ओसीए करेगा अंतिम फैसला ; हाईकोर्ट से राहत मिली

पंचकूला (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर ट्रायल में हिस्सा लेने की छूट के बाद भी रेसलर विनेश फोगाट के जापान में एशियन गेम्स-2026 खेलने की गारंटी नहीं है। 19 सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भेजी गई संभावित खिलाड़ियों (लांग लिस्ट) में विनेश का नाम नहीं है। भारतीय कुश्ती फेडरेशन की ओर से इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशनको भेजी सूची में इस रेसलर का नाम नहीं था। आईओसी ने यही लिस्ट आगे एशियन ओलंपिक परिषद और जापान की आयोजन समिति को भेजी। ऐसे में अब ओसीए के रुख पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 मई को फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि मातृत्व को किसी महिला खिलाड़ी के खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता।

आज दमदार सनराइजर्स के खिलाफ रॉयल्स को

सूर्यवंशी और आर्चर पर भरोसा

मुल्लांपुर (एजेंसी)। अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की मौजूदगी से बेहद मजबूत नजर आ रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी की तो उसे 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी और तेज तर्रार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स की टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी लेकिन उसने दूसरे चरण में लय हासिल कर ली।

नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से भी टीम को काफी फायदा हुआ, क्योंकि उसने अपने इन आखिरी सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था और इस तरह से कमिंस और उनकी टीम को बहुत अधिक दबाव वाले नॉकआउट मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। रॉयल्स के कप्तान रियाग पराग ने खुद स्वीकार किया कि उनकी टीम को लीग चरण के आखिरी दिन तक इंतजार करने से बहुत पहले ही क्वालीफाई कर लेना चाहिए था, लेकिन अब जबकि टीम वहां पहुंच गई है तब वह आगे बढ़ने के लिए बेताब होगी। रॉयल्स के शीर्ष क्रम में सूर्यवंशी (583 रन), यशस्वी जायसवाल (397) और ध्रुव जुरेल (458) ने सर्वाधिक रन बनाए हैं।

सनराइजर्स की तरफ से भी शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा (563 रन), ट्रैविस हेड (393) और ईशान किशन (569) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन नंबर चार पर बल्लेबाजी करने वाले हेनरिक क्लासेन (606) का विशेष रूप से उल्लेख करना जरूरी है, क्योंकि उन्होंने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विस्फोटक क्षमता के बावजूद जायसवाल और हेड के प्रदर्शन में उतनी निरंतरता नहीं रही है जितना वे चाहते थे। सनराइजर्स यकीनन टूर्नामेंट की सबसे आक्रामक टीम है और इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं थी कि रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा से विपक्षी टीम के शीर्ष चार बल्लेबाजों से निपटने की उनकी रणनीति के बारे में पूछा गया। संगकारा ने कहा, उनकी टीम बहुत अच्छी है और वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें खुद पर भरोसा है कि वे खुलकर खेलेंगे और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में ऐसा ही किया है। हमें वास्तव में अपनी लय बनाए रखनी होगी। अनुशासित रहना होगा और यह समझना होगा कि वह ऐसी टीम नहीं है जिसे आप 120 या 130 रन पर रोक सकते हैं। हमें अपनी लाइन और लेंथ को लेकर आक्रामक रहना होगा। श्रीलंका के इस दिग्गज को उम्मीद होगी कि पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले आर्चर एक बार फिर मैच विजेता प्रदर्शन करेंगे, जैसा कि उन्होंने वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में किया था।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद – ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, सलिल अरोड़ा, साकिब हुसैन, अमित कुमार, प्रफुल्ल हिंगे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, शिवांग कुमार, ओंकार तरमाले, दिलशान मदुशंका, गेराल्ड कोएत्जी, आरएस अंबरीश।

राजस्थान रॉयल्स – शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, अमन राव पेराला, ब्रिजेश शर्मा, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, यशराज पुंजा, इमानजोत सिंह चहल।

समय–शाम 7.30 बजे

अनुभवी भारतीय ओलंपियन तीरंदाज श्याम लाल मीणा का निधन

बांसवाड़ा (राजस्थान) (एजेंसी)। भारत के शुरुआती ओलंपिक तीरंदाजों में से एक और ओलंपिक खेलों में देश की पहली तीरंदाजी टीम के सदस्य रहे श्याम लाल मीणा का रविवार रात लंबी बीमारी के बाद 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मीणा ने एक अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उनका इलाज चल रहा था। पिछले कुछ वर्षों से वे कथित तौर पर लिवर से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के केवडिया गांव में 4 मार्च 1965 को जन्मे मीणा ने साधारण शुरुआत से आगे बढ़ते हुए भारतीय तीरंदाजी के शुरुआती मशालवाहकों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शुरुआत में पारंपरिक बांस के धनुष से प्रशिक्षण लिया, जिसके बाद उन्हें सरकार की स्पेशल एरिया गेम्स योजना के माध्यम से पहचान मिली; इस योजना ने उनकी प्रतिभा को निखारने में मदद की। मीणा भारतीय पुरुषों की रिकर्व टीम का हिस्सा थे जिसमें उनके साथ जाने-माने तीरंदाज लिंबा राम और रजत हलदर भी शामिल थे। इस टीम ने 1987 में कोलकाता में आयोजित एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था जिसे तीरंदाजी के क्षेत्र में भारत का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय पदक माना जाता है।

आईपीएल में 6 फ्रेंचाइजियों के लिए खेल चुके स्पिनर मुरुगन अश्विन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

चेन्नई (एजेंसी)। 35 वर्षीय भारतीय स्पिनर मुरुगन अश्विन ने घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। मुरुगन ने 25 मई को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए अपने करियर को अलविदा कहा। हालांकि उन्होंने साफ किया कि वह आगे भी दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते रहेंगे।

सोशल मीडिया पर किया संन्यास का ऐलान –मुरुगन अश्विन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया और यही खेल उन्हें आज इस मुकाम तक लेकर आया। उन्होंने कहा कि छह साल की उम्र से क्रिकेट उनके जीवन का अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने लिखा, मैं घरेलू क्रिकेट और आईपीएल करियर को अलविदा कहने का फैसला कर चुका हूं। हालांकि मैं नए अवसरों और चुनौतियों की तलाश जारी रखूंगा और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलता रहूंगा।

सुआरेज की हैट्रिक

इंटर मियामी ने फिलाडेल्फिया को 6-4 से हराया

मियामी । इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन एक्शन में फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ 6-4 से रोमांचक दर्ज की। लुइस सुआरेज की हैट्रिक, जर्मन बर्टेराम के दो गोल और मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के एक गोल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रेक से पहले मियामी की इस रेगुलर सीजन में चौथी जीत दिलाई। मैच की शुरुआत फिलाडेल्फिया ने शानदार अंदाज में की और चौथे मिनट में ही पहला गोल किया। इसके बाद 10वें मिनट में फिलाडेल्फिया ने दूसरा गोल दागते हुए मैच में अपनी बढ़त को 2-0 कर दिया। इंटर मियामी ने 13वें मिनट में पहला गोल किया। बर्टेराम ने बॉक्स के अंदर मेसी के सटीक असिस्ट का फायदा उठाते हुए पास से गोल किया। इंटर मियामी की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोल बर्टेराम का इस रेगुलर सीजन में छठा गोल था, जबकि मेसी का यह सातवां असिस्ट रहा। मेहमान टीम ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा और स्कोरलाइन 1-3 कर दी। हालांकि, सुआरेज ने इंटर मियामी की वापसी कराई और मैच के 29वें मिनट में शानदार वॉली लगाकर गोल किया। मियामी ने 42वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जब बर्टेराम ने इस रेगुलर सीजन में अपना सातवां और इंटर मियामी के लिए

अपना पहला गोल किया। मेसी ने बॉक्स के ऊपर से बर्टेराम को शानदार पास दिया, जिसके बाद मैक्सिको के खिलाड़ी ने पहली बार दाहिने पैर से फिनिश करते हुए बॉल को नेट में डाल दिया।

इसके बाद मेजबान टीम ने 44वें मिनट में ब्रेक से ठीक पहले मैच में पहली बार बढ़त हासिल की। सुआरेज ने डी पॉल के शुरुआती प्रयास के बाद पास से गोल किया। हालांकि, फिलाडेल्फिया ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में चौथा गोल करते हुए स्कोर को 4-4 से बराबर कर दिया। इंटर मियामी ने 81वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल की। बर्टेराम का पहला शॉट बॉक्स के अंदर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने गोल के सामने सुआरेज को पास दिया और सुआरेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और अपनी हैट्रिक पूरी की।

सुआरेज ने अब तक इस रेगुलर सीजन में 6 गोल किए हैं, जबकि बर्टेराम ने 4 असिस्ट दिए हैं। मेजबान टीम के लिए छठा गोल डी पॉल ने किया और टीम की जीत पर मुहर लगा दी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रेक से ठीक पहले इंटर मियामी ने लगातार चौथी जीत हासिल करते हुए 6-4 की स्कोरलाइन मैच के अंत तक बनाए रखी।

IPL में 2011 से पहले नहीं होता था प्लेऑफ

हले तीन सत्र में हुए थे सेमीफाइनल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर है। मंगलवार (26 मई) से रविवार (31 मई) के बीच प्लेऑफ होगा। फाइनल से पहले तीन मैच क्वालिफायर-1, एलिमिनेटर और क्वालिफायर-2 होगा। हालांकि, आईपीएल के शुरुआती तीन सीजन 2008, 2009 और 2010 में प्लेऑफ नहीं सेमीफाइनल हुए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में आज भी सेमीफाइनल से ही फाइनल खेलने वाली दो टीमें तय होते हैं, फिर आईपीएल में ये तीन मैचों वाला

प्लेऑफ क्यों होता है? इस सवाल का जवाब काफी दिलचस्प है। आईपीएल में प्लेऑफ होने का सबसे बड़ा कारण निरंतरता को व्यर्थ न जाने देना है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट में शुरुआत से ही 50 से ज्यादा मैच होते हैं। ऐसे में लीग स्टेज में 18-20 अंक जुटाने वाली टीम का केवल एक खराब दिन के कारण बाहर होना नाइंसाफी की तरह महसूस होता है। आईपीएल के शुरुआत तीन सालों में कुछ ऐसा ही देखने को मिला।

रियान पराग ने आलोचनाओं के बावजूद खुद को साबित किया कुशल कप्तान

मुल्लांपुर (एजेंसी)। क्रिकेट विशेषज्ञों से लेकर सोशल मीडिया तक आलोचकों के निशाने पर रहे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने अपनी टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के प्लेऑफ में पहुंचाकर खुद को एक कुशल नेतृत्वकर्ता साबित कर दिया। असम का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी जब 2019 में पहली बार राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा था तभी से उन्हें हर कदम पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनका बेहद आत्मविश्वासी होना और बिना लाग लपेट के अपनी बात कहना कई लोगों को नागवार गुजरा उन्हें अहंकारी तक कहा गया।

मुंबई में शीर्ष चार में जगह पक्की करने के बाद रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने पराग का बचाव करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि मैंने ऐसे बहुत कम खिलाड़ी देखे हैं जिनकी रियान की तरह पिछले सात साल से आलोचना हो रही है। वह इस फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। पराग ने आईपीएल 2024 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था लेकिन इससे पहले अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्हें 2024 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाए।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के चलते उसी साल उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली,

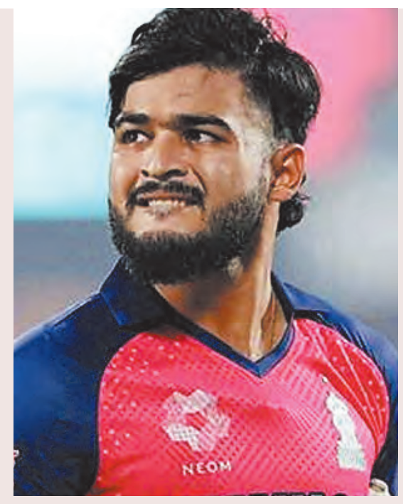

लेकिन कुछ समय बाद ही कंधे की पुरानी चोट के लिए उनकी सर्जरी हुई, जिस कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम से बाहर होना पड़ा। भारत की टी20 टीम में प्रत्येक जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और ऐसे में पराग को अभी तक टीम में वापसी का मौका नहीं मिला है। रॉयल्स के शीर्ष प्रबंधन को उन पर इतना भरोसा था कि संजू सैमसन के जाने के बाद ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अच्छा अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के बजाय उन्हें कप्तानी सौंप दी गई। आईपीएल के वर्तमान सत्र में भी पराग को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

टूर्नामेंट की शुरुआती चरण में वह रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम में वेपिंग (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का उपयोग) करते हुए पकड़े जाने के बाद उन्हें हर तरफ से ट्रोल किया गया। राजस्थान रॉयल्स की टीम जब अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी तब पराग ने टीम के खराब प्रदर्शन को खुलकर स्वीकार किया। इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों पर कथित तौर पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के लिए कमेंटेटरों और विशेषज्ञों की जमकर आलोचना की।

मुंबई के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में जिस तरह से पराग ने गेंदबाजी में बदलाव किए उससे आलोचक भी उनके मुरीद बन गए। उनके रणनीतिक बदलाव से राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीत कर प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रहा। पराग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करते हैं और मैच के बाद की उनकी टिप्पणियां इसका सटीक उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, मैंने इस सत्र में कई साहसिक फैसले लिए हैं। मुझे नेतृत्व करना पसंद है। मैं असम का नेतृत्व भी इसी तरह करता हूं। आपको जोखिम उठाना होगा, यह कोई जुआ नहीं है।

पराग के पिता प्रथम श्रेणी के क्रिकेटर रहे हैं और उनकी मां भारतीय तैराक हैं। जब वह महज 16 महीने के थे, तभी उन्होंने अपने हाथों में प्लास्टिक का बल्ला पकड़ लिया था। पराग ने इस तरह से इतना तो सुनिश्चित कर ही दिया है कि वह अगले साल भी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान बने रहेंगे।

न्यूज बाइट्स

बरौली में गूंजेगी भक्ति की अलौकिक धुन

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। पिपरा पंचायत अंतर्गत बरौली गांव में पिछले दिनों आयोजित ऐतिहासिक एवं भक्तिमय यज्ञ का सवा महीना आगामी 8 जून को पूर्ण होने जा रहा है। इस शुभ अवसर पर गांव में भव्य महाआरती, भजन-कीर्तन एवं विशाल महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। नकारी के अनुसार, यज्ञ के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। अब सवा महीना पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष पूजा-अर्चना के साथ दीपों से सजी भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

"फार्मर रजिस्ट्री– किसान की डिजिटल पहचान" अभियान मिशन मोड में संचालित

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिला प्रशासन द्वारा "फार्मर रजिस्ट्री– किसान की डिजिटल पहचान" अभियान को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान की प्रगति को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष से सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया गया कि जिले में 30 जून 2026 तक विशेष अभियान चलाकर किसानों का फार्मर रजिस्ट्री एवं फार्मर आईडी निर्माण कराया जा रहा है। अब तक जिले के 1 लाख 28 हजार 189 किसानों का सफलतापूर्वक फार्मर रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। अभियान के तहत पंचायत सरकार भवनों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां कृषि समन्वयक, राजस्व कर्मचारी, किसान सलाहकार एवं आवास सहायक की उपस्थिति में किसानों का ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन तथा फार्मर आईडी निर्माण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र किसान इस अभियान से वंचित न रहे। इसके लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाकर दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को पंचायत स्तर पर संचालित शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पंचायतवार सहयोग शिविर की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

आमजन से जुड़े मामलों का समयबद्ध किया जाए समाधान : जिलाधिकारी

- डीएम ने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।
- वरीय प्रभारियों को प्रखंडों में जाकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश।
- 2 जून को जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

डीएम अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को औरंगाबाद समाहरणालय में दो जून को आयोजित होने वाले पंचायतवार सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान 19 मई 2026 को आयोजित सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल देते हुए कहा कि आमजन से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से भूमि विवाद एवं भूमि संबंधी मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी निष्पादित आवेदनों की ऑनलाइन अपलोडिंग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि पोर्टल पर अद्यतन स्थिति उपलब्ध रहे और निगरानी एवं अनुश्रवण की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक पंचायत में सहयोग शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए माइकिंग कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग शिविर की जानकारी प्राप्त कर अपनी समस्याओं के समाधान हेतु शिविर में शामिल हो सकें। साथ ही प्रत्येक पंचायत में आमजन से फीडबैक प्राप्त करने पर भी विशेष जोर दिया गया, जिससे शिविर के संचालन एवं सेवा वितरण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी वरीय प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने प्रखंडों में जाकर सहयोग शिविर की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करें तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं सुलभ समाधान उपलब्ध कराना है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। 02 जून को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर बारूण प्रखंड के पिपरा एवं धनगाईं पंचायत, औरंगाबाद प्रखंड के पड़रावाँ एवं खैरा बिन्द पंचायत, देव प्रखंड के पवई एवं खरकनी पंचायत, मदनपुर प्रखंड के पिपरौरा एवं वार पंचायत, रफीगंज प्रखंड के पौथु, इटार, लट्टा एवं कजपा पंचायत, कुटुम्बा प्रखंड के भरौंधा, कर्मा बसंतपुर, डुमरा एवं घेउरा पंचायत, नबीनगर प्रखंड के महुआंव एवं अंकोरहा पंचायत, ओबरा प्रखंड के तेजपुरा एवं डिहरा पंचायत, दाउदनगर प्रखंड के शमशेर नगर एवं अरई पंचायत, गोह प्रखंड के हथियारा, बनतारा, अमारी एवं तेयाप पंचायत तथा हसपुरा प्रखंड के पीरु एवं पुरहरा पंचायत में आयोजित किए जाएंगे। बैठक में अनन्या सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह, शार्दूल हसन खां, सुनंदा कुमारी, श्वेता प्रियदर्शी, बेबी प्रिया एवं अविनाश प्रकाश सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

18 जुलाई को लगेगी विशेष लोक अदालत चेक बाउंस मामलों का होगा निस्तारण

- उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करना एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है।
- बैठक में जगनारायण सिंह, उदय सिन्हा सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के अंतर्गत लंबित मामलों के निस्तारण के लिए 18 जुलाई 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से चेक अनादरण से संबंधित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाएगा। बताया गया कि एनआई अधिनियम की धारा 138 से जुड़े अधिकांश मामले वित्तीय प्रकृति के एवं समझौता योग्य होते हैं। ऐसे मामलों के शीघ्र एवं सार्थक समाधान तथा न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने के उद्देश्य से वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के रूप में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने एनआई अधिनियम से संबंधित मामलों की पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं के साथ अपने प्रकोष्ठ में बैठक आयोजित की। बैठक में जिला विधिज्ञ संघ के सचिव जगनारायण सिंह, उपाध्यक्ष उदय सिन्हा सहित वरिष्ठ अधिवक्ता संजय गुप्ता, अशोक गुप्ता, अंजनी कुमार सिंह, मनोज मिश्रा, कृष्ण प्रताप सिंह एवं सतीष कुमार स्नेही उपस्थित रहे।

बैठक में सचिव तान्या पटेल ने कहा कि यह पहला अवसर है जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर एनआई अधिनियम से जुड़े मामलों के निस्तारण हेतु विशेष पहल करते हुए विशेष लोक अदालत आयोजित की जा रही है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने स्तर से पहल करते हुए लंबित मामलों के पक्षकारों को समझौते के माध्यम से मामले के निस्तारण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत के पूर्व प्री-काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौते की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी तथा उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा न्यायालयों से प्राप्त लंबित मामलों की सूची के आधार पर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। सचिव तान्या पटेल ने जिलेवासियों से अपील की कि एनआई अधिनियम से संबंधित जिन मामलों की सुनवाई विभिन्न न्यायालयों में लंबित है, उसकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार को उपलब्ध कराएं तथा प्री-काउंसिलिंग एवं विशेष लोक अदालत के दिन उपस्थित होकर अपने मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

शादी रुकवाने के लिए दूल्हे के पिता पर चली थी गोली, सुपारी किलर गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गिरफ्तार आरोपी की पहचान राकेश कुमार यादव के रूप में हुई है, जो पटना जिले के लक्ष्मणपुर गांव का रहने वाला है। वह फिलहाल अमहारा थाना क्षेत्र के चकमुंज्जे स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। पुलिस के अनुसार मामले का मुख्य आरोपी दिलीप कुमार तथा उसका सहयोगी दिनेश उर्फ जट्टा अब भी फरार हैं। जांच में सामने आया है कि नगर बिहटा गांव निवासी दिलीप कुमार ने शादी रुकवाने के उद्देश्य से पूरी साजिश रची थी। उसने शूटरों को निर्देश दिया था कि शादी से पहले दूल्हे या उसके पिता की हत्या कर दी जाए, ताकि विवाह रुक जाए। इसके लिए डेढ़ लाख रुपए की सुपारी तय की गई थी, जिसमें से 50 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे। पुलिस के अनुसार वारदात को अंजाम देने के लिए तीन अपराधी कार से चिंतावन बिगहा पहुंचे थे। पहचान छिपाने के लिए कार की नंबर प्लेट पर मिट्टी का लेप लगा दिया गया था। घटना में इस्तेमाल कार का नंबर बीआर33टी-0142 बताया गया है। जांच में यह भी पता चला कि अपराधी वारदात से करीब 10 दिन पहले से गांव में रेकी कर रहे थे। 17 अप्रैल को वे पहली बार गांव पहुंचे थे, लेकिन दूल्हा नहीं मिलने पर उसकी तलाश में पटना तक गए। ग्रामीणों के मुताबिक तिलक समारोह से तीन दिन पहले दिलीप कुमार चार-पांच लोगों के साथ गांव आया था।

27 अप्रैल को बारात निकलने से करीब दो घंटे पहले अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। दूल्हे के पिता सुनील पांडेय उर्फ अरुण पांडेय बाजार से सामान लेकर स्कूटी से लौट रहे थे। इसी दौरान रसोइया गांव के पास अपराधियों ने उनकी स्कूटी में कार से टक्कर मार दी और गोली चला दी। गोली सिर को निशाना बनाकर चलाई गई थी, लेकिन बाईं आंख के नीचे जा लगी। गंभीर रूप से घायल सुनील पांडेय को पहले कुटुंबा रेफरल अस्पताल और बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स भेजा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंबरीश राहुल के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था।

प्रगति परियोजनाओं की समीक्षा में राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित प्रगति परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति एवं लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में औरंगाबाद जिले में संचालित भारतमाला परियोजना तथा अन्य महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान एवं भूमि हस्तांतरण की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक में वाराणसी-रांची-कोलकाता हाईवे (एनएच-319बी) परियोजना के अंतर्गत औरंगाबाद जिले में भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि परियोजना के लिए कुल 35.2 किलोमीटर लंबाई में अधिग्रहित भूमि का भौतिक कब्जा अधियाचना विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है।

जानकारी दी गई कि परियोजना हेतु 3ए अधिसूचना 2 अगस्त 2022 को जारी की गई थी, जबकि 3D घोषणा 15 मार्च 2023 एवं 17 जुलाई 2023 को प्रकाशित की गई। कुल 52 मौजा में लगभग 270.4283 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है। परियोजना के लिए अब तक 200.85 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 100.60 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। समीक्षा के दौरान परियोजना के पैकेज-IV की स्वीकृति प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि परियोजना का मूल्यांकन पीपीपीएसी द्वारा किया जा चुका है तथा कैबिनेट अनुमोदन की प्रक्रिया जारी है। बैठक में यह भी बताया गया कि परियोजना से संबंधित वन एवं वन्यजीव स्वीकृति के लिए आवश्यक प्रस्ताव संबंधित विभागों को भेजे जा चुके हैं तथा स्वीकृति की प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके अलावा आमस-दरभंगा फोरलेन ग्रीनफील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-119डी) परियोजना के विभिन्न पैकेजों में भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। संबंधित जिलों में लंबित भूमि हस्तांतरण, मुआवजा भुगतान एवं अन्य अवरोधों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परियोजनाओं से संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि सड़क अवसंरचना विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके और आमजन को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में औरंगाबाद की जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह तथा भू अर्जन पदाधिकारी उपेंद्र पंडित शामिल रहे।

बाइक हादसे का शिकार हुआ रेलकर्मी, इलाज के दौरान मौत

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में रेलवे कर्मी की मौत हो गई। हादसा किशनपुर से हसपुरा जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुआ, जहां अचानक सड़क पर आए जंगली सूअर को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान संतोष पटेल के रूप में हुई है। वह किशनपुर गांव निवासी नथुनी सिंह के 36 वर्षीय पुत्र थे और रेलवे विभाग में हेल्पर इलेक्ट्रिक के पद पर सोननगर पावर हाउस में कार्यरत थे। बताया जाता है कि वह अपने बीमार पिता के इलाज के लिए सोमवार को छुट्टी लेकर घर आए थे। मंगलवार दोपहर संतोष बाइक से हसपुरा बाजार दवा लेने जा रहे थे। इसी दौरान किशनपुर गांव के पास अचानक सड़क पर एक जंगली सूअर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल हसपुरा रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन सोनू ने बताया कि शुरुआत में स्थिति इतनी गंभीर नहीं लग रही थी। प्राथमिक उपचार के बाद संतोष घर लौट आए थे, लेकिन अचानक सिर में तेज दर्द शुरू होने पर उनकी हालत बिगड़ गई।

हाजीपुर जोन में अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन को मिला 29वां स्थान, ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यवसाय के मामले में हाजीपुर जोन में 29वां स्थान प्राप्त किया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह स्टेशन 30वें स्थान पर था। व्यवसाय में लगातार वृद्धि के बावजूद प्रमुख ट्रेनों के ठहराव नहीं होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। औरंगाबाद जिले का यह महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन ए ग्रेड का दर्जा प्राप्त कर चुका है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन पर अभी भी ए ग्रेड के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। साथ ही कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं होने से यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है। जम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी जम्होरिया, अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, सचिव राणा सुनील सिंह सहित अन्य सदस्यों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। मंच के सदस्यों का कहना है कि गया- पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के अन्य ए ग्रेड स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव है, लेकिन अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन इस मामले में पिछड़ गया है।

स्थानीय लोगों ने जिन ट्रेनों के ठहराव की मांग की है उनमें मालदा टाउन-गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस, गोड्डा-दौराई साप्ताहिक एक्सप्रेस, हल्दिया-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस, कोलकाता-बीकानेर साप्ताहिक एक्सप्रेस, हावड़ा-गांधीधाम साप्ताहिक एक्सप्रेस, कोलकाता-अमृतसर दुर्गियाना एक्सप्रेस, गोड्डा-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस, संतरागाछी-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जसीडीह एक्सप्रेस, हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस, कोलकाता-गाजीपुर शब्दभेदी एक्सप्रेस, गोंडा-नई दिल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस, गया-चेन्नई एक्सप्रेस तथा अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस शामिल हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। स्टेशन से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर देव सूर्य मंदिर स्थित है। इसके अलावा देवकुंड, उमंगा धाम, गजना धाम, सतबहिनी, सत्य चंडी धाम और विष्णु धाम जैसे धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भी स्टेशन के आसपास स्थित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं।

कासमा बाजार बंद कर लोगों ने की एसएचओ और चौकीदार को हटाने की मांग

कासमा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के कासमा थाना क्षेत्र में दवा कारोबारी और उसकी मां के साथ कथित मारपीट के विरोध में लोगों ने बाजार बंद कर प्रदर्शन किया। व्यापारियों, ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने कासमा थाना के थानाध्यक्ष तथा चौकीदार को हटाने की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आरोप है कि कासमा थाना के चौकीदार बनवारी पासवान ने दवा कारोबारी सुधीर गुप्ता पर एक्सपायरी दवा देने का आरोप लगाकर उसके साथ मारपीट की। स्थानीय लोगों का कहना है कि दवा एक्सपायर नहीं थी, इसके बावजूद चौकीदार ने दबंगई दिखाते हुए दुकानदार को पीटा। विरोध करने पर कारोबारी की मां के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। लोगों का आरोप है कि बाद में थाना के एक दारोगा दुकानदार को जबरन पकड़कर थाना ले गए। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और नाराज व्यवसायियों ने पूरे कासमा बाजार को बंद करा दिया। सुबह से ही बाजार की अधिकांश दुकानें बंद रहीं तथा बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए।

महिला स्वयं सहायता समूह में 24.80 लाख रुपये का गबन

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। रफीगंज थाना पुलिस ने एक महिला स्वयं सहायता समूह के 24 लाख 80 हजार 735 रुपये के गबन के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान बालीगांव निवासी बृजेश प्रसाद की 36 वर्षीय पत्नी सीमा देवी के रूप में हुई है, जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह मामला तब सामने आया जब 17 जनवरी 2025 को गांव की सविता देवी, संगीता देवी, सुनीता देवी सहित दर्जनों महिलाओं ने संयुक्त रूप से रफीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया था कि समूह के कुल 24 लाख 80 हजार 735 रुपये का गबन किया गया है।

कवियों, शायरों एवं गीतकारों को सुकून देती रही है औरंगाबाद की धरती

अरविन्द अकेला

औरंगाबाद जिला एक समय साहित्यिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता था। एक ऐसा दौर भी रहा जब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कवि, शायर और गीतकार यहां नियमित रूप से आया करते थे। साहित्यिक आयोजनों की समृद्ध परंपरा ने औरंगाबाद को सांस्कृतिक पहचान दिलाई थी। साहित्य प्रेमियों के अनुसार वर्ष 1970 से 2005 तक का समय औरंगाबाद के लिए साहित्यिक स्वर्णकाल माना जाता है। इस दौरान जिले में लगातार अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, मुशायरे और साहित्यिक गोष्ठियों का आयोजन होता रहा। इन आयोजनों में प्रमुख भूमिका डॉ. शंकरदयाल सिंह द्वारा स्थापित कामता सेवा केंद्र, देव की रही, जिसने अपने पिता कामता प्रसाद सिंह "काम" की स्मृति में सोशल क्लब, औरंगाबाद में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित कराए। इसके अलावा बज्म-ए-उर्दू, औरंगाबाद द्वारा अखिल भारतीय मुशायरा तथा साहित्यकुंज द्वारा विभिन्न प्रखंडों एवं नगर भवन में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

औरंगाबाद की धरती पर हिंदी और उर्दू साहित्य जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इनमें गोपाल दास नीरज, कैफ़ी आज़मी, शौकत आज़मी, शैल चतुर्वेदी, काका हाथरसी, अशोक चक्रधर, हुल्लड़ मुरादाबादी, बशीर बद्र, शकील बदायूंनी, शैलेश लोढ़ा, सुरेन्द्र शर्मा, अज्ञेय, गुलज़ार तथा जावेद अख्तर सहित दो सौ से अधिक कवि और शायर शामिल रहे। स्थानीय साहित्य प्रेमियों का कहना है कि बाहर से आने वाले कवि, शायर और गीतकार औरंगाबाद में आकर कविता पाठ करना अपना सौभाग्य मानते थे। यहां के श्रोता साहित्य के प्रति बेहद गंभीर और संवेदनशील माने जाते थे, जिसके कारण मंचीय कविताओं और मुशायरों का अलग ही आकर्षण हुआ करता था। आज भी जिले के वरिष्ठ साहित्य प्रेमी उस दौर को याद करते हुए कहते हैं कि औरंगाबाद की धरती ने साहित्य को केवल मंच ही नहीं दिया, बल्कि कवियों और शायरों को आत्मीयता, सम्मान और सुकून भी दिया।